



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 25, 1990 (भाद्रपद 3, 1912)
No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 25, 1990 (BHADRA 3, 1912)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिज़र्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

केन्द्रीय ऋण प्रभाग

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1990

सं० सी ओ० डी टी० ए सी एस० 5/369/90-91—31 मार्च 1990 को भारत सरकार रुपया ऋण कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक, लंदन की बहियों में बकाया और भारत में पुनः अंतरित राशि की कटौती के अंतर्गत लंदन में ब्याज की अदायगी के लिए मूल्यांकित सरकारी वचन पत्रों का विवरण :—

विवरण	3 प्रतिशत परिवर्तन ऋण 1946	3 प्रतिशत ऋण 1896-97	जोड़
	र०	र०	र०
30 सितम्बर 1989 का शेष	14,200	2,300	16,500
जोड़िए			
31 मार्च 1990 को समाप्त हुई छमाही के दौरान लंदन में मूल्यांकित की गई राशि	—	—	—
घटाइए			
लंदन के रजिस्ट्रारों में बढ़ते खाते डाली गई राशि	र० 3,100	—	र० 3,100
31 मार्च 1990 को शेष	र० 11,100	र० 2,300	र० 13,400

एस० एस० राय,
मुख्य सचिव

दी इन्सटीच्यूट आफ कास्ट एण्ड वकर्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया

कलकत्ता, दिनांक 23 मई 1990

मी. डब्ल्यू. आर (1)/90.—कास्ट एण्ड वकर्स एकाउन्टेन्ट्स विनियम 1959 जिनका प्रयोग कास्ट एण्ड वकर्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम, 1959 (1959 की धारा संख्या 23) की धारा 39 की उपधारा (1) और (3) में दिए जाने वाले संशोधनों के कुछ प्रस्ताव का निम्न मसौदा इसमें प्रमाणित होने वाले व्यक्तियों की जानकारी हेतु प्रकाशित किया जा रहा है और एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त मसौदे को साथ सितम्बर, 1990 को या उसके बाद उस पर विचार करने हेतु ग्रहण किया जाएगा। उपरोक्त मसौदे में सम्बन्धित कोई आपत्ति या प्रस्ताव विनिर्धारित तिथि में पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त होता है तो उस पर इन्सटीच्यूट आफ कास्ट एण्ड वकर्स एकाउन्टेन्ट्स द्वारा विचार किया जाएगा।

1. वर्तमान विनियम 20 की निम्नलिखित नए नियम के साथ प्रतिस्थापित किया जाएगा।

20. पंजीयन की शर्तें :—

प्रत्येक व्यक्ति जो "पंजीकृत छात्र" बनने के लिए आवेदन करना चाहता है उसे फार्म-1 पर आवेदन प्रस्तुत करना होगा तथा काउन्सिल के समक्ष उसे संतुष्ट करने के लिए यह प्रमाण करना होगा कि उसने विनियम में निर्धारित आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। यदि उसने निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई भी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तो उसे पंजीकृत छात्र के रूप में प्रवेश देने हेतु "आधारभूत परीक्षा" उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं है :—

(क) किसी भी विश्व विद्यालय की उपाधि (डिग्री) परीक्षा।

(ख) इन्सटीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया, या इंग्लैण्ड और वेल्स या स्कॉटलैण्ड या आयरलैण्ड की अंतिम परीक्षा या चार्टर्ड इन्सटीच्यूट आफ मैनेजमेंट्स आफ कम्पनी सेक्रेटरी की अंतिम परीक्षा।

(ग) इस दिशा की ओर केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई भी परीक्षा।

20 (क) आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रवेश हेतु :—

प्रत्येक व्यक्ति जो आधारभूत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहता है, वह इस आशय हेतु काउन्सिल द्वारा निर्धारित फार्म पर आवेदन करेगा और काउन्सिल की संतुष्टि हेतु प्रमाण प्रस्तुत करेगा कि :—

(क) आवेदन पत्र भरने की तिथि के दिन उसने सोलह वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है और

(ख) उसने (10 × 2) योजना के अन्तर्गत उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उसके समकक्ष कोई परीक्षा या आल इण्डिया काउन्सिल आफ टेक्निकल एजुकेशन द्वारा ली गई नेशनल डिप्लोमा इन कामर्स या अन्य किसी अखिल भारतीय काउन्सिल प्राधिकरण के अधीन स्टेट बोर्ड आफ टेक्निकल एजुकेशन की कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो) या नेशनल

काउन्सिल आफ स्लर हायर इक्वायलिशन द्वारा संचालित "ग्रामीण सेवा" में डिप्लोमा।

या इन्सटीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया या इंग्लैण्ड और वेल्स या स्कॉटलैण्ड या आयरलैण्ड की माध्यमिक परीक्षा, या इन्सटीच्यूट आफ कास्ट एण्ड मैनेजमेंट्स एकाउन्टेन्ट्स लन्दन, या इन्सटीच्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया की माध्यमिक परीक्षा या आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रवेश हेतु कोई अन्य परीक्षा जिसे इस आशय हेतु केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है।

वर्तमान विनियम 20 के स्थान पर निम्नलिखित नया नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :—

20(ख) आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा हेतु शुल्क प्रश्न-पत्र, तथा पाठ्यक्रम : प्रत्येक अभ्यर्थी को आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा हेतु रु. 80/- शुल्क देय होंगी तथा निम्नलिखित विषयों में परीक्षा ली जाएगी :—

आधारभूत पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र : 1 व्यापार के आधारभूत तत्त्व एवं अर्थ नीति :

खण्ड : 1 व्यापार के आधारभूत तत्त्व

उद्देश्य : व्यापार जगत में परिचय कराना तथा अर्थशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों अभ्यास में परिचित कराना :

ज्ञान का स्तर : आधारभूत जानकारी

1. व्यापारिक इकाईयों के प्रकार :—सोल ट्रेडर्स, आर्टिफिक्स आफ एसोसिएशन प्रोस्फेक्टस, शेयर्स, परिवार ज्वाइन्ट स्टॉक कम्पनी पब्लिक, यूटिलिटीज, तथा स्टेट इन्टरप्राइज।

2. कम्पनी संगठन और व्यवस्थापना, कम्पनियों के प्रकार, उनका गठन, निगमिकरण तथा व्यापार आरम्भ करना मेमोरण्डम आफ एसोसिएशन, तथा आर्टिफिक्स आफ एसोसिएशन प्रोस्फेक्टस, शेयर्स डिबेन्चर्स निवेशक मण्डल स्टॉक तथा साधारण सभाएं।

3. व्यापार के उद्देश्य : सामाजिक जिम्मेदारी का तर्क और धारणा व्यापार तथा इसका परिपाक्षिक वैधानिक राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष में प्रवेश।

4. व्यापारिक वित्त पोषण : निर्गमित का श्रोत शेयर, लाभांश अन्डरव्राइटिंग, कृष्ण योजना का महत्व, प्रमुख वित्तीय संस्थान जैसे : आई. एफ. सी. आई., आई. डी. बी. आई., यू. टी. आई., आई. सी. आई. सी. आई., एन. आई. डी. सी., एल. आई. सी. आई. जी. आई. सी. एस. आयात निर्यात बैंक, एम. एफ. सी., तथा अन्त राष्ट्रीय वित्त संस्था यथा आई. एम. एफ., आई. एफ. सी., आई. वी. आर. डी. (विश्व बैंक) एसियन डेवलप बैंक—गठन और कार्यप्रणाली।

5. आयात-निर्यात : आयात-निर्यात प्रक्रिया के आवश्यक अंश तथा सम्बन्धित औपचारिकताएं मुक्त व्यापार : अनुषंगी, भाल उतारते समय सुरक्षा, टॉरिक्स, सी. सी. एस., जूबैक व्यापार करारनामों का अधिशेष सिपिंग बिल लदान बिल प्रवृष्टि बिल, बिल एकसाईक, चुंगी औपचारिकता तथा मंट की रसीद सर्टिफिकेट आफ ऑरिजिन खुला सामान्य लाइसेंस, व्यक्तिगत लाइसेंस, चुंगी बेयर हाउस तथा बाउडेड बेयर हाउस, शाखपत्र ।
6. स्टॉक एक्सचेंज की कार्यकारी पद्धति : डिलर तथा दलाल, सौदा, महत्व, स्टॉक एक्सचेंज की सदस्यता की शर्त, समाधानन गृह ।
7. सिक्योरिटी एक्सचेंज कंट्रोल ब्यूरो : गठन और कार्य संचालन ।
8. व्यापार संप्रेषण तथा प्रतिबंधन लेखन : तार संवाद लेखन, जनसूचनाएं, तथा निमंत्रण परिपत्र, विज्ञापन का मसौदा लेखन, शिकायतों की फाइल, पत्र लेखन ।

भाग—2(1)

- (1) अर्थशास्त्र की व्याख्या : कार्यक्षेत्र तथा विषय वस्तु—कुछ आधारभूत धारणाएं यथा उपादेयता सम्पत्ति, उत्पादन के तत्त्व, मांग और आपूर्ति, इक्यूबेरियम आदि भूमि तथा ला आफ रिटर्न ।
- (2) श्रमिक तथा जनसंस्था सिद्धान्त : पूंजी, व्याख्या, पूंजी विकास, पूंजी गठन में स्तर ।
- (3) मार्केट फॉर्मस् : परिपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर मूल्य, अपरिपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर मूल्य ।
- (4) राष्ट्रीय आय : —शकदू राष्ट्रीय उत्पाद, निवल राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय का मापदण्ड, राष्ट्रीय आय की विवर्तन, और महत्त्व विश्लेषण आर्थिक विकास एवं उत्तार बतन, ब्याज और लाभ ।
वितरण :—आय निर्धारण, किराया संबंधी संतुलन, बतन, ब्याज और लाभ ।
- (5) धन :—धन की व्याख्या और धन के कार्य, धन की मात्रा के सिद्धान्त, तेजी मंदी, उत्पादन पर तेजी मंदी के प्रभाव, और सम्पत्ति विवरण, तेजी मंदी पर नियंत्रण, मनी आपूर्ति, सम्पत्ति की आपूर्ति, लिक्विडिटी प्रिफरेंस तथा सीमान्त दक्षता, ब्याज का दर और नियंत्रण ।

बैंकिंग-व्याख्या, बैंकिंग के कार्य और उपादेयता, व्यापारिक बैंकिंग के सिद्धान्त, बहुमुखी ऋण निर्माण, ऋण बैंकिंग पद्धति की आवश्यकता ।

सेन्दल बैंक : कार्य नियंत्रण के साधन तथा मनी मार्केट ।

(6) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :

व्यापार का अधिशेष तथा भुगतान का अधिशेष, अवमूल्यन, तुलनात्मक लागत के नियम, व्यापार सुरक्षा ।

(7) नियोजन के सिद्धान्त :

बेकारी के प्रकार, पूर्ण नियोजन की अवधारणा और जुडिशियल फिसिकल की सहायता से इसकी उपलब्धि ।

(8) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सन्धान :

जैसे आई. एफ. सी. आई., आई. सी. आई. सी. आई., आई. बी. बी. आई. एस. एफ. सी. आदि । इन्टर नेशनल फण्ड, इन्टरनेशनल बैंक फार रिकन्स्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेंट (विश्व बैंक) ।

(9) लोक वित्त : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर, कर निर्माण अधिनियम उत्पादन और वितरण पर कराधान के प्रभाव, कर योग्य क्षमता, डिफिजिट फाइनेसिंग, अर्थनीति पद्धति तथा राज्य की भूमिका अर्थनीतिक योजना व्याख्या प्रकार और उद्देश्य ।

प्रश्नपत्र : 2

प्रबंधन और संगठन :

उद्देश्य : अभ्यर्थी की क्षमता की परीक्षा के लिए

1. प्रबंधन के कार्य एवं भूमिका की जानकारी ।
2. इसके अनुप्रयोग की विभिन्न किस्म के संगठनों में विभिन्न स्तर पर होने वाले कार्य की व्याख्या करें और प्रबंधन के कार्य ।

ज्ञान का स्तर : आधारभूत ज्ञान :

भाग-2 प्रबंधन :

1. प्रबंधन की व्याख्या : प्रबंधन की विभिन्न शैलियां, प्रबंधन के कार्य और प्रणाली, प्रबंधन के सिद्धान्तों की सार्वभौमिकता, प्रबंधन चिन्ताधारा का मूल्यांकन, पेशेवर वृत्ति के रूप में प्रबंधन वर्तमान प्रवृत्ति ।

योजना : लक्ष्य, उद्देश्य, मानक, लक्ष्यांक, काश, सीमा रेखा, स्थायी योजना नीति, प्रक्रिया, प्रणाली, परियोजना विशेष कार्यक्रम तथा अनुसूचीकरण, योजना की परंपरा—सामूहिक या खण्डित, विभागीय या मंडलीय कार्यकारी और कम्पनीगत योजना, योजना प्रक्रिया: समस्या विवरण निर्धारण, लक्ष्य संग्रहण, विश्लेषण, कार्यवाही पर निर्णय और निष्पादन ।

संगठन : एक व्यापारिक प्रतिष्ठान में आन्तरिक संगठन/ औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन की प्रकृति संगठन की गतिविधियों के समूहीकरण के सिद्धान्त,

(क) उप उत्पाद संवाण, स्थान निर्धारण, ग्राहक, प्रक्रिया, कार्य तथा समय के वर्गीकरण का विशिष्ट प्रतिमान ।

(ख) सामूहिक गतिविधियों, वैशिष्ट्यकरण, नियंत्रण, समन्वय, सावधानी अर्थनीति आदि गतिविधियों के सामूहीकरण का मानक ।

(ग) प्राधिकार संबंधों को विस्तार तन्त्र का निर्धारण, प्रतिनिधान, प्राधिकार तथा उत्तरदायित्व की समान शृंखला विकेंद्रीकरण, नियन्त्रण विस्तार ।

2. प्राधिकार का स्तर-कर्मचारियों, कर्मचारियों के वर्ग, कर्मचारियों के कार्य की प्रकृति, परामर्श सेवाएं तथा नियंत्रण, पद्धति एवं कर्मचारी-संबंध ।

3. आन्तरिक संबंध-समितियों, तथा उनकी भूमिका : कर्मचारी वर्ग, कर्मचारीवर्ग के कार्य, नियोजन, श्रमशक्ति की आवश्यकता, श्रमशक्ति की स्थिति, प्रशिक्षण, भू योग्यता, विविध, श्रमशक्ति विकास, मानव संसाधन मूल्यांकन ।

निर्देशन : निर्देशन की प्रकृति, प्रोत्साहन, भय, मुद्रा, संतोष, आचरण का महत्व, व्यक्तिगत आवश्यकताएं, संगठन की आवश्यकताएं, निष्पादन के प्रभावी ढटक, कार्य के वातावरण, संप्रेषण सामूहिक-गतिशीलता-औपचारिक अनीपचारिक,

संप्रेषण : प्रकृति, माध्यम और मार्ग पद्धति, सीमा रेखा, सहायक-निमित्त अनिमित्त ।

प्रेषण : मास्लो ह्यार आर्की की आवश्यकता, मेक सिलान्ड का कार्य स्थल पर सफल कार्य निष्पादन हर्ज की कार्य-सूची तथा रचना, संतुष्टि : प्रकृति, शैली, अभिवृत्ति नेता-व्यवहार-प्रभावीपन, परिस्थितिक संतुष्टि के समूह ।

नियन्त्रण : प्रबंधकीय नियन्त्रण की अवधारणा, कर्मचारी नियन्त्रण बनाम कार्य निष्पादन, कार्यनिष्पादन नियन्त्रण के क्षेत्र, उत्पाद विनाशोपपन्न, आदर्श, नियन्त्रण प्रक्रिया, मानक, मूल्यांकन तथा संशोधनारम्भक ।

(क) किसी भी विश्व विद्यालय को उपाधि (डिग्री) परीक्षा।

(ख) इन्स्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया या इंग्लैंड और वेल्स या स्काटलैंड या आयरलैंड की अंतिम परीक्षा चार्टर्ड इन्स्टीच्यूट आफ मैनेजमेंट एकाउन्टेन्ट संघयन की अंतिम परीक्षा या इन्स्टीच्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरी की अंतिम परीक्षा ।

(ग) इस दिशा की ओर केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई भी परीक्षा ।

20. (क) आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रवेश हेतु :— प्रत्येक व्यक्ति जो आधारभूत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहता है, वह इस आशय हेतु काउन्सिल द्वारा (बैंक) फार्म पर आवेदन करेगा और काउन्सिल की संतुष्टि हेतु प्रमाण प्रस्तुत करेगा कि :

(क) आवेदन पत्र भरने की तिथि के दिन उसने सोलह वर्ष की आयु पूर्ण कराती है; और

(ख) उसने (10+) योजना के अंतर्गत उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उसके समकक्ष कोई परीक्षा या आल इण्डिया काउन्सिल आफ टेक निकल एजुकेशन द्वारा ली गई नेशनल डिप्लोमा इन कामर्स या अन्य किसी एक अखिल भारतीय काउन्सिल प्राधिकरण के अधीन स्टेट बोर्ड आफ टेक्निकल (एजुकेशन की कोई परीक्षा उत्तीर्ण की है या नेशनल काउन्सिल आफ उच्च ह्यार इक्विमिनेशन द्वारा संचालित "ग्रामीण

सेवा में डिप्लोमा, या इन्स्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया या इंग्लैंड और वेल्स या स्काटलैंड या आयरलैंड की माध्यमिक परीक्षा, या इन्स्टीच्यूट आफ कास्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाउन्टेन्ट लन्दन, या इन्स्टीच्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया की माध्यमिक परीक्षा या आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रवेश हेतु कोई अन्य परीक्षा जिसे इस आशय हेतु केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है ।

गतिशील नियंत्रण सहायक, उत्तम प्रतिष्ठान संरचना उद्देश्य और नीतिक पवित्रता पद्धति, प्रक्रिया, बजट आवि सार्वजनिक क्षेत्र क्षेत्र संबंधन : सार्वजनिक क्षेत्र की धारणा, सामाजिक उद्देश्य वर्गीकरण तथा भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का विकास अन्य देशों के सार्वजनिक उद्यमों के संगठन और प्रबंधन के प्रतिमान ।

3. प्रबंधन के प्रतिमान : मंडलनीति एवं कार्य, निवेशक मंडल गठन का प्रतिमान, क्षमता का प्रयायोजन राज्य द्वारा नियंत्रण, सार्वजनिक उद्यम में मंडल की भूमिका, सार्वजनिक उद्यमों की समस्याएं, सार्वजनिक-उत्तरदायित्व और नियंत्रण स्वायत्तता ।

भाग : 2

1. अवधारणा एवं आकृति :

संगठन शैली के सिद्धान्त : प्रतिष्ठित आचरण एवं पद्धति, वर्तमान प्रवृत्ति एवं लेपपट्टे प्रतिष्ठान में आचरण, प्रकृति, आकृति, संस्थापना और आचरण विज्ञान की भूमिका, प्रतिष्ठान में आचरण प्रक्रिया ।

2. संगठन की संरचना एवं संस्कृति :

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के संगठनों के प्रकार/संगठन की संरचना एवं निष्पादन में संबंध संस्कृति का प्रभाव मूल्य, प्रणाली और संगठन में उत्तरदायित्व की आवश्यकता । संगठनात्मक परिवर्तन ।

3. व्यक्तिगत क्षरित्र एवं मनोविज्ञान : किसी व्यक्ति के लिए कार्य का महत्व कार्य, कार्य संतुष्टि अवधारणा, प्रेरणा के मान दण्ड, कार्य एवं स्त्र परिचय, छटाई का प्रभाव, कम कर्मन का प्रभाव और परिवर्तन ।

4. सामाजिक समूह : उनके कार्य एवं संगठन, व्यापार की प्रकृति एवं आशय, सामूहिक विकास, सामूहिक गतिशीलता, प्रभावी कार्य समूह का गठन ।

5. संगठन एवं वातावरण : पर्यावरण प्रभाव का पथ व्यापारिक राजकोषीय, वैधानिक राज्य द्वारा संगठित कोलावणीय तकनीकी वातावरण सामाजिक नीतिक वातावरणों गठन के प्रबंधकों के सामाजिकता पर दायित्व ।

6. व्यापारिक संबंध : औद्योगिक अशांति, औद्योगिक विवाद, सामूहिक मोलभाव, मध्यस्थ निर्णय, रिक्तसाहलेशन, व्यापार यूनिशनवाद, प्रबंधन में कर्मचारी का योगदान, संयुक्त काउन्सिल ।

प्रश्नपत्र : 3

बृत्त अंकगणित एवं सांख्यिकी :

औसत, मिश्रित, व्याज का संगणनीकरण, बिलों की अवायगी, प्रतिशत अनुपात, वित्तानुपात ।

बीजगणित :

(क) (क) पद्धति—वास्तविक, काल्पनिक, परिमेय अपरिमेय ।

(ख) सट का प्रारम्भिक ज्ञान और उसकी संचालन विधि, बंद डापग्राम ट्यूथ टेबुल का सरल अनुप्रयोग और उसका समाधान अक्षांक तथा करणी ।

(ग) सट का प्रारम्भिक ज्ञान, और उस पर कार्य करने की जानकारी बंद डापग्राम ट्यूथ टेबुल के व्यवहार द्वारा सरल अनुप्रयोग और समाधान और इसका विवरण पर प्रयोग ।

(घ) अक्षांक तथा करणी, विचारण, लघु गणकीय, क्रम-चय तथा एक साथ श्रृंखलादि व्याज ।

(ङ) लाइनिंगर साइडिल्टोनियस समीकरण पद्धति का समाधान (3 वीरयेबल) क्वाड्रिक इक्वेशन, लाइनिंगर इक्विलिब्रियम का शोल्डन/ग्राफिक पद्धति डाटा ।

क्षेत्र नीति : क्षेत्र तथा त्रिकोण का पेरामीटर, वृत्त, पेराल-लोग्राम, नियमित पालिगान, क्यूब का बोल्यूम और सतह, प्रिज्म, सिलिन्डर, पिरामिडकोन, लस्ट्रुमस तथा स्पीयर (जोन और सेगमेंट लेकर) सरल समन्वयकारी ज्यामिति : (केवल लंब निदर्शांक समन्वय) सेगमेंट रेखा की लंबाई, खण्ड अनुपात रेखा की प्रवणता सरल रेखा का समीकरण, वृत्त, परवलयिक, दीर्घ-वृत्त अतिपरवलयिक (केवल मानक फार्मस) ।

प्रारम्भिक सांख्यिकी : सांख्यिकी तथ्यों को ग्राफिकल प्रस्तुतीकरण केन्द्रीय प्रवृत्ति के बारम्बार वितरण के उपाय (मीन, मीडियान मोड) डिस्पर्सन के (मानदण्ड) रेंका अर्थात् विचलन, मानक विचलन, प्रसरण स्क्वार्ड तथा उटर्सिस के मानदण्ड ।

प्रश्नपत्र : 4 व्यापारिक एवं औद्योगिक विधि अंक : 100

1. भारतीय अनुबंध अधिनियम-1872

अनुबंध की प्रकृति, अनुबंधकीय शर्तें, भंग हेतु निराकरण तथा अनुबंध के तत्व

2. भारतीय सामंदायरी अधिनियम, 1932

3. माल विक्रय अधिनियम, 1930

4. निगोशियेबल इन्स्ट्रुमेंट्स एक्ट, 1888
(परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881)

5. प्रबंधन के वैधानिक पक्ष :

फैक्टरी अधिनियम, 1947

शाफ्ट तथा इस्टेबिलिशमेंट अधिनियम
अप्रेंटिस अधिनियम

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम,

बूड यूनिट्स अधिनियम, 1926

कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम

बोनस भुगतान अधिनियम, 1965

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948

जल निवारण एवं बाढ़ प्रदूषण अधिनियम

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम तथा उसके अंतर्गत नियम

कर्मचारी भविष्य निधि तथा विविध अधिनियम, 1952

4. वर्तमान विनियम 20सी के निम्नलिखित नए नियम सं प्रति-स्थापित किया जाएगा :

20सी. आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा के परिणाम :

(क) सामान्यतया आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में उस विद्यार्थी को घोषित किया जाएगा जिनमें एक ही बैठक में कुल अंकों के 40% अंक प्राप्त कर लिए हैं और सभी प्रश्न पत्रों के कुल अंकों में 50% इस परीक्षा में प्राप्त करता है । फिर भी किसी या सभी परीक्षाओं के निम्नतम उत्तीर्णता में अंतर करने के लिए निर्णय लेने का अधिकार काउन्सिल को है ।

(ख) किसी परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थी को सूची काउन्सिल के निर्देशानुसार जर्नल में प्रकाशित होगी । प्रत्येक अभ्यार्थी को इसकी सूचना व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी । जिन प्रश्न पत्र (ओं) में अभ्यार्थी ने परीक्षा दी है उसका परिणाम और उनके द्वारा प्राप्त अंकों की सूचना उसे व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी । आधारभूत पाठ्यक्रम को परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् किसी भी विद्यार्थी को परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण-पत्र नहीं दिया जाएगा ।

(ग) पूर्ववर्ती विनियम में दिए गए विनिर्धारितों के अतिरिक्त परीक्षा संचालन संबंधी 36 से 43 के उपबंध आधारभूत परीक्षा पर लागू होंगे । वर्तमान विनियम 25 ए के स्थान पर निम्नलिखित नया नियम लागू होगा ।

25ए—नए सिर से पंजीकरण :

यदि किसी व्यक्ति का पंजीकरण विनियम 25 के अंतर्गत निरस्त हो गया हो तो ऐसी स्थिति में उसे फार्म-1 पर नए सिर से छात्र होने के लिए आवेदन करना होगा और उसका आवेदन पत्र स्वीकृत होने पर उसे सभी आशयों के लिए एक पंजीकृत छात्र माना जाएगा जैसी भी स्थिति हो, उसने जो पात्रता उसने प्राप्त की है, उसके आवेदन करने पर उस किसी विषय या स्तर में माध्यमिक या अंतिम परीक्षा में छूट मिलने की पात्रता प्राप्त होगी ।

2. 28ए.—वर्तमान विनियम 28ए के स्थान पर निम्नलिखित नया विनियम लागू होगा यथा :

28ए : अनुशिक्षण (कोचिंग प्रशासन तथा प्रशिक्षण :

1. यह काउन्सिल अपने पंजीकृत छात्रों के अनुरोधित (कोचिंग) की व्यवस्था करेगी तथा इस कार्य के लिए वह एक "अनुशिक्षण प्रशासन" का गठन करेगी और उसके संचालन की व्यवस्था करेगी । तत्संबंधी नियमों का निर्माण तथा विनिर्धारित शुल्क की अवायगी भी यह काउन्सिल करेगी ।

2. यह अनुशिक्षण प्रशासन अपना कार्य संचालन प्रशिक्षण तथा शिक्षा संकाय समिति के नियंत्रण, अधीक्षण तथा निर्वहन में करेगी।

3. सभी पंजीकृत छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि वे अध्याय 5 में संदर्भित किसी भी परीक्षा में प्रवेश पाने के पूर्व विनिर्धारित प्रशिक्षण अवश्य लें।

7. वर्तमान विनियम 30 के स्थान पर निम्नलिखित नया विनियम लागू होगा : यथा.

माध्यमिक परीक्षा

30. माध्यमिक परीक्षा में प्रवेश और शुल्क :

1. माध्यमिक परीक्षा में, जब तक वह एक इन्स्टिट्यूट का पंजीकृत छात्र नहीं बन जाता तब तक, तथा परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व कम से कम 40 दिन से पूर्व अपनी बकाया राशि को अदा-यगी नहीं कर देता तब तक किसी भी अभ्यर्थी को माध्यमिक परीक्षा के किसी भी स्तर पर उसे प्रवेश नहीं मिल सकता। और जब तक वह डाइरेक्टर आफ स्टडीज या अनुशिक्षण प्रशासन प्रमुख या किसी भी अन्य प्रांतिकरण द्वारा जिसके कार्डिनल द्वारा मान्यता प्राप्त है, उस संस्थान के प्रमुख द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र तथा डाइरेक्टर आफ स्टडीज या उक्त अनुशिक्षण प्रशासन के प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर कि उसने उस स्तर के या माध्यमिक स्तर के परीक्षा के ठीक पाठ्यक्रम अथवा मौखिक ट्यूशन में सप्ताहप्रद रूप से अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तब तक उस किसी भी स्तर या माध्यमिक परीक्षा में बैठने का अनुमति नहीं मिलेगी। यदि परीक्षा समिति किसी अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई सूचना प्राप्त करती है तो उसे वह किसी भी परीक्षा में बैठने से रोक भी सकती है लेकिन इस निर्णय को लन के पूर्व अभ्यर्थी के विरुद्ध लगाए गए आरोप को सफाई देने का अवसर देने के उपरान्त ही यह निर्णय लिया जाएगा।

यदि आवश्यक समझा गया तो यह जांच की जाएगी और इसके बाद ही यह निर्णय लिया जाएगा।

2. कोई भी अभ्यर्थी चरण 2 में प्रवेश नहीं ले सकता जब तक कि वह चरण 1 की माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता।

3. प्रत्येक अभ्यर्थी को माध्यमिक परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु एक चरण के लिए रु. 80/- तथा दोनों चरणों के लिए रु. 160/- की दर से शुल्क अदा करनी होगी।

8. वर्तमान विनियम 31 के स्थान पर निम्नलिखित नया विनियम लागू होगा यथा :

31. चरण, प्रश्न-पत्र तथा पाठ्यक्रम—माध्यमिक एवं अंतिम परीक्षा के संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार :

1. इस विनियम के संशोधित पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम माध्यमिक परीक्षा दिसम्बर, 1991 में होगी। जो विद्यार्थी 1 जुलाई 1991 के पूर्व, पंजीकृत होंगे और जो इस परीक्षा में बैठना चाहेंगे उनकी परीक्षा इस विनियम के अंतर्गत ली जाएगी और अन्य सभी छात्र जिनका पंजीकरण 1991 के पूर्व हुआ है और जो विद्यार्थी दिसम्बर, 1993 में होने वाली माध्यमिक परीक्षा देने वाले हैं उनकी परीक्षा इस विनियम के अंतर्गत होगी। प्राचीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत होने वाली अंतिम प्राथमिक परीक्षा जुलाई, 1993 में होगी।

2. इस विनियम के अंतर्गत माध्यमिक परीक्षा का चरण, प्रश्न-पत्र तथा पाठ्यक्रम निम्न प्रकार होंगे :—

माध्यमिक परीक्षा चरण 1 व 2

चरण-1 प्रश्न पत्र : द्वितीय लेखाविधि

उद्देश्य : अभ्यर्थी की विभिन्न परिस्थितियों में लेखाविधि के सिद्धांतों के प्रयोग की क्षमता की परीक्षा लेना—

1. बही खाता लेखन एवं लेखाविधि की आधारभूत धारणा : लेखा विधि तथा तथा इसकी उपादेयता की व्याख्या, बही-खाता लेखन एवं लेखा विधि—इसके सिद्धान्त एवं अभ्यास, लेखा वर्गीकरण।

2(ए) बही खाता लेखन पद्धति—दोहरी प्रविष्टि पद्धति, मूल प्रविष्टि बही, अनुषंगिक बही खातों, रोकड़ तथा बैंक लेन-देन अभिलेख, लेजर बनाना, तलपट धनाना, व्याख्या तथा उपादेयता।

2(बी) बैंक समाधान विवरण : समाधान की आवश्यकताएं, रोकड़, बही तथा बैंक पास बुक के समाधान की प्रक्रिया और समस्याएं बैंक समाधान विवरण बनाने से संबंधित।

3. विनियम का बिल (बिल आफ एक्सचेंज) व्याख्या, प्रोटोट तथा बिल आफ एक्सचेंज, (विनियम बिल) प्राप्ति बिल, बेचे बिल, आहरण, नवीकरण स्वीकारना तथा बिलों का शोधन निभाव बिल।

4. मूलधन, राजस्व, स्थगित राजस्व व्यय, प्रारम्भिक प्रविष्टि, समायोजन प्रविष्टि, व्यापारिक, दिनिर्माण तथा हानि लाभ लेखा और तुलन पत्र तथा अशोध्य तथा अशोध्य ऋण हेतु प्रारक्षित निधि—इसका लेखाविधि उपचार, हास—इसका महत्व और लेखा विधि उपचार की धारणा।

5. इकहरी प्रविष्टि प्रणाली व आमने सामने दोहरी प्रविष्टि प्रणाली लेखाविधि उनके आन्तरिक संबंध तथा इकहरी प्रविष्टि प्रणाली को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में अंतरित करना, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा बनाना, तथा आय व्यय लेखा बनाना, आरक्षण एवं प्रावधान बनाना, लाभ हानि लेखा तथा तुलन पत्र बनाना इसकी धारणा।

6. संयुक्त उद्यम तथा परीक्षण लेखा, साझेदारी लेखा, प्रवेश, सेवा-निवृत्ति साझेदार की मृत्यु साझेदारी का विलयन, आस्तियों का समान वितरण।

7. सीमित कम्पनी लेखा : निर्गम, शेयरों तथा लाभांशों का शोधन, समपहरण तथा मोशन, निर्गम करण पूर्व लाभ, कम्पनी का लाभ हानि लेखा तथा तुलन पत्र—कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार।

चरण 1 प्रश्न पत्र-2 लागत के विभिन्न घटकों तथा उसके लेखा-विधि का गहरा ज्ञान देना :

ज्ञान का स्तर : पूर्ण जानकारी :

1. परिचय : लागत एवं प्रबंधन लेखाविधि का मूल्यांकन, लागत को धारणा एवं उद्देश्य, लागत वर्गीकरण, लागत संगठन तथा अन्य विभागों के साथ इनके संबंध।

2. लागत के तत्व एवं लागत निर्धारण

1. उपादान लेखाविधि एवं नियंत्रण क्रय प्रक्रिया, भंडार रक्षण एवं भंडार नियंत्रण मूल्य, उपादान का निर्गम तथा उसकी

लेखाविधि, मूल स्थिर तथा द्रुत गतिक मूलों की पहचान, ए बी सी विश्लेषण, अतिरिक्त पृष्ठों के बीमा संबंधी नीति तालिका एवं उपयोगी मात्रात्मक क्रम का स्तर, विश्लेषण, भंडारण दिगंतिक के उपचार होते जांच एवं संशोधनात्मक उपाय अन्य माध्यमों से नियंत्रण ।

2. श्रम लेखा विधि एवं नियंत्रण :

पारिश्रमिक प्रणाली, मौद्रिक तथा गैरमौद्रिक प्रोत्साहन, योजना, वेतन तालिका प्रक्रिया, श्रम विश्लेषण तथा निष्क्रियकाल, श्रम दक्षता का मापदण्ड तथा उत्पादकता, गैर उत्पादन काल का विश्लेषण तथा उसकी लागत, श्रम आवर्त तथा उपचारात्मक उपाय निष्क्रिय एवं समयोपरि काल उपचार ।

3. प्रत्यक्ष, संग्रहण तथा प्रत्यक्ष व्ययों का वर्गीकरण एवं उसका उपचार ।

4. उपरिव्यय : प्रकृति, वर्गीकरण एवं संग्रहण ।

अ. उत्पाद उपरिव्यय : वितरण, नियुक्ति, उत्पाद द्वारा अवशोषण, पूर्व निर्धारित वसुही दर का उपयोग, अपर्याप्त तथा अति अवशोषण, उपरिव्यय लागत नियंत्रण हेतु प्रतिवेदन ।

ब. प्रशासन, विक्रय तथा वितरण उपरिव्यय : विश्लेषणात्मक लेखाविधि, तथा नियंत्रण, लागत लेखाविधि में विभिन्न मदों का उपचार ।

3. लागत लेखाविधि अभिलेख : लागत लेजर, लागत एवं वित्तीय लेखा समाधान, एकीकृत लेखा, लेखों का कम्प्यूटरीकरण (केवल परिचय) ।

4. लागत विधि प्रणाली :

विशिष्ट लेखाविधि क्रम : प्राब, खेप तथा ठेका, कार्य के अनुसार लागत निर्धारण, कार्य काल में जो कार्य प्रगति में है उसका मूल्यांकन, लेखाविधि, ठेका लागत की विशेषताएं, संपन्न कार्य का प्रमाणिकीकरण अपूर्ण ठेके पर लाभ धन ठेका ।

(2) परिचालन लागत : प्रक्रिया तथा सेवाएं—प्रक्रिया लागत :

सामान्य तथा असामान्य हानि लाभ उपचार एफ आई एफ आ. के व्यवहार से डब्ल्यू, आई. सी. का मूल्यांकन तथा निर्धारण संयुक्त उत्पाद, उप-उत्पाद, धीजन, स्क्रेब, ह्रास तथा बोध युक्त ।

5. सेवा या परिचालन लागत विधि :

इकाई या बहु गूणक लागत विधि, अनुप्रयोज्य इकाई लागत निर्धारण, तथा लागत विनिर्धारण, एवं नियंत्रण ।

6. लागत विधि तकनीक :

(क) सीमान्त लागत विधि :

मूल धारणा, सीमान्त लागत विधि एवं अव-शोषण : सी-वी. पी. विश्लेषण, लाभ अलाभ विश्लेषण, बी. ई. विश्लेषण की सीमाएं विभिन्न लागत, विश्लेषण तथा संवद्ध लागत विश्लेषण, प्रबंधन निर्णय में उनका अनुप्रयोग, (सल प्रकार) ।

(ख) बजटीय नियंत्रण :

मूल धारणा, कार्यकारी बजट, क्यूबल (मास्टर) बजट, तथा निम्न बजट ।

(ग) मानक लागत विधि :

धारणा और मानक लागत विधि निर्धारण, उपादान संबंधी सामान्य असंगतियों का अभिकलन, श्रम तथा उपरिव्यय, मानक लागत विधि एवं बजटीय नियंत्रण में संबंध ।

खरण-1 प्रश्नपत्र-3 कंपनी विधि तथा सचिवीय अभ्यास 50 अंक
उद्देश्य : मूल धारणा की जानकारी तथा व्यापार संचालन के वैधानिक सिद्धांत

ज्ञान का स्तर : पूर्ण जानकारी

खण्ड-1 कंपनी विधि :

व्याख्या : आधारभूत विषय वस्तु तथा प्रश्नों का सामान्य संचा तथा कार्यवाही, कंपनी परिचालन का प्रबंधन, दुष्प्रबंधन, तथा ध्वलधरा, मूलधन की धारणा, शेयरों तथा लाभांशों का वर्गीकरण, कंपनी के ऋण, लेखा और कंपनी की लेखा परीक्षा, वर्गीकरण और लेखा परीक्षक की नियुक्ति, केन्द्रीय सरकार के अधिकार, प्रत्यक्ष विरोध, लेखा परीक्षा, लागत लेखा विधि अभिलेख तथा लागत लेखा परीक्षा, लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन और व्याख्या, सरकारी कंपनियों का लेखा बनाना और प्रस्तुत करना तथा सांविधिक निगम, एम आर टी पी एक्ट, 1979 एम आर, टी, पी आयोग, अर्थ नैतिक क्षमता का केन्द्रीकरण, अविश्वसनीय तथा अवरोधात्मक व्यापार अभ्यास, तथा एकाधि पत्य, व्यापार अभ्यास, औद्योगिक (विकास एवं विनियम) अधिनियम, 1951, विकास परिषद, नये औद्योगिक अधिगहनों हेतु लाइसेंस विधि केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रबंधन या नियंत्रण का अधिग्रहण आवश्यक पण्य अधिनियम : 1955 केन्द्रीय सरकार की क्षमता नियंत्रण माल पकड़ने व जमा करने का प्रभाव आदि, विदेश विनियम अधिनियम, 1973, विनियम के प्रावधानों का अनुपालन करना, सरकारी पण्य नियंत्रण तथा टैरिफ संरक्षण : औषधियां, भोजन, सीमेंट, टायर वनस्पति, जर्जर तथा स्टील आदि नियंत्रित दर । डी आई सी पी (इस अधिनियम के अन्तर्गत प्रक्रिया के अनुपालन करना) रक्षण अन्तःस्था (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1985 तथा टी आई. एफ. आर. के प्रावधानों को मिलाकर ।

खण्ड-2 सचिवीय अभ्यास :

सचिव की व्याख्या, संगठन में उसकी स्थिति और महत्व

निर्देशक : उनकी योग्यताएं और अयोग्यताएं, कर्तव्य और उत्तर-दायित्व कंपनी निर्माण के प्रकार : शेयर धारकों की सांविधिक सभा तथा वार्षिक सभा मांग, तथा अन्य साधारण सभाएं :

सचिवाय बनाना, एजेंडा कोरम, प्रोक्सी मतदान प्रस्ताव करना संशोधन, प्रस्ताव पास करना, स्थगन और व्याख्यात्मक विवरण तथा कार्य वृत्त, सामान्य

प्रस्तावों की विषयवस्तु, विशेष प्रस्ताव, विशेष सूचना रजिस्ट्रारों और छातों को रखना और उनका रख रखाव कंपनी के रजिस्ट्रार को सभी सूचनाएं देने हेतु नियंत्रण प्रस्तुत करना तथा लाभ और लाभांशों के निर्माण हेतु निरीक्षण क्रियाविधि तथा इसकी योजना आवासियों तथा गैर आवासियों सहित विभिन्न प्रकार की धंधे और धारकों को भुगतान प्रणाली की घोषणा करना ।

प्रत्यक्ष 4 प्रत्यक्ष धार

उद्देश्य : कर विधि संबंधी सहज जानकारी और प्रबंधन निर्णय पर इसका प्रभाव विशेषतः प्रबंधन लेखा विधि तकनीक में कर घटकों के व्यवहार की भूमिका पर बल देते हुए ।

ज्ञान का स्तर—वक्षता

1. प्रत्यक्षकर विधि : आयकर अधिनियम, उपहार तथा संपत्ति अधिनियम, मूलधन गणकी विधि के मामले और राजस्व आय, माली गृह आय, आवासिक धारणा कर निर्धारित की धारणा को कोन्सुट कर विशेष समस्याओं पंजीकृत फर्म हिन्दू संयुक्त परिवार, व्यक्तियों द्वारा गठित संघ और न्याय—अन्य व्यस्क गैर आवासिक तथा बोहरा कराधान आय की अधिकारित समस्याएं—वेतन अतिरिक्त आय, उपदान, सेवा निवृत्ति लाभ, भ्रूत या संपत्ति से किराया मूलधन से लाभ—अन्य श्रोतों से आय, व्यापार तथा पेशे में ।

आय : आय विधि तथा उसे हानि में अग्रपित करने में होने वाली समस्या ।

2. कर लेखा परीक्षण :
3. कर प्रशासन : अपील, पुनरीक्षण, समीक्षा, सी. बी. डी. टी. को संशोधन एवं अनुप्रयोग ।
4. अधिग्रहण प्रक्रिया : मर्यादक के सिद्धांत चल तथा अचल संपत्ति ।
5. प्रत्यक्षकर योजना : कर निहितार्थ व्यापारिक इकाईयों, योजना काल में अधिनियम स्थित, फर्म, प्राइवेट लिमिटेड कं., तथा पब्लिक लि. कं. कर निहितार्थ : (1) विदेश को सहायता प्रदान करना, अनुपयोगिक के तकनीक की विक्री, समान रूप से सहभागी आदि । (2) विलयन और समागमन के कर पक्ष नव उद्योग स्थापना और कर योजना ।

विशिष्ट प्रबंधन निर्णय संबंधित उत्पन्न होने वाले कर संबंधी प्रतिष्ठान

यथा :

- (1) निर्माण या खरीद
- (2) खरीद या लीज पर ले
- (3) रखो या दइलो
- (4) मरम्मत करो, रद्द कर दो, या रखो
- (5) निर्माण बनाम स्थानीय विक्री
- (6) बन्द करो या चालू रखो
- (7) विस्तार करो या ठेके पर दो

(8) नया मूलधन निवेश :

कर विविधा में पूंजीकरण विकास संरचना :

- (ए) अल्पकालिक ऋण
- (बी) जन साधारण से जमासंग्रहण
- (डी) बोनस निर्गम तथा
- (डो) बोनस निर्गम तथा
- (इ) लाभांश नीति

उन कंपनियों का कराधान जिनमें लोक रुचि प्रयाप्त नहीं है ।

चरण-2 प्रत्यक्ष 5 : लागत तथा लेखा विधि प्रबंधन अंक 100

उद्देश्य : निर्णय लेने हेतु और नियंत्रण हेतु लागत विधि तथा प्रबंधन लेखाविधि बोध :

ज्ञान का स्तर : पूर्ण बोध :

1. प्रवेश : प्रबंधन प्रक्रिया और लेखा विधि, प्रबंधन की आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु लागत लेखा विधि का विस्तार प्रबंधन लेखा विधि के रूप में । प्रबंधकीय योजना एवं नियंत्रण : प्रबंधकीय लेखा विधि कार्यक्षेत्र तथा उसकी भूमिका—प्रतिष्ठा और लागत परिचालन ।
2. वित्तीय विशेषण और नियंत्रण : वित्तीय परिणामों के विश्लेषण हेतु अनुपात का उपयोग, भारत के लोक उद्यमों में परिचालन परिणामों के विश्लेषण हेतु परंपरागत लेखा—विवरणों की सीमाएं, मूल्य की उपादेयता : योजित विवरण तथा अंशदान उपगम—निधि प्रवाह, रोकड़ प्रवाह विश्लेषण ।
3. मूलधन संरचना : आंतरिक श्रोतों सहित मूलधन के प्रकार और उनकी किस्में—मूलधन की लागत—विभिन्न घटकों का इच्छित सम्मिश्रण निर्वाचन—लेवीकरण या गियर विन्यास प्रयोजन ।
4. तरलीयता प्रबंधन और कार्यकारी पूंजी : तरलीयता एवं लाभप्रदता संबंध—कार्यकारी पूंजी की संकल्पना—कार्यकारी पूंजी प्रबंधन की आवश्यकता—कार्यकारी पूंजी संबंधी भविष्यवाणी, संकल्पना और परिचालन चक्र का उपयोग—सूची प्रबंधन, देनदार रोकड़ तथा लेनदार ।
5. मूलधन बजटीकरण निर्णय : उद्देश्य तथा समस्याएं—पुनर्स्थापित निर्णय नव निवेश, व्यवहृत मानवण्ड, सूत्रा वापसी प्रणाली, डी. सी. एफ. प्रक्रिया—कराधान के प्रभाव—मूलधन लागत की भूमिका—मूलधन का नियंत्रित वितरण, संकटपूर्ण तथा अनिश्चितता के मध्य लिए गए निर्णय ।
6. निर्णय लेने हेतु लागत विश्लेषण : लागत गतिविधि निर्धारण—वक्र सिद्धान्त सीखना—निर्णय हेतु संबंध लागत—मूल्यायन पर असंतुष्ट विगत निर्णय इष्टतम मिश्रित उत्पाद—निर्माण या क्रय, पट्टा या क्रय, बन्दी आदि, निर्माण आदर्शों का परिचय और अनिश्चितता ।
7. प्रबंधन नियंत्रण उपकरण : बजटीकरण तथा मानक लागतकरण, अग्रिम लागत एवं विक्रय परिवर्तन—लाभ परिवर्तन-विश्लेषण, अनुसंधान एवं निपटान

परिवर्तन अपवादोत्पत्ति प्रबंधन—लेखाविधि का दायित्व, निष्पादन बजटीकरण तथा मूल्य आधार बजटीकरण, बजटीकरण में आचरण दक्ष तथा मानक लागूतीकरण ।

8. समान लागूतीकरण : अन्तः फर्म तुलना ।
9. लागत घटाना—संकल्पना तथा मूल्य विश्लेषण सहित तकनीक ।
10. लोक उद्यमों के निष्पादन का मूल्यांकन ।
11. औद्योगिक रूपणता का विश्लेषण : रूपणताबोध भारतीय रिजर्व बैंक की मार्गदर्शी रेखाओं सहित कारण और प्रभाव । लेखाविधि अनुपात का उपयोग तथा उस आशय हेतु सांख्यिकी तकनीक तथा उनकी सीमाएं—पुनर्रिजवन हेतु उपाय—भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका, बी. आई. एफ. आर. की भूमिका—रूपण इकाई की कम्पनियां (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1985.

चरण 2 प्रश्न पत्र 6 लेखा परीक्षण : अंक 100

उद्देश्य : आन्तरिक लेखा परीक्षण पर अधिक बल देते हुए लेखा परीक्षण की योजना और तकनीक पर तथा प्रक्रिया पर गहन अध्ययन ।

ज्ञानस्तर : विशेषज्ञ ।

अनुभाग 1 लेखा परीक्षण के सिद्धांत 50 अंक

1. लेखा परीक्षण मूल्यांकन : लेखा परीक्षण पर प्रमुख प्रभाव लेखा परीक्षण की प्रकृति और उसका कार्य क्षेत्र—लेखा परीक्षण का आधारभूत बोध, लेखा परीक्षण में प्रमाणों की भूमिका ।
2. लेखा परीक्षण तकनीक एवं अभ्यास : सामान्यतया मानक लेखा परीक्षण स्वीकार्य—लेखा परीक्षा में वस्तुपरकता बोध ।
3. आस्तियों तथा दायित्वों का सत्यापन : अचल आस्ति, निवेश, मन्त्रियां, देनदार ऋण और अग्रिम, नकद तथा बैंक शेष लाभार्ज लेनदार, कराधान हेतु प्रावधान प्रस्तावित लाभार्ज तथा ग्रेज्यूएट—तुलन पत्र में अन्य मद लाभ हानि लेखा मदों का सत्यापन—आकांक्षिक दायित्वाएं लेखी करण नीति अभ्यास प्रकटीकरण, निष्पादन की अवधि में व्यय, विगत वर्ष का समायोजन, लेखा विषयक कम्पनी के प्रावधान अधिनियम ।
4. आन्तरिक नियन्त्रण की प्रकृति—मूल्यांकन और आन्तरिक लेखा परीक्षण नियन्त्रण—आन्तरिक नियन्त्रण प्रश्नावली—प्रवाह चार्ट, प्रणाली लेखा परीक्षण, आन्तरिक नियन्त्रण ।
5. गहन लेखा परीक्षण—लेखा परीक्षण में सांख्यिकीय नमूने ।
6. प्रवृत्तियों की तुलना और विश्लेषण के लिए अनुपात और प्रतिशत का व्यवहार—अन्तः फर्म तथा अन्तः फर्म ।
7. सांविधिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति—पारिश्रमिक, निष्कासन सांविधिक लेखा परीक्षकों के अधिकार,

लेखा परीक्षकगण, संयुक्त लेखा परीक्षकगण, शाखा लेखा परीक्षण ।

8. लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन : प्रतिवेदन बनाम प्रमाण-पत्र, प्रतिवेदन की विषय वस्तु, प्रतिवेदन में अर्हताएं ।
9. विभाज्य लाभ : कम्पनी अधिनियम के प्रावधान, महत्वपूर्ण वैधानिक प्रावधान—आयकर अधिनियम के प्रावधान ।
10. सांविधिक लेखा परीक्षक तथा आंतरिक लेखा परीक्षकों के मध्य अन्तराफलक ।

अनुभाग-2 आन्तरिक लेखा परीक्षण : 50 अंक

1. आन्तरिक लेखा परीक्षण की प्रकृति और उसका कार्यक्षेत्र :

वित्तीय बनाम परिचालन लेखा परीक्षण, दक्ष लेखा परीक्षण बोध, स्वामित्व लेखा परीक्षण, बाउन्डर लेखा परीक्षण, अनुपात लेखा परीक्षण, पूर्व तथा उत्तर लेखा परीक्षण ।

2. विनिर्माण का प्रभाव तथा अन्य कम्पनियों (लेखा परीक्षण) प्रतिवेदन आदेश, 1988—आन्तरिक लेखा परीक्षण कार्य पर ।
3. आन्तरिक लेखा परीक्षण कार्य का गठन—निर्वाचन तथा कर्मचारियों का प्रशिक्षण—लेखा परीक्षण परियोजना का कार्यभार । आन्तरिक लेखा परीक्षण कार्य का संगठनात्मक स्थिति—लेखा परीक्षण समितियों का कार्य क्षेत्र ।
4. आन्तरिक लेखा परीक्षण परियोजना की योजना : परिचित—जांच तालिका बनाना, आन्तरिक नियन्त्रण प्रश्नावली, लेखा परीक्षण कार्यक्रम ।
5. प्रमाणों का सत्यापन : विस्तृत जांच एवं नमूना चयन योजना, आन्तरिक लेखा परीक्षण में व्यवहृत सांख्यिकीय नमूना चयन ।
6. चार्ट प्रवाही तकनीक ।
7. आन्तरिक नियन्त्रण—प्रकृति और कार्यक्षेत्र, आन्तरिक लेखा परीक्षण, आन्तरिक नियन्त्रण ।
8. कार्यस्थल पर किया जाने वाला कार्य : प्रमाण संग्रहण, साक्षात्कार—ज्ञापन ।
9. लेखा परीक्षण टिप्पणी तथा लेखा परीक्षण हेतु कागजात ।
10. लेखा परीक्षण प्रतिवेदन : प्रभावी प्रतिवेदन की तकनीक—लेखा प्रतिवेदन का अनुसरण ।
11. शीर्ष प्रबंधन को संक्षिप्त प्रतिवेदन ।
12. आन्तरिक लेखा परीक्षण में संप्रेषण : लेखा परीक्षक तथा जिनके लेखा की परीक्षा करनी है उनके आपसी संबंधों में विकास ।
13. एक उद्यम के परिचालन का लेखा परीक्षण : यथा लेखाविधि तथा वित्त, तालिका नियन्त्रण, अधिप्राप्ति, उत्पादन, विपणन, रख-रखाव, कार्मिक, शाखाएं तथा डिपो अनुसंधान और विकास ।

14. आन्तरिक लेखा परीक्षक तथा धोखाधड़ी की जांच ।
15. आन्तरिक लेखा परीक्षण कार्य का लेखा परीक्षण ।

धरण-2 प्रश्नपत्र-7 अप्रत्यक्ष कराधान :

उद्देश्य : कर विधि का गहन ज्ञान और प्रबंधन निर्णय पर उसका प्रभाव विशेषतः प्रबंधन लेखाविधि के व्यवहार में कर के छटकों की भूमिका पर बल देते हुए ।

ज्ञान का स्तर : विशेषज्ञ ।

अप्रत्यक्ष कर विधि तथा संबंध प्रक्रिया :

1. एम. ओ. डी. ड. वि. टी. सहित केन्द्रीय उत्पाद ।
2. केन्द्रीय विक्रय कर ।
3. सीमाशुल्क ।
4. उत्पाद लेखा परीक्षण ।
केन्द्रीय उत्पाद एवं लवण कर, 1944, केन्द्रीय उत्पाद (मूल्यायन) नियम 1975 तथा सीमाशुल्क एवं उत्पाद शुल्क ड्राबैक नियम 1971, केन्द्रीय उत्पाद टारिफ अधिनियम, 1985 की परिस्थिति, लाइसेंसिंग प्रक्रिया, विवरणियों के सांविधिक प्रपत्र तथा रजिस्टर्स (केन्द्रीय उत्पाद सिरिज) तथा निर्माण व्यय निर्धारण संबंधी कानूनी मामले ।

विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में सीमाशुल्क की उगाही के लिए प्रक्रिया और संग्रहण, अर्थात् :

1. वास्तविक नियन्त्रण,
2. अभिलेख आधारित नियन्त्रण,
3. उत्पाद आधारित नियन्त्रण तथा
4. मिश्रित लेवी स्कीम ।

अधिनिर्णय तथा अप्पेलेट प्रक्रियाएँ, अपराध तथा दण्ड, आयात निर्यात हेतु सम्बन्धित प्रावधान, मूल्यांकन संदर्भित प्रमाणिकीकरण, उपभोग, भंडारण तथा एम. ओ. डी. ड. जी. टी. आदि परिवहन एवं मालगोदाम में भंडारीकरण प्रक्रिया ।

अप्रत्यक्ष कर के क्षेत्र में कर योजना :

धरण-2 पत्र 8 मात्रात्मक प्रक्रिया : अंक 100

उद्देश्य : व्यापारिक परिस्थितियों में आर्थिक एवं मात्रात्मक प्रक्रिया के उनप्रयोग हेतु परामर्श ज्ञान देना ।

ज्ञान का स्तर : पर्याप्त ।

अनुभाग-1 अंकगणितीय तकनीक अंक 40

1. वेक्टर की बीजगणित तथा मैट्रिक्स, तथा डिटर-मिनेंट्स ।

योग, घटाव, गुणा, तथा वेक्टर का विपर्यय तथा मैट्रिक्स मैट्रिक्स बीजगणित की सहायता से लाइनियर इक्वेशन प्रणाली का समाधान ।

2. अवकलन गणित (कैलकुलस) : चर राशि स्थिरांक फलन तथा ग्राफ—बीज गणीतीय फलन की सीमाएँ—

बीजगणीतीय फलन में सरल विभेदीकरण—अवकलन का अर्थ प्रथम तथा द्वितीय अवकलन का अर्थ, बीज गणीतीय फलन के निम्नतम या अधिकतम समस्याओं के समाधान ।

3. समाकलन (प्रतिस्थानापन्नता और अक्षेप द्वारा) सरल फलन के लिये निश्चित अनिश्चित पूर्णांकिय निर्धारण । ठोस पदार्थों का क्षेत्रफल और आयतन के मूल्यांकन हेतु पूर्णांक का अनुप्रयोग ।
4. निरोधाधीन द्विष्टतम फलन । रेखित कार्यक्रम तथा समाधान की सरलतम प्रणाली ।

अनुभाग-2 सांख्यिकीय तकनीक :

1. प्रायिकता : प्रायिकता के अर्थ और व्याख्या, पारस्परिक, एकनिष्ठ तथा सामूहिक अथक प्रयासों, बारंबार निःशेष परीक्षण, मिश्रित विश्लेषण, योग वियोग के नियम, जे के सिद्धांत और उसका प्रयोग । बेतरतीब स्थिरता तथा संभाव्यता वितरण, अंकगणितीय अपेक्षाएँ, बायनोमियल के मूल तत्त्व, पोयसन, तथा सामान्य वितरण ।
2. जन संख्या तथा प्रतिदर्श ग्रहण, प्रतिदर्श ग्रहण प्रणाली, बेतरतीब संख्याओं के प्रयोग, सहकालिक प्रतिदर्श ग्रहण प्रतिदर्श ग्रहण बोध, वितरण मानक त्रुटियाँ, माध्यन हेतु आवश्यक अंतराल, तथा प्रतिशत, हाइपोथेसिस परीक्षण और व्यवहार जेड 1×2 परीक्षण ।
3. जोखिम तथा अनिश्चितता के मध्य निर्णय लेना, ट्री विश्लेषण निर्णय ।
4. सरल समाकलन व सह-सम्बन्ध ।

अनुभाग-3 अर्थनैतिक तकनीक

20 अंक

1. मांग विश्लेषण : मांग का आधार, विपणी मांग फलन औद्योगिक मांग तथा फर्म की मांग, मांग वक्र, मांग तथा मांग फलन तथा मांग वक्र में आपसी संबंध, मांग में परिवर्तन एवं अन्तरण, मांग संबंध और प्रबंधकीय निर्णय, उपभोक्ता आचरण के सिद्धांत, प्रतिस्थापन तथा आय के प्रभाव, मूल्य, आय, मांग में परमासी नमनशीलता, नमनशीलता पर काल प्रभाव, अन्य मांग नमनीयताएँ, प्राप्त उत्पाद हेतु मूल्य नमनीयता राजस्व बोध, मांग अकलन ।

2. पूर्वानुमान : पूर्वानुमान प्रक्रियाएँ, काल श्रृंखला विश्लेषण, प्रवृत्ति धारणा वीरमेथेनिक या अंग सचक पद्धति, इन्डिक्स संख्या विस्तारणा—मिशन तथा विस्तारित सचकांक, अथमीसि अपटर्न, गुरु फिटरी तथा लीस्ट बतष्कोल पद्धति, गुरुगनवत्ता तथा गुरुगोही विश्लेषण, वृत्तगणी तथा सांख्यिक परामर्शना—इनपुट आउटपुट विश्लेषण, इनपुट आउटपुट सांख्यिकी तथा पूर्वानुमान वर्तमान तथा नये उत्पाद हेतु मांग पूर्वानुमान का मानदण्ड ।

3. अर्थनैतिकता उत्पादक शक्तिविधि विश्लेषण, उत्पादन स्थिति तथा निष्कर्षण अर्थनैतिकता शक्तिविधि अर्थनैतिकता उत्पाद का उत्पादकीकरण धर्म, मांग संयोजक एवं उत्पादकीकरण एवं उत्पादकीकरण में अर्थनैतिकता शक्तिविधि तथा अर्थनैतिकता हेतु अर्थनैतिकता योजना ।

4. मूल्यांकन नीति एवं अभ्यास : लागत एवं मूल्यांकन जानू वर मूल्यायन उत्पाद रहे मूल्यायन, बहु उत्पादीय मूल्यायन—चक्र उत्पाद पर, क्षिप्रगामी मूल्यायन, परिपक्वता में अन्तःवैशीय मूल्य तथा मूल्यायन, मूल्यायन का वृद्धिगत विश्लेषण ।

9. वर्तमान विनियम 32 के स्थान पर नया निम्नलिखित नियम लागू होगा यथा

32. छूट : (1) दिनांक 1 जुलाई, 1991 को या उसके पश्चात् यदि कोई अभ्याथी अपना नाम पंजीकृत कराता है तो ऐसी स्थिति में परिषद को अधिकार होगा कि वह इस बात का निर्णय करेगी और समय समय पर यह निर्णय करेगी की किसी विषय में विद्यार्थी को समय समय पर ऐसे विषयों में बैठने के लिये छूट देगी जिन्हें को उन्होंने किसी अन्य विश्वविद्यालय से पारस्परिक आधार पर किसी पेशेवर संस्थान से/निकाय से भारत-वर्ष के बाहर से उत्तीर्ण किया है और जिसे इसके लिए काउन्सिल द्वारा मान्यता प्राप्त हुई हो ।

प्राचीन पाठ्यक्रम के अधीन माध्यमिक परीक्षा के प्रश्नपत्र

2. काउन्सिल को यह अधिकार होगा कि वह माध्यमिक परीक्षा के किसी विषय/चरण में उस विद्यार्थी को बैठने की छूट देने का निर्णय ले सकता है जिसमें कि एक विद्यार्थी नये पंजीकृत छात्र के रूप में उसने पुनः प्रवेश लिया है । यह छूट उसे विनियम 25 ए के अन्तर्गत प्राप्त होगी और इसका आधार होगा पूर्ववर्ती पंजीकरण के अन्तर्गत पूर्ववर्ती किसी विषय/चरण में प्राप्त अंक ।

3. संक्रमण कालीन उपाय के तौर पर निम्नलिखित छूट को अनुमति दी जाएगी :—

यदि किसी अभ्याथी पंजीकरण पहली जुलाई के पूर्व हुआ है और उसे अभी भी माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी है किन्तु यदि उसने निम्नलिखित प्रश्न पत्र (ओं) में प्राचीन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या छूट प्राप्त कर ली है तो ऐसी स्थिति में उसे माध्यमिक परीक्षा के अन्तर्गत निम्नलिखित के अनुसार इस विनियम के संशोधित पाठ्यक्रम में माध्यमिक परीक्षा के अनुरूप संशोधित पाठ्यक्रम में भी छूट दी जाएगी ।

संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत माध्यमिक परीक्षा के अनुरूपी समान प्रश्न पत्र

श्रेणी	पत्र सं०	पत्रों का नाम	चरण	पत्र सं०	पत्र का नाम
I.	2	व्यापार गणित एवं सांख्यिकी	II	8	मात्रात्मक पद्धति
I.	3	व्यापार अर्थनीति विधि	I	3	कम्पनी ला व सचिवीय अभ्यास
I.	4	बुक कीपिंग व लेखा विधि	I	1	वित्तीय लेखा विधि
II.	1	लागत लेखा विधि मूल लागत उपरिचय	I	2	लागत लेखा विधि
III.	2	लागत एवं प्रबंधन लेखाविधि तथा तकनिक	II	5	लागत एवं लेखाविधि प्रबंधन

(4) यदि किसी अभ्याथी ने माध्यमिक परीक्षा वर्तमान पाठ्यक्रम के अन्तर्गत परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तो उसे संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत बैठने या उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं है ।

यदि किसी अभ्याथी ने पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छूट प्राप्त कर ली है या उक्त प्रश्नपत्रों में अंकों का अभ्यानीत करने का लाभ प्राप्त कर लिया है तो उसे संशोधित पाठ्यक्रम की उक्त तबन्-रूपी समान परीक्षाओं में उसे इस विनियम के अन्तर्गत छूट पाने की प्राप्ति होगी । जो भी हों परीक्षा के परिणाम के आधार पर जो कि पुराने पाठ्यक्रम के अनुसार दिया गया हो उसे आधार मान कर अंकों का अभ्यानीत करने की अनुमति माध्यमिक परीक्षा के किसी प्रश्न पत्र में संशोधित पाठ्यक्रम में नहीं दी जाएगी ।

10. वर्तमान विनियम 33 को निम्नलिखित नए नियम से प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

अंतिम परीक्षा

33. अंतिम परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु तथा शुल्क के लिए :

अंतिम परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु किसी भी अभ्याथी को तब तक प्रवेश नहीं मिलेगा जब तक कि वह एक पंजीकृत अभ्याथी नहीं है और उसने संस्थान की या विवृत कम्पनी की माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो । और जब तक उसने परीक्षा आरम्भ होने से कम से कम 60 दिन पूर्व अपने सभी दायें बका न कर दिए हों ।

किसी भी विद्यार्थी को तब तक अंतिम परीक्षा के किसी भी चरण या चरणों में प्रवेश नहीं मिल सकता जब तक कि वह डायरेक्टर आफ स्टडीज या कॉन्चिंग एडमिनिस्ट्रेशन को प्रमुख चाहे जो भी मनोनीत किया गया हो या इस कार्य हेतु काउन्सिल द्वारा मान्यताप्राप्त संस्थान को प्रमुख द्वारा जारी किया गया और डाइरेक्टर आफ स्टडीज या उक्त कॉन्चिंग प्रमाणन प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित प्रमाण पत्र जैसी भी स्थिति हो प्रस्तुत नहीं करना तब तक उसे प्रवेश नहीं मिलेगा और इस प्रवेश पाने के पूर्व माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् अंतिम परीक्षा में प्रवेश हेतु उक्त चरण या चरणों के लिये निर्धारित पत्राचार या मौखिक पाठ्यक्रम संतोषप्रद रूप से पूर्ण न कर लिया हो ।

इसके अलावा परीक्षा समिति यदि किसी विद्यार्थी के विरुद्ध कोई सूचना प्राप्त करती है या उसके पास कोई सूचना है तो ऐसी स्थिति में वह किसी भी अभ्याथी को परीक्षा में बैठने नहीं दे सकती है किन्तु इससे पूर्व वह यदि आवश्यक समझती है तो एक जांच बैठकर अपने आचरण की व्याख्या का अवसर देने के पश्चात् ही यह निर्णय लिया जाएगा ।

(2) अंतिम परीक्षा के चतुर्थ चरण में तब तक किसी अभ्याथी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह अंतिम परीक्षा के तृतीय चरण में न बैठा हो और परीक्षा उत्तीर्ण न की हो ।

(3) अंतिम परीक्षा में बैठने के लिये प्रत्येक अभ्याथी को प्रति चरण 100/- तथा दोनों चरणों के लिये 200/- परीक्षा शुल्क देने होंगे ।

11. वर्तमान विनियम 34 के स्थान पर निम्नलिखित नया विनियम लागू होगा यथा

34. अंतिम परीक्षा के संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम अंतिम परीक्षा :

- (1) इस विनियम के संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम परीक्षा दिसम्बर, 1991 में होगी। जो विद्यार्थी, जून, 1991 में या उसके बाद माध्यमिक उत्तीर्ण होंगे, या जो जून, 1991 के पूर्व उत्तीर्ण हो गये हों, वे बैठने की इच्छा व्यक्त कर सकते हैं और अन्य सभी विद्यार्थी जो दिसम्बर, 1993 इस विनियम के अन्तर्गत उनकी परीक्षा ली जाएगी। पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा, जून, 1993 में होगी।
- (2) इस विनियम के अन्तर्गत संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार चरण प्रश्नपत्र एवं पाठ्यक्रम निम्नलिखित होगा।

अंतिम परीक्षा चरण 3 व 4

चरण :--3 प्रश्नपत्र-9 विषयी लेखा विधि :

उद्देश्य : लेखाविधि के सिद्धांतों का विस्तृत सूक्ष्म अध्ययन करना तथा जटिल व्यापारिक एवं गैर व्यापारिक परिस्थितियों में उनका प्रयोग

ज्ञान का स्तर : विशेषज्ञ

1. लेखा विधि के सिद्धांत, बोध एवं परंपरा-व्यापारिक आय मापन—लेखाविधि भातक राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय
2. उद्यम का मूल्यांकन: सूची का मूल्यांकन, साख और शेयर
3. कंपनी लेखा प्रस्तुतिकरण:-संलयन विलयन पुनर्गठन तथा पूंजी लघुकरण-होलिडिंग कंपनियां लेखा विलयन
4. शाखा तथा विभागीय लेखा : किस्त पर खरीद और किस्त का भुगतान-रायल्टी लेखा, अनुबंध लेखा, निवेश लेखा
5. अपूर्ण अभिलेखों में लेखा बनाना : स्व-अधिशेष लेजर
6. संगठनों में लेखाविधि : कृषि लेखाविधि, होटल लेखा विधि-लाभ न करने वाले संगठनों पर लेखा विधि अर्थात् अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान स्थानीय स्वायत्त सरकार की लेखाविधि-ग्रामीण सहरी
7. बैंक तथा बीमा कंपनियों की लेखा विधि-स्टाक में हानि, लाभ में हानि और अन्य क्षतिपत्रक जिसके सामूहिक बीमा दावा भी शामिल है उसकी लेखाविधि इलेक्ट्रिक लेखाविधि
8. भारत में सर
9. व्यापारिक लेखा विधि से तुलन करते हुए भारत में सरकारी लेखाविधि : सामान्य सिद्धांत, नियंत्रक और भारत के महालेखाकार की भूमिका तथा लोकत विस्त समितियां—एवं लेखा समीक्षा

चरण-3 प्रश्न-पत्र :-10 सूचना तकनीक एवं संगणक के प्रयोग

उद्देश्य : कम्प्यूटरीकृत सूचनाओं/तकनीक के विकसित क्षेत्र में पेशेगत लेखाकारों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करना एवं नियंत्रण करना।

इरादा का स्तर :--आधारभूत विधि किन्तु विस्तारपूर्वक तकनीक की जानकारी

2. प्रणाली अभिकल्प : निवेश एवं उत्पादन अभिकल्प नक्शा बनाना श्रोत प्रलेखों हेतु पहचान फाइल अभिकल्प एवं संहिता करण प्रक्रिया, स्थापन, वीथिकीकरण और निवेश तथ्यों पर हस्त (मैन्युअल) नियंत्रण फाइल बनाना इसकी पहचान करना तथा नियंत्रण वास्तविक सुरक्षा एवं पास वर्ड उत्पादन नियंत्रण तथा तथ्य संप्रेषण नियंत्रण कार्यालय में तथ्य की वास्तविक सुरक्षा प्रणाली अभिकल्प के जीवनवृत्त एवं चरण प्रवाह चारों सहित अभिलेखीकरण एवं संप्रेषण तकनीक, निर्णय सारणी एवं अन्य डायग्राम
3. सूचना तथा इसकी प्रक्रिया: तथ्य और सूचना भंडारण तथा सूधार, अच्छी सूचनाओं की विशेषताएं और उसके गुण सूचनाओं के मूल्य और श्रोत युक्ति पूर्ण सूचनाओं का वर्गीकरण युक्ति पूर्ण और संगठन फाइल सुरक्षा एवं रख-रखाव संगठन आर. ए. एम., आर. ओ. एम. पी. आर. ओ. एम.—कम्प्यूटर में आंतरिक भंडारण कम्प्यूटर में आंतरिक भंडारण के आकार तथा क्षमता निर्धारित प्रक्रिया कम्प्यूटर में माइक्रोफिल के रूप में उत्पत्ति उपकरण ग्राफ प्लॉटर्स, लाइन प्रिन्टर्स, छव्य प्रदर्शन आंतरिक भंडारण माध्यम तथा उनका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक मूल का उपयोग टैलेक्स आदि
4. विस्तारित लक्ष्य प्रक्रिया, स्थानीय नेटवर्क, काल विभा- तथा बहु उपयोगी प्रणाली मेल फ्रेम के माइक्रो कम्प्यूटर लिंक के साथ संयोजित करना विकसित तथ्य प्रणाली से होने वाली सुविधाएं और असुविधाएं। विकसित प्रक्रिया एवं प्रणाली अभिकल्प स्थानीय क्षेत्रवार नेट वर्क तथा विस्तृत क्षेत्रवार नेट-वर्क का भविष्य
5. प्रबंधन सूचना प्रणाली की योजना, अभिकल्पन, एवं कार्यान्वयन: हाइड्रेशर साफ्टवेयर तथा संप्रेषण तकनीक, कम्प्यूटर प्रणाली, कम्प्यूटर हेतु तथ्य प्रस्तुति

सूक्ष्म-इलेक्ट्रॉनिक (माइक्रोप्रोसेसर, मानव यंत्र उत्पादकता ट्रेड आफ विपणन को आवरणित करते हुए समेकित प्रबंधन रचना प्रणाली विनिर्माण, वित्तपोषण, कार्मिक, कार्यान्वयन, मूल्यांकन तथा रख-रखावों

चरण : II संगणक अनुप्रयोग :

अंक 50

कम्प्यूटर हाइड्रवेयर: कम्प्यूटर तथा उसके आधारभूत घटक-निविष्टि, मुख्य भंडारण, बाह्य भंडारण, साफ्टवेयर, उत्पादन प्रक्रिया, केन्द्रीय प्रक्रिया इकाई (सीपीयू) तथा लाजिक इकाई, (ए एलयू) तथा उनके तत्व तथा कार्य, आन्तरिक भंडारण और तथ्यों का प्रतिनिधित्व, रैन्डम एक्सेस मेमोरी (आरएएम), केवल पठनीय मेमोरी (आर.ए.एम.) तथा कार्यक्रम योग्य आर. ओ. एम. (सी.आर.एम.) तथा इंटेल ऑब्जारेम प्रक्रियात्मक क्षमता तथा अंतरण भंडारण, बहिर्जाली परिचालन

2. कम्प्यूटर जेनरेशन मेनफ्रेम, मिनी कम्प्यूटर तथा माइक्रो कम्प्यूटर 8 बिट, 16 बिट 32 बिट कम्प्यूटर की विशेषताएं और प्रक्रियात्मक क्षमताएं कम्प्यूटर विकास की भविष्य की वृत्तियां।

3. निविष्टि उत्पाद साधन:

विभिन्न प्रकार के निविष्टि साधन एवं उनकी विशेषताएं (मैग्नेटिक टेप, मैग्नेटिक डिस्क, विन्चेस्टर डिस्क, कैसेट, फ्लॉपी डिस्क, मैग्नेटिक इक रिकार्डिंगशन, ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकार्डिंगशन, वायस डाटाएन्ट्री (ओसीआर), डाइमंड डाटा एन्ट्री (ओसीआर) ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकार्डिंगशन) प्रिण्टर्स लाइन, लेसर, डाटा मैट्रिक्स डिजीशील विडियो (विजुअल डिस्प्ले यूनित) माइक्रोफिल्म, ग्राफ प्लॉटर ग्राफिक टर्मिनल।

4. फाइल बनाना और उसका रख रखाव :

फाइल का बोध, रेकार्ड और उसकी विशेषताएं स्थायी अस्थायी फाइल संगठन, फाइल अन्तरण, अद्यतन, क्षमता सुरक्षा तथा रख-रखाव फार्म फायनिंग तथा फारमेटेड स्ट्रिप, मेनस विन्डो परिचालनीय तथा रेकार्डों की लम्बाई तथा श्रेणी, एड्रेसों की प्रक्रिया, सेक्विन्सियल डाइरेक्टर तथा डिनैमिक उनके लक्षण और व्यवहार, मैग्नेटिक टेप ले आउट, इण्टर रेकार्ड गैफ, ब्लॉक एण्ड इण्टर ब्लॉक गैफ, ब्लॉकिंग फैक्टर।

5. कम्प्यूटर प्रक्रिया प्रणाली :

प्रक्रिया प्रणाली पद्धति के प्रकार

- (1) सभी तथ्यों की बीच निविष्टि तथा लेनदेन की सभी निविष्टियों की प्रक्रिया लाइन फाइल की इन्वॉयसरी पर
- (2) आन लाइन निविष्टि, बीच प्रक्रिया और आन लाइन इन्वॉयसरी
- (3) ऑन लाइन निविष्टि का अद्यतन करना तथा वास्तव काल प्रणाली प्रत्युत्तर काल।

6. वितरित डाटा प्रक्रिया प्रणाली :

विपरीत डाटा प्रक्रिया प्रणाली (डीडीपीएस) डाटा अन्तरण प्रणाली दोले कम्प्यूनिक्शन लिंक, लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) टाइम शेयरिंग तथा बड़ प्रक्रिया

7. कम्प्यूटर साफ्ट वेयर तथा प्रोग्रामिंग :

स्टैंड इन्स्ट्रक्शन्स प्रोग्रामिंग के सिद्धांत, भाषा पाटर्न, कोबोल, बीसिक, पास्कल सी आदि प्रोग्राम लेखन की क्षमता नहीं। साफ्ट वेयर के स्तर, साफ्टवेयर पैकेज, तथा परिचालन प्रणाली (ओएस), बूट स्टॉप प्रोग्राम, एसेम्बला, कम्पाइलर तथा इण्टर प्रंटर्स, स्प्रेडशीट पैकेज डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली (डीबीएमएस) वर्ड प्रोसेसिंग साफ्ट वेयर, ग्राफिक्स साफ्टवेयर, बसिक पर सरल प्रोग्राम, लेखनवृत्त वंतेन तालिका सूची तथा विक्रय विश्लेषण एम आई एस के नियंत्रण एवं लेखा परीक्षा पक्ष: एडिटचेंक, रटर लिस्टिंग, प्रणाली सुरक्षा नियंत्रण ऑडिट टायल, परिचालन दक्षता नियंत्रण, कम्प्यूटरीकृत वावरण में लेखा परीक्षण,

9. कम्प्यूटरकृत तकनीक :

कम्प्यूटरयुक्त डिजाइन (सीएडी) कम्प्यूटरयुक्त निर्माण (सीएम) नमनीय निर्माण पद्धति, आदिन्वर्ण-।।। प्रश्नपत्र-।। परिचालन प्रबंधन एवं नियंत्रण-अंक

उद्देश्य : प्रक्रिया का प्रारम्भिक ज्ञान और उत्पादन तकनीक श्रोतों के प्रभावी उपयोग की अर्थनीति और श्रोत के अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की तकनीक :

ज्ञान का स्तर: विशेषज्ञान

1. उत्पादन तकनीकी का शिल्पज्ञान: चिन्मज्ञान का अर्थ तथा तात्पर्य, विभिन्न बोध सम्बन्ध तकनीकी या उपयुक्त तकनीकी हाई-टेक बनाम लॉटके मूलधन सधनता बनाम श्रम साधनता, रूप बनाम प्रक्रिया आदि 21वीं शतक में आधुनिकी वस्तुओं का रूप मशीन उपकरणों संधि निर्माण तकनीक संदर्भ आधारभूत धारणा, प्रक्रिया तकनीक, उत्पादकता सुविधा, उत्पादकता के उपयोग एवं निर्माण नीति लागत लेखा परीक्षा के अधीन आवरणित उद्योग के कुछ विशाल धारणाएं।

2. उत्पादन योजना :

अनुसूचीकरण एवं मॉनिटरिंग प्रणाली

3. उत्पादन अर्थनीति: स्थान बहुपारी उत्पादन का नक्शा मिश्रित, गामग्री संचालन बहुदृशीय संगठन की उपादयता, प्रति-संश्लेषक रख-रखाव, क्षमता का उपयोग असंतुलित क्षमता का उपयोग असंतुलित क्षमता का संशोधन, उत्पादन की आफ-नोडिंग, उत्पादन के चरण उत्पादन के चरण उत्पाद संयंत्र, योजना प्रक्रिया, गुणवत्ता स्तर को नियंत्रित करते हुए अनुसूचित उत्पादकता चरण, उत्पाद लागत नियंत्रण उत्पादों का व्यवहार और उनका अप्रचलन, तकनीकी आधार और सका अप्रचलनीकरण उत्पाद लागत नियंत्रण-इसके उत्पाद घटक के लागत पर आधारित क्षमता की उपयोगिता संगत तर्क के आधार पर क्षमता की परनाकलना आधुनिकीकरण, नवीकरण तथा पुर्नूद्धार करना आदि समस्याओं का विश्लेषण।

4. उत्पादकता: उत्पादकता का अर्थ और उसका महत्व, उत्पादकता जैसे कुल उत्पादकता, उत्पादकता का परिभाषन—वोनों समग्र और अलग-अलग प्रत्येक घटक के लिए जैसे—मनुष्य मशीन, उपादान, उत्पादकता एवं लागत, उत्पादकता विकास तकनीक काल-अध्ययन, कार्य के नमूने तथा अन्य तकनीकी उत्पादकता मॉनिटरिंग हेतु, उत्पादकता निश्चित करना उपकरण तथा तकनीक, उत्पादकता और कार्य प्रणाली साथ ही साथ गुणपठनायुक्त कार्य जीवन कार्य मूल्यांकन तथा मॉरिट रोटिंग तथा इनका मानव संशोधित उत्पादकता में सहयोग उत्पादकता के संदर्भ में लागत लक्ष्यकरण तथा मुख्य विश्लेषण। उत्पादकता के संदर्भ में वक्रबोध सीखना।

5. परिचालन निर्णय में लागत प्रभावोत्पादकता :

लागत प्रभावोत्पादकता विश्लेषण तकनीक बहुत विविध परिचालन-निर्णय जैसे बनाओ या खरीदो, बहुसिख संयन्त्र बनना, संयन्त्र का स्थान और विस्तार ऋटियों का पता लगाना उत्पादन प्रणाली में स्वचालन, प्रबन्धन की उपदयता, मशीनों का प्रतिस्थापन तथा तकनीक के उन्नतीकरण तथा अवशोषण पर वित्तीय प्रभाव ।

चरण :-3(प्रश्नपत्र 12) परियोजना प्रबंधन एवं नियंत्रण उद्देश्य : सूत्रीकरण, मूल्यांकन वित्त पोषण, प्रशासन और परियोजना नियंत्रण पर विशेष ज्ञान देना ।

ज्ञान का स्तर : विशेष ज्ञान

1. परियोजना की विशिष्टता और सूत्रीकरण :

बी.एम.ई.आर. (संतुलन, आधुनिकीकरण, प्रतिस्थापन, विस्तार तथा विधिकरण) विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं के लिए विभिन्न आवश्यकताएं । प्रत्येक क्रम के अन्तर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए निर्णय भी शामिल किया गया है ।

परियोजना चयन में मशीन तथा माइक्रो प्रोसेसिंग, निजी, लोक एवं संयुक्त क्षेत्रों की परियोजना के लिए विभिन्न प्रयोजन । परियोजना सूत्रीकरण-परियोजना ।

प्रोफाइल बनाना, परियोजना रिपोर्ट तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, पूर्व निवेश निर्णय हेतु विस्तृत मानक

2. परियोजना मूल्यांकन : विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन—तकनीकी, संगठनात्मक तथा प्रबन्धकीय-व्यापारिक एवं वित्त पोषक—परियोजना मूल्यांकन हेतु वित्तपोषक तकनीक तथा संभाव्यता, डी.सी.एफ. तथा ग्रे.डी.सी.एम. प्रणाली, सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण तथा वापसी का आर्थिकदर, परियोजना का उक्त पोषण औचित्य ।

3. परियोजना वित्तपोषण :

वित्त पोषण का प्रतिरूप, वित्त पोषण के श्रोत, करगणना का प्रभाव, लोक ऋण, लघुबचत/लोक उद्यमों का अधिशेष ऋणपूर्ण वित्तपोषण, विदेश सहायता, सार्वजनिक क्षेत्र परियोजना का वित्त पोषण, परियोजना वित्त पोषण में कर भोजन की भूमिका ।

4. परियोजना लागत प्रणाली : परियोजना लागत लेखा विधि तथा मोनिटरिंग, अनुबंध तथा लागत प्रणाली, श्रम तथा उपकरण लागत लेखा विधि का संहिताकरण डाटा लागत का विनाश, श्रम-काल दर्शन मात्रात्मक कार्य का प्रत्यक्ष परिमाण, श्रम लागत विश्लेषण, उपकरण लेखाविधि, शक्तिविधि आधारित लागत लेखा विधि, अनुमान हेतु उत्पादन दर, लागत नियंत्रण लागत नियंत्रण हेतु कम्प्यूटर का अनुयोग ।

5. परियोजना प्रशासन : प्रगति भुगतान, व्यय योजना परियोजना अनुसूचीकरण तथा नद्वर्क योजना, भुगतान अनुरोध के लिये सी.पी.एम. गतिविधि का व्यवहार, भुगतान की अनुसूची तथा वास्तविक प्रगति काल लागत व्यापार पृथक्करण, गंकाइ प्रवाह बनाना, गंकाइ पूर्वानुमान एवं निधि की मोनिटरिंग तथा अन्य श्रोत, एक प्रशासन में परियोजना समूहों का नियंत्रण तथा श्रोतों के भागीदारी में सहयोगी समस्याएं ।

6. पीईआरटी बंध और उसका व्यवहार—लागत एवं पीईआरटी काल लागत एक कार्यकाल के रूप में/लागत यांत्रिकी/पीईआरटी में से पीईआरटी में लेखाकार की भूमिका/लागत बण्टीकरण, बल्युतम लागत बंध निधिनिर्णय ।

7. परियोजना के उपरान्त मूल्यांकन ।

चरण—4 प्रश्न पत्र 13 उन्नत प्रबन्धन लेखाविधि—तकनीक और उसके अनुप्रयोग

अंक 100

उद्देश्य : प्रभावी योजना हेतु मात्रात्मक प्रभाव के अनुप्रयोग से लागत लेखाविधि तकनीक पर पर्याप्त ज्ञान देना

ज्ञान का स्तर : उन्नत लेखाविधि (प्रबन्धन) —समस्याओं का सूत्रीकरण और उसका समाधान

1. परिचय : प्रबंधन लेखाविधि का मूल्यांकन—पूर्ण लागत आबंटन निगम के उद्देश्य, लाभप्रवृत्ता और अन्य उद्देश्य, उत्पाद सेवा सह बाजार मिश्रित सूचना तथा निर्णय प्रक्रिया, मात्रात्मक एवं गुणात्मक घटक, निर्णय लेने हेतु रिपोर्ट करना—निष्पादन मूल्यांकन तथा इसके विभिन्न समकालीन निर्णय प्रतिमान ।

2. लागत आबंटन : लागत निर्धारण एवं आबंटन, लागत निर्धारण की सामान्य प्रक्रिया तथा निर्णय करने हेतु विभिन्न मानदण्ड, सेवा विभाग लागत आबंटन, सेवा विभाग मध्य अन्तः क्रियाएँ : पारस्परिक पद्धति, एक विभाग से दूसरे विभाग का लागत आबंटन, संयुक्त उप-उत्पाद लागत, संयुक्त उत्पाद की समस्याएँ, उप-उत्पाद का उपचार, परंपरागत संयुक्त उत्पाद आबंटन प्रणाली, संयुक्त उत्पाद के साथ निर्णय करना संयुक्त लागत आबंटन हेतु अरक्षित कार्यक्रम, प्रति-रूप, संयुक्त लागत आबंटन प्रक्रिया में निर्णय का महत्व, अंकगणितीय कार्यक्रम प्रणाली से उप-उत्पाद की पहचान तथा उप-उत्पाद लेखाविधि ।

3. मात्रात्मक तकनीक : रक्षित कार्यक्रम के व्यवहार से व्यापार का प्रारूपीकरण, समाधान की सरल प्रणाली और संबंधनशील विश्लेषण, आव्यूह (मैट्रिक्स) का प्रभावी निमाण तथा आबंटन समस्याओं पर इसका अनुप्रयोग नियत कार्य, परिवहन तथा प्रमाणशील विवेकता (सेल्स-मैन) गेस के सिद्धांत तथा विपणन समस्याओं पर इसका अनुप्रयोग, फीकाबद्ध सिद्धांत की सहायता से सेवा स्तर के निर्धारण अनुरूपक तकनीक के व्यवहार से व्यापारिक प्रतिमान, डी.सी.एफ. मिलाकर प्रतिस्थापन प्रतिरूप, सरिता तंत्र (नेटवर्क) विश्लेषण का व्यवहार करते हुए परियोजना योजनाएं ।

4. लागत व्यवहार एवं समाश्रयण विश्लेषण : वरीकरण तथा अनुमान हेतु डाटा विश्लेषण, और लागत व्यवहार, समाश्रयण विश्लेषण के व्यवहार में लागत व्यवहार का मानक विश्लेषण, कामलायक (फिट) तथा आर्थिक संभावनाओं की अच्छाईयाँ, स्वतंत्र चरणा का महत्व समाश्रयण में सांख्यिकीय अनुमिति, वक्रपूर्वानुमान शिक्षण, उत्पादकता पर संचयी प्रभाव के साथ पूर्वानुमान शिक्षण, संचयी पूर्वानुमान आनुपातिक—काल शिक्षण प्रतिमान तथा शिक्षण प्रतिमान पर वर्धित काल इकाई वक्र शिक्षण ।

5. लागत-आकार लाभ विश्लेषण : मोनोपी कल्पना तथा लागत के आन्तरिक संबंध, आकार और लाभ :—

(क) निर्धारणात्मक प्रतिमान : सी.वी.पी. पर विश्लेषण प्रतिमान, बहुत उत्पादीय अवस्थाओं सहित बी.ई.पी. निर्धारण, बहुत उत्पादन के अन्तर्गत

सी.वी.पी. विश्लेषण, बहु उत्पादीय संयमन, सी.वी.पी. प्रतिमान और इसका व्यवहार प्रक्रिया निर्णय में,

(ख) अनिश्चितता के अन्दर प्रतिमान : अनिश्चित प्रतिमान निर्माण-विक्रय वितरण की संभाव्यताएं, बी.ई. विनिर्धारण, सामान्य और असामान्य वितरण हेतु पैरामीट्रिक अनुमान, मूल्य और लागत की अनिश्चितता के अन्दर बहु-उत्पादीय सी.वी.पी. विश्लेषण, परिपूर्ण सूचना का अपेक्षित मूल्य तथा प्रतिदर्श सूचना ।

6. मूल्यायन और निर्णय प्रक्रिया : विकल्प लागत, संबद्धता एवं अंशदानीय मार्ग, विगत लागत की असम्बद्धता, अधिक लाभ मूल्यायन प्रतिरूप-वर्धमानिय लागत एवं आर.ओ.आई मूल्यायन, नव उत्पाद पर कुशल मूल्यायन, पूर्ण लागत मूल्यायन गूणात्मक उत्पादकता लागत परिमाणन की सुविधाएं और असुविधाएं, लागत मूल्य निर्धारण, निवारकालिक लागत, अवसर हीनता, अनकलतम सूची प्रतिदर्श लागत, आंतरिक विफलता लागत, बाह्य विफलता सम्बन्धी नीतियां तथा अवसर हीनता, सांख्यिकीय गूणात्मक नियंत्रण ।

7. विक्रय प्रसरणता, लाभ एवं लागत विश्लेषण-उत्पादन अन्तर्तयन तथा उपज प्रसरणता, योजना एवं नियंत्रण प्रसरणता, लागत प्रसरणता अनुसंधान प्रतिमान, उपदानता का महत्व, सांख्यिकीय महत्व, असामान्य संभावनाएं-नियंत्रण चार्ट, बहु निरीक्षण हेतु औपचारिक प्रतिमान-लागत एवं लाभ अनुसंधान के साथ निर्णय प्रतिमान, प्रसरणता विश्लेषण में असुविधाएं ।

8. विकेंद्रीकरण तथा मूल्य अन्तरण : उत्तरदायिता केन्द्र चयन तथा इसके लाभ और अलाभ सहित विकेंद्रीकरण, मूल्य अन्तरण हेतु सामान्य मानदण्ड, विभिन्न विपणन परिस्थितियों में अवसरवादी लागत एवं आउट ले लागत, बहु-राष्ट्रीय और सार्वभौमिक कर लघुकरण, मूल्यांतरण मूल्यांकन की विभिन्न पद्धतियां, अवशेषण लागत सीमान्त लागत, लागत धन लाभ तथा इन तकनीकों के सीमाबंध सहित मानक लागत, लाभ सूचकांक का चयन, निवेश की वापसी, आवसिक आय बोध एवं विभागीय निष्पादन के नियंत्रण की मानवीय समस्याएं ।

9. प्रबंधन लेखाविधि में बालू निर्णयपेशी विषय :

महामूर्ति और इसके प्रबंधकीय निर्णय करने पर प्रभाव, व्यापार के निर्णयों पर सामाजिक आयाम, मानव संसाधन लेखाविधि और उनके अनुप्रयोग, कार्यक्रम तथा कार्य निष्पादन बजटीकरण, शून्य आधार बजटिंग, सामाजिक लेखाविधि तथा सामाजिक रिपोर्टिंग तथा मानव संसाधन योजना तथा आशाजनक कर्मचारियों की लागत ।

चरण-4. प्रश्नपत्र 14 : उन्नत प्रबंधन लेखाविधि-द्वितीय प्रबंधन, अंक 100

उद्देश्य : लेखाविधि प्रक्रिया तथा जटिल व्यापारिक मानकों में उनके अनुप्रयोग ।

1. योजना परिवेश : वित्तीय उद्देश्य, वित्तपोषक नीतियां, निवेश व लाभान्श, वित्तीय परामर्शदाता, योजनाएं और अनिश्चितताएं, व्याज दर, मुद्रास्फिती, पूंजीगत लाभ

और क्षति, विनियम नियंत्रण विनियम, राज्यकीय ऋण नीति एवं प्रोत्साहन, उत्पादन सांख्यिकी, मूल्य तालिका, श्रम, प्रकाशित सांख्यिकीय डाटा पर आधारित पूंजी बाजार ।

2. वित्त श्रोत : राष्ट्रीय (ए) मध्यम तथा दीर्घकालिक, उच्चम पूंजी बीज पूंजी, इक्विटी, प्रिफरेंस, परिवर्तनीय संचयी प्रिफरेंस, शेयर्स, लाभान्श परिवर्तन शील लाभान्श, किस्त क्रय, लीज, लोक जमा संग्रहण तथा सांस्थानिक वित्त पोषण, जीवन बीमा निगम, यूनिट ट्रस्ट आफ इण्डिया, भारतीय औद्योगिक वित्त पोषक निगम, आई.सी.आई.सी.आई. राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम, आई.डी.बी.आई, एस.आई.डी.-बी.आई, एस.एफ.सी, आई आर बी आई ।

आन्तरिक श्रोत : प्रगतिधारित आय, प्रावधान आदि, वित्त उगाही के मुद्दे, संगठन का वैधानिक रूप, कम्पनी अधिनियम के प्रावधान, पूंजीगत निर्णयों का नियंत्रण आदि (बी) अल्पकालिक श्रोत, ट्रेड क्रेडिट, घटकीकरण, विनियम, बिल, बैंक ऋण क्रेडिट और ड्राफ्ट ।

3. वित्तीय श्रोत (अन्तराष्ट्रीय) : विदेश बाजार से निधि उगाही, तथा विदेशी परियोजनाओं में निवेश, विनियम दर-जोखिम भी एजेंसियों का अन्तर्गत होने तथा अन्तराष्ट्रीय परिचालन प्रक्रिया का अनुसरण-ट्रेड संतुलन का बोध और अवशेष का भुगतान ।

4. परिचालन विश्लेषण तथा वित्तीय लिवररेज : और लिवररेज की प्रकृति-परिचालन जोखिम तथा वित्तीय जोखिम, परिचालन लिवररेज, वित्तीय लिवररेज तथा संयुक्त लिवररेज-बोध, परिमाणन तथा उनकी व्याख्याएं परिचालन लिवररेज, तथा सी.वी.पी. विश्लेषण इवीआईटी तथा इपीएस विश्लेषण-इन डिफरेंस पोएन्ट ।

5. मूलपूंजी संरचना सिद्धांत तथा योजना : मूलपूंजी संरचना बोध तथा उसके परिधिपर वित्तीय संरचना और मूलपूंजी संरचना-मूल और जटिल, मूलपूंजी संरचना के सिद्धांत-शुद्ध आय मार्ग, शुद्ध परिचालन आय मार्ग परंपरागत तथा मिलर और फ्रेडिंगमानी मार्ग और उनकी आलोचना, मूलपूंजी संरचना के घटक-भारत के निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में ।

6. पूंजीगत लागत : इसकी प्रकृति और अर्थ, वित्तीय निर्णयों में सम्बद्ध मूलधन लागत, विशिष्ट लागत की संगणना, वचन का चयन, समग्र लागत तथा मूलधन की समग्र लागत कम्पनी कर और पूंजीगत लागत पर इसका प्रभाव ।

7. पूंजी बजटीकरण तथा पूंजी विश्लेषण की उपपद्धतियां एवं उपलब्धता पर काल विलम्बन का प्रभाव : पनः लागनी अवधि, वर्तमान मूल्य तथा भविष्यकालीन निष्पत्ति सहित आन्तरिक वापसी दर की उपपद्धत बजटीकरण पर परिसीमाएं, पूंजीगत लागत निर्धारण-जोखिम या अनिश्चितता, जोखिम तथा पोर्टफोलियो के संतुर्भ प्रे-वापसी तथा मूल्यायन प्रतिमान (सीमापेक्षा) महामूर्ति, लीजिंग वनाम क्रय, खण कर, निर्धन लागत उगाही प्रणाली के लाभ (ह्रास के उच्च दर) निवेश ऋण ।

8. कार्यकारी पूंजी प्रबंधन : परिचालन वृत्त बोध : परिचालन वृत्त बोध, कार्यकारी पूंजी को आवश्यकताओं का पूर्वानुमान, कुशल वित्त पोषण नीति, कार्यकारी पूंजी एवं सावधिक ऋण-ट्रडिंग अध्ययन समूह की संस्तुतियां, विभिन्न संघटकों का अग्रिम मॉनिटरिंग प्रबंधन, मूलास्थिति के अन्तर्गत कार्यकारी पूंजी, नव उत्पादन तथा कार्यकारी पूंजी प्रबंधन ।
9. प्रलेखन एवं दीर्घ एवं अल्पकालिक ऋण उगाही हेतु प्रक्रियाएँ ।
10. उन्नत वित्तीय विश्लेषण एवं योजना : वित्तीय विवरण, वित्तीय आनुपातिक विश्लेषण, निधि प्रवाह तथा रोकड़ प्रवाह विश्लेषण लिबरजेस, सी.वी.पी. विश्लेषण, वित्तीय पूर्वानुमान मूलास्थिति के पक्ष ।
11. लाभान्श तथा प्रतिधारण नीति : लाभान्श मिद्धांतों के घटकों के विचारार्थ लाभान्श नीति का गठन-वॉल्टर्म प्रतिमान, गोडॉन्स प्रतिमान लाभान्श के अवशिष्ट मिद्धांत, मिलर तथा मोदग्लियानी हाइपोथिस, भारत की निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में भारत की सामान्य स्थिति ।
12. सार्वजनिक क्षेत्र में वित्तीय प्रबंधन : प्राप्य लेखा प्रबंधन तथा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में इन्वन्टरीज, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में निधि स्रोत : ऋण की लागत, प्रतिधारित आय की लागत तथा ऋण—इक्विटी अनुपात, कम विकास पूंजी व्यय का नियंत्रण रोकड़ प्रवाह का निर्धारण तथा लागत लाभ विपणन, सार्वजनिक उद्यमों की मूल्यांकन नीति, परियोजना समीक्षण एवं कार्यान्वयन, सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण ।

चरण 4 प्रश्न-पत्र 15 उन्नत प्रबंधन सेवा विधि—कुशल प्रबंधन नीति ।

उद्देश्य : संगठनों के विषय में पर्याप्त ज्ञान तथा इसका वातावरण : तथा संगठनों के उद्देश्यों के उपलब्धि हेतु कयन योजना का महत्त्व तथा विपणन नियंत्रण में लेखाकार की प्रबंधन में भूमिका तथा कुशल योजना ।

विशिष्ट सीखणत योजना :

1. आर्थिक वातावरण के कारकों की योजना : पूर्वानुमान प्रवृत्ति और परिवर्तन—राजनीतिक, सामाजिक, वैधानिक तथा तकनीकी प्रभाव, वितरण वाहिकारों, प्रतिस्पर्धात्मक दल, राज्य-कीय नीतियां, आर्थिक वृद्धि और राज्यकीय व्यय, सरकारी तथा गैर-सरकारी क्षेत्रों द्वारा निवेश, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार अन्य मद्दा-प्रसार हेतु सरकारी नीतियां, नये उद्योग, कल उत्पादों पर बल दिया जाना उपदान एवं विकल्प, सरकारी नीति और मूलास्थिति ।

नीतियां : कम्पनी निर्णयों का उर्थ और महत्त्व, लेखी योजना, व्यापार नीति, नीतिगत योजना प्रकार की पद्धतियां, लक्ष्य की परिभाषा : व्यापारिक, लक्ष्य, (तथा पदनाम—विक्रय अन्तरगत, खदर अन्तरगत और अन्य नीतियां) पर, लक्ष्य की सी (शक्ति, वसुधोक्ती, अवसर, धर्मिका) का निखेपण, लक्ष्य निर्धारण, नीति निर्धारण और उनका क्रियान्वयन, क्रियान्वयन प्रणाली, अधिकारी समित्दरिग, स्थिरता तथा विकास हेतु नीतियां, विस्तार बनाम, विस्तार बनाम विविधता—वृद्धि हेतु, विलयन नीति,

अधिग्रहण तथा विलयन नीति, संयुक्त उद्यम हेतु नीति—दोनों स्थानों पर देश में—विदेश में) व्यापारिक नीति के सहत विपणन नीति, मूलास्थिति के दौरान विकास एवं हिस्सेदारों की वास्तविक मूला की सुरक्षा, वित्तीय लक्ष्य, अवित्तीय लक्ष्य, संसाधन विश्लेषण एवं मूल्यांकन ।

प्रतिमान गठन : प्रतिमानों के विकास की नीतियां, ठेकी प्रतिमान, इकानोमेट्रिक, अंकगणितीय कार्यक्रम बजट सम्बन्धी अन्वेषणात्मक प्रतिमान, संवेदनशील विश्लेषण इसके चरित्रगत प्रतिमान और इसकी विशेषताएं, प्रतिमान गठन की परिसीमाएं जैसे कि अनुकरणात्मक पद्धति तकनीक ।

2. विपणन

1. विचार—उत्पादनोन्मुखी बनाम विपणनोन्मुखी, विपणी उद्देश्य, विपणन की रूपरेखा और उसका प्रबंधन सह ।
2. नीतिगत योजना एवं विपणन नीति—दोनों अगली और पिछली ।
3. शोध तथा प्रतिभा—विपणन नीति निर्धारणार्थ आवश्यक सूचना एकत्र करने के स्रोत एवं पद्धतियां ।
4. विपणन में प्रबंधन लेखाविधि का उपयोग : नियंत्रण या अनुप्रयोग ।

विपणन लागत विश्लेषण और लाभप्रदता मूल्यांकन नीतियां और कुशल नीति, विपणन में बजटरी नियंत्रण, मूल्यांकन तथा विक्रय समिति विधि नियंत्रण ।

विक्रय उन्नयन का मूल्यांकन, तथा विज्ञापन, वितरण लागत विश्लेषण तथा नियंत्रण, विपणन शोध मूल्यांकन तथा विपणन योजना ।

अंशदानिक विश्लेषण तथा उत्पाद रोषित लाभप्रदता विश्लेषण, उपज का औचित्य स्थापन एवं उपज का पुनर्मूल्यांकन, उपज की सीमा विस्तारण, उपज निर्मलन एवं नयी उपज प्रवेश—पूर्ण एवं अपूर्ण बेय का प्रयोग ।

चरण 4. प्रश्न-पत्र 16 उन्नत प्रबंधन सेवाविधि—लागत लेखा परीक्षा अंक 100

उद्देश्य : लागत एवं प्रबंधकीय सेवा परीक्षा के नियोजन एवं परीक्षा हेतु बनाये जाने की कला एवं विधियों में पारंगत बनाया जाना ही इसका मुख्य उद्देश्य है ।

ज्ञान का स्तर : विशेष ज्ञान ।

अनुभाग-1 लागत लेखा परीक्षा : 50 अंक

1. प्रकृति तथा उद्देश्य और लागत लेखा परीक्षा के कार्यक्षेत्र : दक्ष लेखा परीक्षा बोध, स्वात्मिक के फर्मों का लेखा परीक्षण, प्रबंधन लेखा परीक्षा, सामाजिक लेखा परीक्षा ।

2. लागत लेखा परीक्षक की नियुक्ति :—उसके अधिकार, उत्तरदायिता, स्थिति, संबंध और दायित्वाएं—कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत पेशेवर एवं वैधानिक स्थिति के अन्तर्गत 1959 कास्ट एण्ड टर्क्स एकाउन्टेन्स अधिनियम तथा अन्य स्थिति ।

3. लेखा परीक्षा योजना : उद्योग निर्माण संबंधित विधियों का संगठन, लेखा परीक्षा में सम्बन्धित अभिलेख एवं रिपोर्ट सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करना ।

4. अभिलेखों तथा रिकार्डों का सत्यापन : सांख्यिकीय प्रति-दर्श प्रणाली की उपादेयता—लागत कास्ट एकाउन्टिंग (रेकार्ड्स) नियम के अन्तर्गत कार्य निष्पादन एवं विवरण का सत्यापन ।

5. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली : का मूल्यांकन : बजटीय नियंत्रण क्षमता की उपादेयता सूची नियंत्रण, प्रबंधन सूचना प्रणाली ।

6. लेखा परीक्षा कार्य की पर्याप्तता का निर्धारण ।

7. लेखा परीक्षा संबंधी नोट तथा कार्य सम्बन्धी प्रपत्र प्रबंधक मंडल को लेखा परीक्षा प्रतिवेदन ।

8. मूल्य लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, प्रतिवेदनों का विषय, प्रतिवेदन के नोट्स एवं विशिष्टताओं में अंतर, मूल्य लेखा परीक्षक के प्रेषण एवं निष्कर्ष ।

9. व्यावसायिक नैतिकता एवं आचरण संहिता ।

10. सांविधिक वित्तीय लेखाधिकारी, आन्तरिक लेखाधिकारी तथा सांविधिक मूल्य लेखा अधिकारी में सम्बन्ध ।

11. कम्पनी नियम 1956 के तहत अधिनियम 233 ब के अनुसार मूल्य लेखा परीक्षा (प्रतिवेदन नियम तथा परीक्षा के एक वर्ष पूर्व निर्गत मूल्य लेखा परीक्षा (प्रतिवेदन) नियम जो अधिनियम 209 (1) के अन्तर्गत निर्गत किये गये हों का उद्योगों में उपयोगिता के आधार पर विशद अध्ययन ।

12. सरकार द्वारा लागत लेखा परीक्षा की समीक्षा : उद्देश्य, प्रणालियाँ, अनुसूचनात्मक कार्रवाई तथा लागत लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों पर सरकार द्वारा, कंपनियों द्वारा एवं अन्यो द्वारा निर्णय लिया जाना ।

13. लागत लेखा परीक्षा एवं वित्तीय परीक्षा एवं वित्तीय लेखा परीक्षा के मध्य तुलनात्मक अध्ययन विशेषतः उस संदर्भ में जहाँ यह लोक सभा तथा राज्य सभा के सदस्यों एवं आम जनता को विशिष्ट सूचनाएं दे पाने में समर्थ होती है ।

14. लागत लेखा परीक्षाओं हेतु दण्डात्मक प्रावधान ।

अनुभाग-2 लागत लेखा परीक्षा के अन्य गेयों की ओर बढ़ते क्रम 50 अंक

ए. प्रबंधन लेखा परीक्षा।

1. अर्थ, प्रकृति तथा संगठनात्मक आवश्यकता प्रबंधन लेखा परीक्षा हेतु तथा इसके उपर आवर्णित तथा उपरोक्त अन्य लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ ।

2. प्रबंधन विधियों एवं कार्यों जैसे योजना, संगठन, कर्मचारी नियोजन, समन्वय स्थापन, संदेश प्रवाहन विना निर्देशन एवं नियंत्रण ।

3. प्रबंधन सूचना एवं नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन विशेषतः व्यापारिक प्रतिबिम्ब एवं व्यवहारगत समस्याओं का ध्यान रखते हुए ।

4. निगम सेवा लेखा परीक्षा (ग्राहक सेवा) उपग्र (अनुपृष्ठ डी) और आयतन स्थानापन्नता तथा आयतन स्थानापन्नता, कौता पैलन निर्दिष्ट आदि ।

3-209(ग)/90

5. निगम विकास तथा प्रबंधन लेखाविधि परीक्षा जिसमें परिचालन एवं स्वामित्व के पक्ष भी शामिल हैं ।

6. सामाजिक लागत तथा व्यापारिक उद्योगों में लाभ विशेषतः विकासशील देशों के संदर्भ में ।

7. लेखा परीक्षा प्रबंधन का सामाजिक दायित्व ।

8. अन्य सेवाएं :

ए. प्रबंधन की अन्य सेवाएं, विभिन्न कार्यों के प्रमाण-पत्र अभिलेखों की जांच एवं सावधानियों का बरता जाना—प्रमाण-पत्रों का प्रारूप एवं उसकी विषय वस्तु ।

बी. लेखा परीक्षा का प्रबंधन, सरकार, हिस्सेदारों एवं अन्य बाह्य अभिकरणों तथा जनहित में स्वेच्छा संस्थाओं की लेखा परीक्षा हेतु सहायक होना ।

सी. उत्पादकता लेखा परीक्षा—श्रम, उत्पादन एवं पूंजी ।

डी. उर्जास्थितिकरण तथा पर्यावरण सुरक्षा ।

ई. दक्षता लेखा परीक्षा : किसी उद्यम के उपप्रणाली की लेखा परीक्षा ।

एफ. सामूहिक, अग्नि एवं दुर्घटना पालिसी के अन्तर्गत होने वाली मात्रात्मक क्षति का मूल्यांकन ।

जी. बैंकों एवं अन्य अभिकरणों की अभिलेखा सूची ।

12. वर्तमान अधिनियम 35 के स्थान पर निम्नलिखित तथ्य अधिनियम नियमित किया जाएगा यथा,

35. (1) वार्षिक परीक्षा के विषयों की छूट—

जो छात्र 1 जुलाई, 1991 को या उसके पश्चात पंजीकृत होने हैं उनके सम्बन्ध में काउन्सिल को यह निर्णय लेखे का अधिकार होगा एवं वह समय-समय पर निर्णय लेगी कि किन-किन विषयों में उन छात्रों को छूट दी जा सकती है जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय या किसी व्यावसायिक संस्था/मंडलों को उन परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर चुके हैं जिन्हें काउन्सिल की इस सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त है ।

(2) काउन्सिल को यह निर्णय लेने का भी अधिकार होगा एवं वह इण्टर मीडिएट परीक्षा के विभिन्न विषयों/पदों के उन छात्रों को छूट देने का निर्णय लेगी जो अधिनियम 25 (अ) के अन्तर्गत पंजीकृत हुए हैं एवं जिन्होंने अपने पुराने पंजीकरण के अन्तर्गत विभिन्न विषयों/पदों में उत्तीर्ण हो चुके हैं ।

(3) जैसा कि नीचे दर्शाया गया है यदि कोई भी प्रतिभागी जो परातन पाठ्यक्रम पर आधारित अंतिम परीक्षा के निम्नलिखित प्रश्नपत्रों को पार करने में उत्तीर्ण कर चुका हो या उनसे छूट पा चुका हो उसे नवीन पत्रपरीक्षित पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा में भी उन्हीं प्रश्नपत्रों की छूट दे दी जायेगी ।

प्राचीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा के प्रश्नपत्र

पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अंतर्गत ली जाने वाली अग्रिम परीक्षा के तदनु रूप समकक्ष प्रश्नपत्र

समूह	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्रों का नाम	पद	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्रों का नाम
1	1	विस्तीय प्रबन्धन एवं कम्पनी नियोजन तथा नीति	4	14	अग्रिम प्रबन्धन लेखे—विस्तीय प्रबन्धन लेखे
1	3	अग्रिम लेखा शास्त्र	3	9	अग्रिम विस्तीय लेखा शास्त्र
2	2	मूल्य लेखा परीक्षा एवं प्रबन्धन लेखा परीक्षा	4	16	अग्रिम प्रबन्धन लेखा परीक्षा एवं मूल्य
2	4	अग्रिम मूल्य एवं प्रबन्धन लेखा-परीक्षा—विधियाँ, पद्धतियाँ एवं अनुप्रयोग	4	13	अग्रिम प्रबन्धकीय लेखा परीक्षा पद्धतियाँ एवं अनुप्रयोग

किसी भी प्रतिभागी को, जिसने पुराने पाठ्यक्रम के अंतर्गत होने वाली अंतिम परीक्षा के किसी प्रश्न-पत्र में छूट प्राप्त की है या किसी भी प्रश्न-पत्र में सुविधा अंकों की सुविधा प्राप्त की है, के उसे पुनरीक्षित पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा में समतुल्य प्रश्न-पत्रों में यह छूट प्राप्त होगी। किन्तु पुराने पाठ्यक्रम के अंतर्गत ली जाने वाली किसी भी परीक्षा परिणामस्वरूप प्राप्त सुविधा अंकों का लाभ पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अंतर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा के किसी भी प्रश्न-पत्रों में नहीं दिया जाएगा।

13. वर्तमान अधिनियम 41 को निम्नलिखित नवीन अधिनियम के द्वारा विनियमित किया जाएगा। यथा

41. परीक्षा परिणाम : (1) किसी भी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों की तालिका संस्थान को पत्रिका में काउन्सिल के निर्देशानुसार ही छापी जाएगी। विशिष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का नाम तालिका में विशेष रूप से उल्लिखित किया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को व्यक्तिगत रूप से उसके परीक्षा परिणामों के संबंध में एवं उसके द्वारा दी गयी परीक्षा के विभिन्न प्रश्न-पत्रों के प्राप्त अंकों के संबंध में सूचित किया जाएगा।

बशर्ते यदि किसी भी समय परीक्षा समिति को यदि ऐसा महसूस होता है कि किसी भी परीक्षा के परिणाम गलतियों, गलत तरीकों, भ्राम्यधर्मी या कृत्रिम आदि से प्रमाणित हुए हैं तो परीक्षा समिति को यह पूर्ण अधिकार होगा कि परीक्षा परिणाम में आवश्यक सधार को एवं उसके तदनु रूप परीक्षा परिणाम घोषित करे।

2(अ) जब कोई प्रतिभागी किसी भी परीक्षा के उन सभी पदों (वर्गों) को उत्तीर्ण कर लेता है, जिसमें उसे किसी भी प्रकार की छूट नहीं मिली है तो उसे उस परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा। किसी भी प्रतिभागी को साधारण तथा परीक्षा के किसी भी पद (वर्ग) से उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा जब वह एक ही प्रयास के प्रत्येक प्रश्न-पत्र के पूर्णांक जिसमें उसे किसी भी प्रकार की छूट नहीं मिली है, में कालम 11 के अनुसार कम से कम अंक प्राप्त कर ले एवं उस पर (वर्गों) के सभी प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में कम से कम औसतन 50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ले।

अधिनियम 31 के अंतर्गत ली जाने वाली एवं पत्र (वर्ग) 11 या अधिनियम 34 के अंतर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा के पद (वर्ग) 3 या पद (वर्ग) 4

कालम 11
40 प्रतिशत

(ब) यदि कोई प्रतिभागी किसी भी परीक्षा के किसी एक पद (वर्ग) में उत्तीर्ण घोषित नहीं किया जाता है किन्तु

(1) किसी एक प्रश्नपत्र या प्रश्न-पत्रों में पूर्णांक का 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त कर लेता है, तो उसे तत्परोक्ष होने वाली परीक्षाओं में उन प्रश्न-पत्रों से छूट दे दी जाएगी जिसमें उसे 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक मिले हैं; या

(2) किसी एक या अधिक प्रश्न-पत्रों में प्रतिभागी को 60 प्रतिशत अंक या उससे अधिक मिले हों एवं उसी पद (वर्ग) के प्रश्न-पत्रों में प्रत्येक में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों तो उसे उन प्रश्न-पत्रों के अंकों को आगे ले जाने का लाभ दिया जाएगा जिसमें उसने 60 प्रतिशत से ज्यादा प्राप्त किया है एवं यह अंक तत्परोक्ष सम्मिलित परीक्षा परिणामों में शामिल किए जाएंगे। किन्तु यदि कोई अभ्यर्थी छूट की सुविधा या पिछली परीक्षा में प्राप्त 60 प्रतिशत से अधिक प्राप्त अंकों को अगली परीक्षाओं में ले जाने की सुविधा नहीं चाहता है तो उसे भविष्य में ऐसी सुविधा नहीं दी जाएगी।

(3) कोई भी अभ्यर्थी यदि एक ही प्रयास में परीक्षा के सभी प्रश्न-पत्रों में 70% या उससे अधिक अंक प्राप्त करता है तो उसे परीक्षा में विशिष्ट योग्यता के साथ उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(4) किसी परीक्षा के प्रश्न-पत्रों के उत्तरों के मूल्यांकन के संबंध में यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा परिणाम घोषित होने के एक माह बाद जानकारी हेतु आवेदन-पत्र देता है तो उसे मूल्यांकन संबंधी सूचना दे दी जाएगी। यह आवेदन-पत्र 10/- प्रति प्रश्न-पत्र या अधिकतम 30/- धनराशि के साथ आवेदन शुल्क के रूप में दिया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया में सिर्फ यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक प्रश्न-पत्र में सभी उत्तर मूल्यांकित किए गए हैं या नहीं। किसी भी अवस्था में पूर्ण मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। न ही किसी भी प्रश्न-पत्र या पद (वर्ग) में प्राप्त अंकों के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी जाएगी। यदि जोड़ के परिणामस्वरूप

यह पाया गया कि किसी प्रश्न की जांच नहीं की गयी है या अकों को जोड़ में टूटि है तो जांच शुल्क वापस कर दिया जाएगा।

(5) यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा परिणाम घोषित होने के 6 माह उपरान्त अंक-पत्र की दूसरी प्रति हेतु आवेदन करता है तो उसे 10/- आवेदन शुल्क जमा करने पर अंक-पत्र की दूसरी प्रति दे दी जाएगी बशर्त कि ऐसा आवेदन परीक्षा परिणाम घोषित होने के पांच वर्षों के भीतर ही किया जाए।

(14) वर्तमान अधिनियम 45 के निम्नलिखित नवीन अधिनियम के द्वारा विनियोजित किया जाएगा।

45. **सदस्यों के लिए प्रशिक्षण:** कार्जुन्सल संस्थान के सदस्यों के लाभार्थ यदि आवश्यक एवं उपयोगी समझेंगे तो कतिपय विधियों में प्रायोगिक/या सैद्धांतिक प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु व्याख्यान, विचार-गोष्ठियों, ग्रीष्म शिविरों, संस्थानों की यात्राओं एवं अन्य कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करेंगे।

(15) वर्तमान अधिनियम 45 के निम्नलिखित नवीन अधिनियम के द्वारा विनियोजित किया जाएगा।

46. प्रबन्ध लेखा शास्त्र/वित्तीय प्रबन्धन एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में शोधकर्म संस्थान के ऐसे सदस्य, जो क्रम से कम वर्ष तक सदस्य रह चुके हैं एवं जो प्रबन्धन लेखा शास्त्र/वित्तीय प्रबन्धन एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में शोधकार्य की रुचि रखते हैं, उन्हें एक मान्यता प्राप्त शोध निदेश के तत्वाधान में अपने को नामांकित कराना होगा। एवं तीन वर्षों के शोध कार्य के उपरान्त अपने शोध प्रबन्ध को जमा कराना पड़ेगा।

(16) वर्तमान अधिनियम 47 के निम्नलिखित नये अधिनियम के विनियोजित किया जाएगा।

47. **शोधकर्ता हेतु निर्देशन :** इस कार्य हेतु कार्जुन्सल मान्यता प्राप्त शोध निर्देशकों की एक न्यायिका रहेगी। समय-समय पर आवश्यकतानुसार शोधार्थियों को प्रशिक्षण एवं शिक्षण सुविधा समिति द्वारा शोधकार्य हेतु निदेश दिया जाता रहेगा।

(17) वर्तमान अधिनियम 48 के निम्नलिखित नये अधिनियम के विनियोजित किया जाएगा।

48. **शोधकर्ता का नामांकन :** संस्थान के किसी भी सदस्य को जो इस अधिनियम के शोधकार्य अन्तर्गत विशिष्ट आवेदन पत्र में आवेदन करना पड़ेगा। उसे नामांकन हेतु विषय का उल्लेख करना उसका उल्लेख करना होगा। शोध निर्देशक की लिखित पूर्व स्वीकृति इस कार्य हेतु परमावश्यक है।

(18) वर्तमान अधिनियम 49 के निम्नलिखित अधिनियम को विनियोजित किया जाएगा।

49. **शोध प्रबन्ध पर प्रस्तुत किया जाना :** तीन वर्षों के शोध अध्ययन के उपरान्त शोधकर्ता का संस्थान के समक्ष तीन प्रतियों में अपने शोध प्रबन्ध को प्रस्तुत करना होगा। इस समय शोधकर्ता के शोध निर्देशक का एक प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है जिसके द्वारा यह प्रमाणित किया जाये कि शोधकर्ता ने शोध निर्देशक के अन्तर्गत मन्तव्यप्रद तरीके से शोध कार्य किया

है। शोधकर्ता को शोध मूल्यांकन शुल्क के रूप में 200/- रु. जमा भी कराने पड़ेंगे।

(19) वर्तमान अधिनियम 50 के निम्नलिखित अधिनियम से विनियोजित किया जाएगा।

50. **शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं परिणाम की घोषणा:—**

परीक्षा समिति तीन स्वतंत्र परीक्षकों से मूल्यांकन कार्य निष्पादित करवायेगी जिसमें एक शोधकर्ता के शोध प्रबन्धक भी होंगे एवं मूल्यांकन हेतु एक मौखिक परीक्षा आयोजन भी होगा। पूर्ण अंक 2000 होंगे। जो अभ्यर्थी पूर्णांक का 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करेंगे उन्हें सफल घोषित किया जाएगा। एवं उन्हें अपने नाम के आगे आर ई एस एम. ए शब्दों को लिखने की अनुमति होगी। मौखिक परीक्षा का परिणाम संस्थान की पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा।

(20) वर्तमान अधिनियम 51 के निम्नलिखित अधिनियम के विनियोजित किया जाएगा।

51. **उत्तीर्ण प्रमाणपत्र एवं पदनाम अक्षर :**

उत्तीर्ण अभ्यर्थी को प्रारूप पत्र "ज" में एक प्रमाण पत्र दिया जायेगा। ऐसे अभ्यर्थी पदनाम अक्षर आर ई एस एम ए का उपयोग अपने नाम के साथ कर सकेंगे।

(ब) अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी द्वारा शोध प्रबन्ध का पुनः प्रस्तुत किया जाना :

अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी द्वारा अपने शोध निर्देशक के सभावेदों के अनुसार अपने शोध प्रबन्ध के आवश्यक सुधार करने के उपरान्त अपने शोध प्रबन्ध को पुनर्मूल्यांकन हेतु दूसरी बार प्रस्तुत किया जा चुका है। पुनर्परीक्षित शोध-प्रबन्ध के अधिनियम 50 के अन्तर्गत पुनर्मूल्यांकन किया जायेगा। अभ्यर्थी को पुनः स्वतंत्र रूप से अलग तीन वर्षों तक शोध कार्य करने की आवश्यकता नहीं रहेगी, किन्तु उसे परीक्षा शुल्क 200/- रु. पुनः जमा करने पड़ेंगे। आर पुनर्मूल्यांकन के दौरान शोध प्रबन्धन पुनः अम्यीकृत कर दिया जाता है तो अभ्यर्थी को शोध कार्यक्रम में नवीन रूप से अपने को पंजीकृत कराना पड़ेगा एवं तीन वर्षों तक पुनः शोध करना पड़ेगा।

एम. एम. चटर्जी
सचिव

प्रशिक्षण एवं शिक्षण (डॉ. एफ. समिति)

उपरोक्त संशोधनों संबंधित व्याख्यात्मक टिप्पणी

अधिसूचना संख्या सी० डब्ल्यू० आर० (1)/90 दिनांक 23 मई 1990 में प्रस्तावित संशोधनों हेतु निम्नलिखित व्याख्या दी जा रही है। इस व्याख्या का उद्देश्य प्रस्तावित संशोधनों में परिषद् की विचारधारा को स्पष्ट करना है और इसे किसी भी प्रकार से इन संशोधनों के प्रभावों को किसी भी समय विस्तार करने से सीमित करना नहीं समझना चाहिए।

संस्थान की परिषद् का ध्यान संस्थान द्वारा ली जाने वाली परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों में सुधार की ओर हमेशा रहा है। ऐसे पुनर्विचार के मुख्य कारण ये रहे हैं:—

- (1) इंटरमीडिएट एवं अंतिम परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों के विभिन्न वर्गों के बीच का उन्मूलन
- (2) बदलती हुई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम का पुनर्विन्यास ताकि प्रत्येक विषय के उद्देश्य एवं इच्छानुकूल ज्ञानात्मक स्तर का स्पष्टीकरण किया जा सके।
- (3) व्यवसाय में नवागन्तुक के ज्ञानात्मक सुधार एवं कौशलों में सुधार किया जा सके।
- (4) समस्याओं के हल किए जाने में ज्यादा परिभाषात्मक दिशा निर्देश किया जाना ताकि उनका ज्यादा उपयोग किया जा सके एवं सांख्यिकी पद्धति का ज्यादा उपयोग किए जाने पर जोर।
- (5) तथा (6) विषयवस्तु को ज्यादा प्रबन्धन दिशा की ओर मोड़ा जा सके।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्थान की परिषद् नए पाठ्यक्रम को लागू करना चाहती है। इसके साथ ही साथ वह इतना लचीला भी पाठ्यक्रम में रखना चाहती है ताकि वर्तमान छात्रों को जो नवीन पाठ्यक्रम को लेना चाहें उनके वर्तमान पाठ्यक्रम के अनुसार विभिन्न वर्गों या विषयों में परीक्षा में प्राप्त सफलता के अनुसार उन वर्गों या विषयों में छूट मिल सके।

वर्तमान प्रावधानों को अद्यतन बनाने का प्रयास एवं अनावश्यक एवं बेकार प्रावधानों को हटाने का भी पूर्ण ध्यान रखा गया है।

पद 3 व 4—शुल्क पाठ्यक्रम एवं फाउन्डेशन पाठ्यक्रम में उत्तीर्णता मानक तथा अन्य सम्बन्धित निर्गम

पद 5 व 6—वर्तमान अधिनियमों की आवश्यक परिवर्तनों के साथ पुनर्विन्यास

पद 7—पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अनुसार परिषद् ने यह निर्णय लिया है कि किसी भी अभ्यर्थी को इंटरमीडिएट परीक्षा के द्वितीय चरण में तभी बैठने दिया जाएगा जब वह प्रथम चरण की परीक्षा उत्तीर्ण कर ले किन्तु कोई भी अभ्यर्थी चरण एक एवं द्वितीय में एक ही बार में परीक्षा दे सकता है।

पद 8—पुराने पाठ्यक्रम से पुनरीक्षित पाठ्यक्रम में जाने हेतु परिषद् ने निम्नलिखित निर्णय किया है।

- (1) पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथम इंटरमीडिएट परीक्षा दिसम्बर 1991 में ली जाएगी। वर्तमान पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अंतिम इंटरमीडिएट एवं परीक्षा, 1993 में सम्पादित की जायेगी। अर्थात् दिसम्बर, 1991 से दिसम्बर, 1993 तक चार बार परीक्षाएं साथ-साथ दोनों ही पुरानी एवं पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अनुसार ली जाएंगी।
- (2) जुलाई, 1991 के पश्चात् नामांकित छात्रों को नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार इंटरमीडिएट परीक्षा में बैठना होगा। 1991 के पूर्व नामांकित छात्रों को भी यदि वे चाहें तो इंटरमीडिएट परीक्षा हेतु पुनरीक्षित पाठ्यक्रमों की अनुमति दी जायेगी। दिसम्बर, 1993 के उपरान्त सभी अभ्यर्थी पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर ही परीक्षा में बैठेंगे।

पद 9—परिषद् ने अपने समान ही अन्य व्यावसायिक संस्थानों के पाठ्यक्रमों के आधार पर किसी प्रकार की छूट का निर्णय नहीं लिया है। जब भी परिषद् इस संबंध में निर्णय लेगा इसे अलग से सूचित कर दिया जाएगा।

पद 10—परिषद् ने यह निर्णय लिया है कि किसी भी अभ्यर्थी को अंतिम परीक्षा के चतुर्थ चरण में तब तक अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक वह तृतीय चरण की परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो जाता है। किन्तु अभ्यर्थी तृतीय एवं चतुर्थ चरण की परीक्षा एक ही बार में दे सकता है।

पद 11—परिषद् को अंतिम परीक्षा के वर्तमान पाठ्यक्रम के स्थान पर पुनरीक्षित पाठ्यक्रम को लागू किए जाने हेतु निम्नलिखित निर्णय लिया है।

(अ) पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर पहली अंतिम परीक्षा दिसम्बर, 1991 में ली जाएगी वर्तमान पाठ्यक्रम के आधार पर अंतिम परीक्षा जून, 1993 में ली जाएगी।

(ब) जो विद्यार्थी वर्तमान या पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर इंटरमीडिएट परीक्षा जून, 1991 में उत्तीर्ण दोनों उन्हें अंतिम परीक्षा पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर ही देनी पड़ेगी। जून, 1991 के पूर्व इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र यदि चाहें तो यह विकल्प दे सकते हैं कि वे पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर अंतिम परीक्षा देंगे ऐसा विकल्प दिए जाने पर उन्हें पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर ही अंतिम परीक्षा देनी होगी।

पद 12—परिषद् ने उत्तीर्ण मानक में सुधार का निर्णय लिया है। वर्तमान पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र में 35 प्रतिशत उत्तीर्ण माना जाएगा जब कि पुनरीक्षित पाठ्यक्रम में इसे 40 प्रतिशत का कर दिया गया है।

पद 13—परिषद् ने वर्तमान स्थिति में से XX प्रबन्धन के लेखा शास्त्र परीक्षा (जो आंशिक रूप से लिखित एवं मौखिक रूप से शोध प्रबन्ध पर आधारित है) के स्थान पर सिर्फ शोध प्रबन्ध एवं तत्संबंधी मौखिक परीक्षा के आधार पर ही पञ्च सदस्यता योग्यता दिए जाने का निर्णय लिया है। यह भी प्रस्तावित किया गया है कि इस पञ्च सदस्यता योग्यता का वर्णन हेतु पदनाम अक्षर “आर ई एस एम” का उपयोग वर्तमान पदनाम अक्षर डिप एम ए का उपयोग किया जाएगा।

एस० एम० चटर्जी,

सचिव

प्रशिक्षण एवं शिक्षण (ई० एफ०) समिति

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1990

सं० यू०-16/53/89-चि०-2 (म० प्र०)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश सं० 1024 (जी) दिनांक 23 मई, 1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर, मैं इसके द्वारा रायगढ़ (म० प्र०) के डा० आर० सी० वर्मा को कार्यभार ग्रहण करने से एक वर्ष तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्वेशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, 400/- रुपये मासिक (दो सत्र प्रति सप्ताह) पारिश्रमिक पर बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने लिए प्राधिकृत करता हूँ।

डा० कृष्ण मोहन सक्सेना,
चिकित्सा आयुक्त

अधीनस्थ कार्यालय (कर्मचारी)

सं० 53 बी० 34. 13.9.90 हितलाय-2—एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों से युक्त

मैसूर क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन क० रा० बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-अ के अन्तर्गत अधिसूचना की तारीख 31-7-90 से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है।

स्थानीय समिति—मैसूर क्षेत्र

1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार
सहायक श्रम आयुक्त,
मैसूर। अध्यक्ष
2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार
श्रम अधिकारी (सुलह) कन्सलिएशन)
मैसूर। सदस्य
3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी/
अधीक्षक, क० रा० बी० औषधालय,
मैसूर। सदस्य
4. विनियम 10-अ (1) (घ) के अनुसार
 - क. श्री एन० सी० एम० शास्त्री,
वैयक्तिक प्रबंधक,
बी० ई० एम० एल०,
मैसूर। सदस्य
 - ख. श्री पी० ज्योतिर्लिंग गौडा,
प्रबंधक (औद्योगिक संबंध),
मेसर्स विष्णोत टायर लिमिटेड,
क० आर० एस० रोड,
मेटगल्लि,
मैसूर। सदस्य
 - ग. श्री एच० एम० स्वामी गौडा,
कनिष्ठ अधिकारी (पी० एण्ड ए०),
मेसर्स मोरुका एल्यूमिनियम लिमिटेड,
सं० 1, क० आर० एम० रोड,
मेटगल्लि,
मैसूर। सदस्य
5. विनियम 10-अ (1) (ङ) के अनुसार
 - क. श्री आर० मोहन कुमार,
सचिव, सी० आई० टी० यू०,
सहमी बिल्डिंग,
टाऊन हाल के सामने,
मैसूर। सदस्य

ख. श्री एस० बी० रमेश राव, सहायक, मेसर्स मण्ड्या नेशनल पेपर मिल्स स्टाफ यूनियन, बेलगोला।	सदस्य	ग. श्री के० बी० एन्टोनी, प्रबंधक, वर्कर्स अफेयर्स, बी० ई० एम० एल० के० जी० एफ०	सदस्य
ग. श्री चन्द्रया, महासचिव, भारतीय मजदूर संघ, कल्याण भवन, त्यागराज रोड, मैसूर।	सदस्य	5. विनियम 10-अ (1) (ङ) के अनुसार क. श्री सी० वेणुगोपालन, अध्यक्ष, बी-343-05832, टाइट-II सं० 455, बी० ई० एम० एल० नगर पोस्ट, के० जी० एफ०	सदस्य
6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार प्रबंधक स्थानीय कार्यालय, क० रा० बी० निगम, मैसूर (बी० बी० मोहल्ला)।	सदस्य/सचिव	ख. श्री एस० जामोहरन, उप-अध्यक्ष-II, बी-433, 10333, सं० 397, टाइट-II, बी० ई० एम० एल० नगर पोस्ट, के० जी० एफ०	सदस्य
सं० 53. बी० 34. 13-9-90 हितलाभ-2:— एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों से युक्त के० जी० एफ० क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुन- गठन क० रा० बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-अ के अंतर्गत अधिसूचना की तारीख 31-7-90 से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है।		ग. श्री डी० नागराजन, महासचिव बी-432-06187, बी० ई० एम० एल० नगर पोस्ट, के० जी० एफ०	सदस्य
स्थानीय समिति - के० जी० एफ० क्षेत्र		6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार प्रबंधक, स्थानीय कार्यालय, क० रा० बी० निगम, के० जी० एफ०	सदस्य/सचिव
1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार उप श्रम आयुक्त, क्षेत्र -2, बेंगलूर।	अध्यक्ष	सं० 53. बी० 34. 13-9-90 हितलाभ -2:— एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों से युक्त नंजनगूड क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन क० रा० बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-अ के अंतर्गत अधिसूचना की तारीख 31-7-90 से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है।	
2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार श्रम अधिकारी, कोलार।	सदस्य	स्थानीय समिति - नंजनगूड क्षेत्र	
3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार बीमा चिकित्सा अधिकारी, क० रा० बी० औषधालय, बी० ई० एम० एल० नगर, के० जी० एफ०	सदस्य	1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार सहायक श्रम आयुक्त, मैसूर।	अध्यक्ष
4. विनियम 10-अ (1) (घ) के अनुसार क. श्री गोपाल राव, सहायक महाप्रबंधक, (पी० ए० एण्ड आई० आर०), बी० ई० एम० एल०, के० जी० एफ०	सदस्य	2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार श्रम अधिकारी, मैसूर।	सदस्य
ख. श्री जे० ए० के० तरीन, वरिष्ठ प्रबंधक (पी० एण्ड आई० आर०) बी० ई० एम० एल० नगर, के० जी० एफ०	सदस्य	3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार बीमा चिकित्सा अधिकारी, नंजनगूड।	सदस्य

4. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार		2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार	
क. श्री मुहमद सलीमद्दीन अहमद, सदस्य वैयक्तिक प्रबंधक, मेसर्स करीम कासकेमि लिमिटेड, नंजनगूड ।		श्रम अधिकारी, दक्षिण कन्नड, द० क० उप-विभाग-I, मंगलूर ।	सदस्य
ख. श्री बी० बी० बालसुब्रमण्यम, सदस्य निदेशक/सचिव, मेसर्स सव् विद्याशाला लिमिटेड, नंजनगूड ।		3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी / अधीक्षक, क० रा० बी० औषधालय, मंगलूर ।	सदस्य
ग. श्री एच० एन० वसंतकुमार, सदस्य वैयक्तिक प्रबंधक, मेसर्स दि साऊथ इण्डिया पेपर मिल्स लिमिटेड, नंजनगूड ।		4. विनियम 10-अ (1) (घ) के अनुसार क. श्री के० शशिधर राव, वकील एवं श्रम कानून सलाहकार, के० एस० राव रोड, मंगलूर ।	सदस्य
5. विनियम 10-अ (1) (ङ) के अनुसार क. श्री मुहमद अकबर, सदस्य सचिव, दि सौत इण्डिया पेपर मिल्स एम्प्लॉईस यूनियन, नंजनगूड ।		ख. श्री लूईस मामकारीस, श्रम कल्याण अधिकारी, के० एस० आर० टी० सी०, मंगलूर प्रभाग ।	सदस्य
ख. श्री मुहमद हबीबे, सदस्य सचिव, सव् विद्याशाला प्राईवेट लिमिटेड वर्कर्स यूनियन, नंजनगूड ।		ग. श्री एन. सोमन, महाप्रबंधक (लेखा) लामिना सर्पेशन प्राइवेट (प्रा०) लिमिटेड, बैकम्पाडी, मंगलूर ।	सदस्य
ग. श्री एच० गोन्सलव्स, ट्रेड यूनियनिस्ट, सं० 93, 8वां फ़्लास, शिवाजी रोड, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर-7 ।		5. विनियम 10-अ (1) (ङ) के अनुसार क. श्री के० शेम्बुशेट्टी, उप-अध्यक्ष, बी० एम० एस०, मंगलूर ।	सदस्य
6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार प्रबंधक, स्थानीय कार्यालय, क० रा० बी० निगम, नंजनगूड ।	सदस्य/सचिव	ख. श्री के० मूसभा, अध्यक्ष, इन्टक, मंगलूर ।	सदस्य
		ग. श्री रवीन्द्र नायक, ई० सी० मेम्बर, इन्टक, मंगलूर ।	सदस्य

सं० 53. बी० 34. 13-9-90 हितलाभ-2 :—
एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों से युक्त मंगलूर क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन क० रा० बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-अ के अंतर्गत अधिसूचना की तारीख 31-7-90 से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है ।

स्थानीय समिति — मंगलूर क्षेत्र

1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार
सहायक श्रम आयुक्त,
मंगलूर ।

अध्यक्ष

6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार
प्रबंधक,
स्थानीय कार्यालय,
क० रा० बी० निगम,
मंगलूर ।

सदस्य/सचिव

दिनांक 31-7-90

आदेशानुसार

जी० अप्पन्ना राव,
क्षेत्रीय निदेशक

संचार मंत्रालय

डाक विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अगस्त, 1990
 सं० 25-9/90-एल० आई०—विभाग की अभिरक्षा
 से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के
 बारे में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान
 रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता
 को बीमाकर्त्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के
 लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को चेतावनी
 दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन
 न करें।

क्र०सं० पालिसी सं०	दिनांक	बीमाकर्त्ताओं राशि(रु०) का नाम
1. एन डबल्यू/ 7745-सी० ए० 58	4-9-86	श्री मुदामा 10,000/- रामपाल

सं० 25-20/90-एल० आई०—विभाग की अभिरक्षा
 से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के
 बारे में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान
 रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता
 को बीमाकर्त्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए
 प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को चेतावनी दी
 जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०सं० पालिसी सं०	दिनांक	बीमाकर्त्ताओं का नाम	राशि (रु०)
1. 494465-सी	7-1-84	श्रीमती डी० सी० महाजन	20,00
2. 4006676-पी	1-3-80	श्रीमती बी० एस० बाबुर	10,000
3. 399220-पी	29-1-80	श्री के० बी० शालुके	10,000

पी० गोपीनाथ,
 निदेशक (पी० एल० आई०)

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई, 1990

सं० एग०आर०ओ०ज० सी०बी०/3/26/575/सी०—भारत
 सरकार के रक्षा मंत्रालय सं० एस०आर० ओ० नं० 310, दिनांक
 13 अगस्त, 1955 की विज्ञप्ति में प्रकाशित उपनियमों के

स्थान पर, कैंट बोर्ड जालन्धर छावनी द्वारा ठेकेदारों के कार्यों
 के वर्गीकरण तथा पंजीकरण को व्यवस्थित करने के लिए
 बनाए गए उपनियमों के प्रारूप जो कि कैंट बोर्ड विज्ञप्ति
 नं० जे० सी० बी०/3/26/2938/सी, दिनांक 8 नवम्बर 1989
 में 7 दिसम्बर 1989 तक आपत्तियां तथा सुझाव आमंत्रित
 करने हेतु कैंटोनमेंट अधिनियम 1924 की धारा 284 के
 अधीन तथा अपेक्षित प्रकाशित किए गए थे। और जबकि उक्त
 विज्ञप्ति को 8 नवम्बर 1989 को कैंटोनमेंट बोर्ड के
 सूचनापट पर लगाया गया। और जैसाकि, जनता की ओर से,
 निश्चित तिथि पर्यन्त कोई भी आपत्ति या सुझाव कैंट बोर्ड
 को प्राप्त नहीं हुए। और जैसाकि केन्द्र सरकार ने उक्त
 अधिनियम की उक्त धारा 284 की उपधारा (1) के अधीन,
 उक्त प्रारूप को योग्य स्वीकृति तथा पुष्टि प्रदान की है।

इसलिए अब, उक्त अधिनियम की धारा 284 की उप-
 धारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, कैंट
 बोर्ड निम्नलिखित उपनियमों अर्थात् संक्षिप्त नाम तथा आरम्भ
 का निर्माण करता है :—

1. (1) इन उपनियमों को "जालन्धर कैंटोनमेंट बोर्ड
 (ठेकेदारों का पंजीकरण तथा वर्गीकरण) उपनियम
 1990" कहा जाए।

(2) ये उपनियम सरकारी गजट में प्रकाशित होने की
 तिथि से प्रभावी माने जाएंगे।

2. ठेकेदारों का पंजीकरण :—किसी भी व्यक्ति को
 कैंटोनमेंट बोर्ड जालन्धर में मंजूरशुदा ठेकेदार के रूप में
 अब तक पंजीकृत नहीं किया जाएगा, जब तक कि :—

(1) अधिशासी अधिकारी, कैंट बोर्ड की स्वीकृति से,
 इन उपनियमों के अंतर्गत उसे आज्ञापन प्रदान न
 करे,

(2) ऐसा व्यक्ति उपनियम 6 में उल्लिखित, पंजीकरण
 शुल्क अदा न करे,

3. निविदा के लिए योग्यता :—कोई भी व्यक्ति कैंट
 बोर्ड के कार्य के संबंध में निविदा देने के योग्य नहीं होगा
 जब तक कि वह इन उपनियमों के अधीन पंजीकृत ठेकेदार
 न हो और जब तक उसका नाम बोर्ड की मंजूरशुदा ठेकेदारों
 की सूची में दर्ज न हो।

4. ठेकेदारों की श्रेणियां :—इन उपनियमों के अधीन
 निम्नलिखित चार श्रेणियों के ठेकेदारों का पंजीकरण होगा।

श्रेणी "ए"—भवन निर्माण, सड़कें, नालियां तथा रख-रखाव
 इत्यादि के ठेकेदार।

श्रेणी "बी"—पभी प्रकार के भण्डारों के जैसा कि विविध
 वस्तुएं, विद्युत की सामग्री, जल आपूर्ति संबंधी सामग्री, भवन
 निर्माण सामग्री, अभियंत्रिक सामान के ठेकेदार।

श्रेणी "सी"—मुद्रण, स्टेशनरी तथा कपड़ों की सिलाई के
 ठेकेदार।

श्रेणी "डी"—कपड़ों के धुलाई के ठेकेदार।

5. आवेदन पत्र—कोई भी व्यक्ति जो बोर्ड का मान्यता प्राप्त ठेकेदार होना चाहता है वह इन उपनियमों के अनुबद्धित फार्म में आवेदन करेगा।

6. (1) पंजीकरण शुल्क :—पंजीकरण शुल्क तथा नवीनीकरण शुल्क, ठेकेदारों की इन श्रेणियों के लिए निम्न प्रकार से होगा :—

श्रेणी "ए"—पंजीकरण शुल्क 2000 रु० न लौटाया जाने वाला राशि तथा नवीनीकरण शुल्क 1000 रु० प्रति वर्ष।

श्रेणी "बी"—पंजीकरण शुल्क 1000 रु० न लौटाया जाने वाला तथा नवीनीकरण शुल्क 500 रु० प्रति वर्ष।

श्रेणी "सी"—पंजीकरण शुल्क 500 रु० न लौटाया जाने वाला तथा नवीनीकरण शुल्क 250 रु० प्रति वर्ष।

श्रेणी "डी"—पंजीकरण शुल्क 25 रु० न लौटाया जाने वाला तथा नवीनीकरण शुल्क 15 रु० प्रति वर्ष।

(2) यदि पंजीकरण का एक वर्ष के भीतर नवीनीकरण न हुआ तो ठेकेदार को अपने आप को आम पंजीकरण शुल्क देकर, फिर से पंजीकरण कराना होगा।

7. बयाना तथा जमानत (1) "ए" श्रेणी का ठेकेदार ठेके के मूल्य का दो प्रतिशत निविदा के समय बयाने के रूप में नकद जमा करवाएगा। बिना बयाने के निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक ठेकेदार को निविदा की राशि के 10 प्रतिशत के बराबर राशि नकद या एफ० डी० आर० की शर्त में जमानत के तौर पर, छावनी अधिशासी अधिकारी के पास गिरवी रखेगा, यदि हाथ में लिए विकास कार्य का मूल्य 2 लाख रुपए से अधिक होगा। यदि हाथ में लिया गया विकास कार्य 2 लाख रु० से कम का होगा तो जमानत राशि निविदा मूल्य का 5 प्रतिशत के हिसाब से नकद या एफ० डी० आर० के रूप में छावनी अधिशासी अधिकारी के पास गिरवी रखनी होगी। कार्य के पूरा होने से एक साल तक जमानत राशि नहीं लौटाई जाएगी।

(2) बी०, सी०, एवं डी० श्रेणी के ठेकेदारों को क्रमशः 2000 रु०, 1000 रु० तथा 100 रु० नकद या एफ० डी० आर० के रूप में निविदा भरते समय छावनी अधिशासी अधिकारी के पास जमानत के रूप में गिरवी रखने होंगे जोकि सफल निविदाकार के अनिवार्य अन्य निविदा देने वालों को लौटा दिए जाएंगे। जमानत राशि एक साल के बाद या वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर, लौटा दी जाएगी। निविदा भरते समय बी० सी० तथा डी० श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों को कोई अलग बयाना नहीं देना होगा।

फार्म

(उपनियम 5, देखें)

ठेके के लिए पंजीकरण तथा आज्ञा-पत्र के लिए प्रार्थना पत्र

मैं/हम, जालन्धर केन्टोनमेंट बोर्ड में, निम्न श्रेणियों के कार्यों में हस्तगत करने के लिए, ठेकेदारों की सूची में पंजीकरण का के इच्छुक हैं।

4—209GI/90

श्रेणी "ए" भवन निर्माण, सड़कें, तकिया तथा रख-रखाव के ठेकेदार।

श्रेणी "बी" सभी प्रकार के सड़कें, उदाहरण के लिए विविध गामान, विद्युत सामग्री, जल आपूर्ति सामग्री, भवन निर्माण सामग्री तथा अभियांत्रिक सामग्री इत्यादि के ठेकेदार।

श्रेणी "सी": मृदा तथा स्टेशनरी तथा कपड़े मिलाई इत्यादि के ठेकेदार।

श्रेणी "डी" कपड़ों की धुलाई के ठेकेदार।

(जो लागू न हो उसे काट दें)

मेरी/हमारी क्षमताएं तथा साधनों का विवरण इस प्रकार है :—

1. ठेकेदार का व्योरा

- (1) नाम (मालिक/मालीदार)
- (2) पत्र व्यवहार के लिए पता
- (3) पकता पता

2. सम्पत्ति का व्योरा

- (1) चल (चैक का प्रमाण संलग्न करें)
- (2) अचल (डिप्टी कमिश्नर/कलक्टर अथवा मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी का प्रमाण पत्र संलग्न करें)

3. अनुभव का व्योरा कार्यविधि का पूर्ण कार्य

नोट :—(कार्य, मूल्य, स्थान और कब सम्पन्न किया गया दिनांक हुए कार्यों की सूची नत्थी करें)

4. ठेकेदार के अदारे का व्योरा

- (1) संगठन
- (2) मुख्यालय
- (3) स्थानीय कार्यालय
- (4) कार्यालया
- (5) संयंत्र
- (6) वाहन
- (7) दूरभाष नं०
- (8) दूरभाष पता

(ए) मुख्तारनामा प्राप्त व्यक्ति का व्योरा

(बी) बैंक का नाम

(सी) उन सभी सम्पत्तियों, अस्तरों, व्यक्तियों के समुदायों का व्योरा जिनमें आवेदक वस्तुतः व्यक्तिगत, अथवा अमानती तौर पर रुचि रखता हो।

5. निरीक्षण कर्मचारियों का व्योरा

- (1) क्या आप स्वयं निरीक्षण करते हैं
- (2) निरीक्षण कर्मचारी की नियुक्ति

(ए) नाम

(बी) पकता पता

(सी) योग्यताएं

- (डी) कार्य
(ई) शक्तियाँ

6. आयकर

(आयकर अदायगी प्रमाण-पत्र संलग्न परफार्मा में आवेदन के साथ नत्थी किया जाए)

7. कौन्ट बोर्ड के पंजीकृत ठेकेदारों, सदस्यों और कौन्ट बोर्ड के कर्मचारियों के साथ सम्बन्ध

- (1) संबंधित आदारों के नाम
(2) सम्बन्ध का प्रकार
(3) उसके/उनके पंजीकरण का न्यौरा

8. अतिरिक्त अनुसूचीकरण का विस्तृत न्यौरा

(ए) यदि आप इस समय किसी सरकारी विभाग, स्थानीय शासन इत्यादि में ठेकेदार के रूप में अनुसूचित हैं, तो संदर्भ दें।

(बी) यदि आप अनुसूचीकरण के पश्चात कभी सूची में से खारिज या निविदा से वंचित या अपराधियों की सूची में, किए गए हैं लिखें।

9. मैं/हम कौन्ट बोर्ड की ठेकेदारों की सूची में मेरा/हमारा नाम दर्ज करने के आवेदन को स्वीकार करने वाले अधिकारी के पास ऊपर लिखे तथ्यों में किसी भी प्रकार के परिवर्तन के विषय में यदि और जब भी, वे उत्पन्न हों, सूचित करने और इन तथ्यों को प्रतिवर्ष प्रथम जनवरी को अनु-मोदित तथा प्रमाणित करने का वचन देता हूँ।

10. मैं/हम भूमि/समझते स्वीकार करता/करते हूँ/हैं कि योग्य कौन्ट बोर्ड अधिकरण को, जैसा भी वह निर्णय ले, निविदा फार्म किसी विशेष स्थिति में न देने, मेरा/हमारा नाम कौन्ट बोर्ड के ठेकेदारों की सूची में निलम्बित, खारिज करने अथवा अपराधी सूची में रखने का अधिकार है, यदि मैं/हम अवैध-निविदा प्रस्तुत करें या विषयक अथवा कोई दूसरा अपराध करें जिसके विषय में योग्य कौन्ट बोर्ड अधिकरण का निर्णय अंतिम तथा स्वीकार्य होगा।

11. मैं/हम प्रमाणित करता/करते हूँ/हैं कि ऊपर दिए तथ्य सही हैं और यदि ऐसा पाया जाए कि मैं/हमने झूठा प्रमाण पत्र दिया है या यदि मैं/हम अपने बाध में किसी अन्य ठेकेदार या फर्म में विलय के तथ्य की सूचना देने में असमर्थ रहा/रहे, तो मेरा/हमारा नाम कौन्टोनमेन्ट बोर्ड के ठेकेदारों की सूची से निकाल दिया जाएगा और उस समय कोई ठेका यदि मेरे/हमारे पास होगा तो उसे रद्द कर दिया जाएगा।

12. मैं/हम वचन देते हैं कि प्रत्यक्ष या पराक्ष रूप में किसी सरकारी या स्थानीय शासन की नौकरी से निकाले गए व्यक्ति को अपने व्यवसाय में काम नहीं दूंगा।

13. मैं/हम मानते हैं कि कौन्टोनमेन्ट बोर्ड के ठेकेदार के रूप में पंजीकरण में कौन्टोनमेन्ट बोर्ड के कार्यों में निविदा देने का अधिकार निहित नहीं है।

14. मैं/हम कौन्टोनमेन्ट बोर्ड जालन्धर के पक्ष में योग्य मूल्य के न्यायेतर मुद्रांक पत्र पर, समझौता दस्तावेज खरड़ा के अनुसार जिसे मैंने/हमने पढ़ लिया है और समझ लिया है, निश्चित समय के भीतर, निष्पादन करने का किसी भी कार्य के लिए, जिसके लिए कौन्टोनमेन्ट बोर्ड द्वारा निविदा स्वीकार की गई हो, समझौता दस्तावेज निष्पादित करने का वचन देता हूँ। दस्तावेज का खर्च, मुद्रक शुल्क सहित, यदि कोई हो, मैं/हम दूँगे।

ठेकेदार के हस्ताक्षर

नत्थी एक परफार्मा

दिनांक-----

केवल कौन्टोनमेन्ट बोर्ड कार्यालय के प्रयोगार्थ

(पंजीकरण अधिकारी द्वारा समुचित ढंग से भरने हेतु)

सर्वश्री/श्री-----का पंजीकरण कौन्टोनमेन्ट बोर्ड के ठेकेदार के रूप में-----के लिए, कौन्टोनमेन्ट बोर्ड जालन्धर छावनी में वर्ष-----के लिए, किया जाता है। उनका/उसका पंजीकरण क्रमांक-----/19-----है दिनांक-----

हस्ताक्षर
पत्र

आयकर अदायगी प्रमाण-पत्र

1. कम्पनी आदारा, व्यक्तिगत अथवा हिन्दु अविभाजित परिवार का नाम तथा प्रकार जिसमें प्रार्थी का कर निर्धारण होता है तथा कर निर्धारण हेतु पता।

2. कम्पनियों, फर्मों, व्यक्तियों और समुदायों के नाम तथा पते जिनमें प्रार्थी वस्तुतः व्यक्तिगत या अमानती रूप में, रुचि रखता है।

3. आयकर मंडल/बार्ड/जिला, जिसमें प्रार्थी का आयकर निर्धारण होता है तथा सामान्य आयकर पंजीकरण क्रमांक।

4. गत चार वर्षों के लिए आयकर निर्धारण संबंधी, निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत किए जाएं:—

(ए) गत चार लेखा वर्षों में प्राप्त की गई कुल ठेका राशि (वर्षान्त की तिथि दीजिए)

(बी)	वर्ष	कुल कर निर्धारण	मांगा गया कर	दिया गया कर	शेष देय
	1	2	3	4	5

नोट: 1 क्रमांक 3 तथा 4 में लिखित कर में आय-कर, बिन्धी-कर प्रभार, अतिरिक्त लाभ व्यवसाय लाभ कर आदि सभी मदें सम्मिलित की जाएं।

(सी) यदि किसी वर्ष में आयकर निर्धारण न हो

क्या धारा 22(1) या 22(2) के अन्तर्गत आयकर विवरण भेजे गए या अधिनियम की धारा 18ए (3) के अन्तर्गत अधिम आयकर दिया गया, यदि हाँ तो प्रतिवर्ष की आय तथा ऊपर दिए गए चारों वर्षों का कर एवं आयकर मंडल/वार्ड/जिला जहाँ आयकर विवरण प्रस्तुत किया गया, का व्यौरा कारण सहित दिया जाए।

(डी) क्या बकाया अदायगी सम्बन्धी कोई कार्रवाई विचाराधीन पड़ी है।

(इ) शाखाओं, यदि कोई हों के नाम तथा पते।

मैं यह घोषणा करता हूँ कि मेरे विश्वास तथा ज्ञान अनुसार ऊपर दी गई सूचना ठीक तथा पूर्ण है।

ठेकेदार के हस्ताक्षर

पंजीकरण संख्या

पता

निधि

मेरे विचार में ऊपर लिखित करदाता यथा सम्भव शीघ्र तथा निश्चित रूप में कर मांग की अदायगी के लिए तथा विचारधारा कार्रवाई की पूर्ति को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयत्नशील रहा है प्रयत्नशील नहीं रहा है।

आयकर अधिकारी के हस्ताक्षर

तिथि तथा ठप्पा

मण्डल/वार्ड/जिला

आवेदक को, आयकर भुगतान संबंधी दो प्रतियाँ आयकर अधिकारी के समक्ष देनी होंगी, इनमें से एक प्रति पूरी भरनी होगी तथा दूसरी प्रति 4 ए से 4 ई को छोड़कर भरनी होगी। यह दूसरी प्रति आगे संबंधित प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के लिए आयकर अधिकारी द्वारा प्रमाणित की जाएगी।

आर० एस० बीमा

छावनी अधिशासी अधिकारी

जालन्धर छावनी

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 जुलाई 1990

शुद्धि पत्र

पी-IV/1 (2)/ 87/आर० आर०, दिनांक 09-6-90 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खंड-4 में प्रकाशित अधिसूचना सं० पी०-IV/ (2)/ 87/आर० आर० में,

(i) पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान से संबंधित नियम 3 में शब्द "संलग्न वेतनमान" के बाद शब्द "इन" जोड़े।

(ii) अनुसूची में, पद का नाम से संबंधित कालम (1) के अन्तर्गत, "वरिष्ठ" के बाद शब्द "लेखाकार" जोड़े।

दिनांक 31 जुलाई 1990

शुद्धि पत्र

पी०-IV/ 1 (9)/ 89, दिनांक 16-6-90 को भारत के राजपत्र भाग-III, खंड-4 में प्रकाशित, अधिसूचना संख्या पी-IV/ 1 (9)/ 89 में,

(i) अधिसूचना जारी करने की तिथि 31 मई, 1990 के स्थान पर तिथि 07-05-90" पढ़ें।

(ii) नियम 2 के उप-नियम (क) में शब्द "क्रम सं० 1 ए" के स्थान पर शब्द "क्रम सं० 11 ए" पढ़ें।

(iii) पाद टिप्पणी अन्तर्गत,

(क) क्रम सं० 27 में शब्द "खंड-4" के बाद शब्द "में" जोड़ें।

(ख) क्रम सं० 29 में "अधिसूचना सं० पी०-4/ 14 (1)/51/ भाग" के स्थान पर "अधिसूचना सं० पी/IV/ 14 (1)/ 81/भाग" पढ़ें।

(ग) क्रम सं० 31 में शब्द भाग के बाद "III" जोड़ें।

दिनांक 01 अगस्त 1990

क्र० सं० के० भ० नि० आ०/1 (4) वैस्ट बंगाल (159)/ 90- केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत दस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	डब्ल्यू०बी०/ 25936	मै० जे०पी० इंजीनियरिंग कारपोरेशन (प्रा०) लि०, 37, स्ट्राइ रोड, कलकत्ता-700001 और इसका सेल्स आफिस मालान्बा 4-ए, लाखा लाजपत राय सारणी, कलकत्ता-700020	1-11-1988

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना पर उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई हैं।

सं० के० भ० नि० आ०/ 1 (4)/ कर्नाटक/ (160)/90— केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि

और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	के०एन०/ 13339	मै० जे० बी० एंटरप्राईज, सं० 53, एंक्सवियर ले आउट, बंगलौर-560047	1-7-89

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपयुक्त स्थापना पर उम या उम प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करने हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई हैं।

सं० के० आ० नि० आ०/ 1 (4) कर्नाटक (16190)—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	के०एन०/ 13356	मै० गाडबैल एण्ड डिटेक्टिव सर्विस, सं० 1514, 11 मंजिल, महाकवि कवेम्पू रोड, मेरिएप्पन पालिया, राजाजी नगर, बैंगलूर-560021	1-12-88
2.	के०एन०/ 13450	मै० व्यवसाया सेवा सहकारा संघा, नियमिथा गौडगिरी, तालुक, हसुर, मेसूर जिला	30-9-89
3.	के० एन०/	मै० व्यवसाया सेवा सहकारा संघ, नियमिथा, हालेविडू, तालुक बैलूर, हसन	31-1-88
4.	के०एन०/ 13040	मै० शर्पथी नर्सिंग होम, बी० एच० रोड, शिमोगा	1-11-88

1	2	3	4
5.	के०एन०/ 11710	मै० ए० एस० मंगल फाउण्ड्रीज, प्लॉट सं० 11, 689 (342) (1) उदयमबाग, नजदीक, बी०के० इण्डस्ट्री, बैलगांव-590008	1-3-88
6.	के०एन०/ 11333	मै० फल्यूड डयनामिक्स (प्रा०) लिमिटेड, 156-159, मके० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बेलगांव-591181	1-7-87
7.	के०एन०/ 12187	मै० कुट्टा व्यवसाया सेवा सहकारा संघ, नियमिथा, कुट्टा, माउथ कुर्ग	1-5-88

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्थापनाओं को उम या उम प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करने हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

सं० के० भ० नि० आ०/ 1 (4) आन्ध्र प्रदेश (162)/ 90—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	आ०प्र०/ 18138	मै० दी० राजनपट को-आप० टाउन बैंक लि०, राजनपट, कुड्डापा जिला	1-10-88
2.	आ०प्र०/ 18541	मै० इलेक्ट्रोमेच, एफ-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, कुड्डापा	1-1-89

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपयुक्त स्थापनाओं को उम या उम प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

सं० के० भ० नि० आ०/ 1 (4) केरल (163)/ 90—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि

और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	ध्याप्ति की तिथि
1.	केरल/11674	मै० रबर टेक्स, सी-23, इंडस्ट्रियल इस्टेट, कालीकट-5	1-2-90
2.	केरल/11668	मै० पोनाई को-आ- अर्बन बैंक लि०, के० के० जंक्शन, पोनाई, मल्लापुरम जिला	1-1-90

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपयुक्त स्थापनाओं पर उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई है।

अनुसूची-1

क्षेत्र : तमिल नाडु

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स इण्डियन काफी वर्क्स को-आप० सोसाइटी लिमिटेड, 37-सी, फर्स्ट फ्लोर, नेहरू स्ट्रीट, पांडिचेरी-605001।	पी० सी०/3	1-11-1987	2/2614/90-डी० एल० आई०
2.	मैसर्स इण्डिया रेजिस्टरर्स लि०, पोल्लन, मद्रास-66 तथा शाखायूनिट पेन्नगुडी तथा हेड आफिस-64, अरमेनियम स्ट्रीट, मद्रास-1 पर।	टी० एन०/1105	1-3-1988	2/2615/90-डी० एल० आई०
3.	मैसर्स बी क्रोम लेदर कं० लि०, नं० 7, वर्क्स रोड, क्रोमपेट पी०ओ०, मद्रास-600044।	टी० एन०/2195	1-6-1989	2/2616/90-डी० एल० आई०
4.	मैसर्स पी० बी० प्रोसियन वर्क्स प्रा० लि०, बी-16, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मद्रास-600032।	टी० एन०/2938-ए	1-4-1988	2/2617/90-डी० एल० आई०
5.	मैसर्स बी स्टैण्डर्ड मशीन टूल्स, बी-3, अम्बाटूर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मद्रास-58।	टी० एन०/3520	1-3-1989	2/2618/90-डी० एल० आई०

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3894—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. मोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. मोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के मामले में उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, मद्रास ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत छील प्रदान की है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संभालन की छूट देता हूँ।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
6. मैसर्स सी० आर० नारायणा राव, आर्चिटेक्ट्स एण्ड इंजीनियर्स, 5, करपागम्बल नगर, लॉज, मईलापुर, मद्रास-600004।	टी० एन०/4433	1-7-1988	2/2619/90-डी० एल० आई०	
7. मैसर्स सी० आर० नारायणा राव, (कन्सल्टेंट्स) प्रा० लि०, 5, करपागम्बल नगर, लॉज, मद्रास-600004।	टी० एन०/8338	-वही-	-वही-	
8. मैसर्स इण्डिया पिस्टोन्स रिफ़ो लि०, 2-सी, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट काक्कालूर, पी० ओ०, तीरुवेरुलोर, चेंगलपैट डिस्ट्रिक्ट, रजिस्टर्ड आफिस, 861, अन्ना सले, मद्रास-600002।	टी० एन०/4924	1-4-1989	2/2620/90-डी० एल० आई०	
9. मैसर्स एल० एम० वान मोप्पेस डायमण्ड टूल्स इण्डिया लि०, पो० बाक्स नं० 853, हुजूरगार्डन, सेम्बोयम, मद्रास-11।	टी० एन०/5284	1-5-1989	2/2621/90-डी० एल० आई०	
10. मैसर्स टी० टी० मेपस एण्ड पब्लिकेशन्स टी० एन०/6097 लि०, 328, जी० एस० टी० रोड, क्रोमपेट, मद्रास-600044।	टी० एन०/6097	1-3-1989	2/2622/90-डी० एल० आई०	
11. मैसर्स ए० बोन्ड स्टैंड्स प्रा० लि०, डी-12, अम्बाटूर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मद्रास-600058।	टी० एन०/6954	1-12-1987	2/2623/90-डी० एल० आई०	
12. मैसर्स लाइट रूफिंग्स लि०, नं० 226 लयड़ रोड, गोपालपुरम, मद्रास-600086 तथा क्षेत्रीय कार्यालय 1076, हरध्यान सिंह रोड, करोलबाग, नई दिल्ली-110005।	टी० एन०/7066	1-12-1987	2/2624/90-डी० एल० आई०	
13. मैसर्स वी इम्को के० सी० पी० लि०, रामाकृष्ण बिल्डिंग्स 2, विक्टोरिया क्रिसेंट रोड, पोस्ट बाक्स नं० 6815, मद्रास-600105, फैक्टरी-11-ए, थर्ड मेन रोड इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, अम्बाटूर, मद्रास-58 पर।	टी० एन०/7383	1-3-1988	2/2625/90-डी० एल० आई०	
14. मैसर्स ट्रोपिकल एग्री सिस्टम्स लि०, 118, बडवे, दूसरी मंजिल, मद्रास-600108।	टी० एन०/7839	1-5-1989	2/2626/90-डी० एल० आई०	
15. मैसर्स रिपट्राइट्स क० प्रोजिट फाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट बैंक लि०, पोण्डी बाजार, मद्रास-17।	टी० एन०/9046	1-3-1988	2/2628/90-डी० एल० आई०	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
16.	मैसर्स नेशनल एक्सट्रक्शन इण्डस्ट्रीज 23-सी/4 केशवानगर, सेवून अर्नी, तालुक नार्थ आरकोट, डिस्ट्रिक्ट—632316।	टी० एन०/11346	1-3-1989	2/2629/90-डी० एल० आई०
17.	मैसर्स आई० सी० एफ० मिल्वर जुब्ली मैट्रीकुलेशन हायर सेकेंड्री स्कूल, आई० सी० एफ०, मद्रास-600038।	टी० एन०/14792	1-9-1989	2/2630/90-डी० एल० आई०
18.	मैसर्स अटो मेसरमैटिक लि०, सुवर्शन गार्डन्स, 102, बेलाचेरी रोड, गुण्डी, मद्रास-600032, तथा रजिस्टर्ड आफिस 46 तथा 47, डेवलप्ड प्लाट्स फार इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इण्डस्ट्रीज, पेरेगुडी, मद्रास-600096।	टी० एन०/16098	1-3-1989	2/2631/90-डी० एल० आई०
19.	मैसर्स कर्टीका सैनुफैक्चरिंग (इण्डिया) प्रा० लि०, अवाडी-पुनामल्ली रोड, गोवर्धनगिरी, कामराज नगर, पोस्ट, मद्रास-600071।	टी० एन०/17352	1-7-1988	2/2632/90-डी० एल० आई०
20.	मैसर्स इण्डस्ट्रीयल एण्ड टैक्नीकल कन्सल्टेंसी आर्गेनाइजेशन आफ तमिलनाडु तथा रजिस्टर्ड आफिस 50-ए, ग्रेन्स रोड, मद्रास-600006।	टी० एन०/17795	1-10-1987	2/2633/90-डी० एल० आई०
21.	मैसर्स एसियाटिक आक्सीजन लि०, 23, एस० आई० पी० सी० ओ० टी० इण्डस्ट्रीयल कम्प्लेक्स, रानीपेट-632403।	टी० एन०/22921	1-7-1989	2/2634/90-डी० एल० आई०
22.	मैसर्स इण्डिया पिस्टोन्स लि०, नं० 8, हुंडोस रोड, मद्रास-600006, तथा रजि० आफिस, हुंजार गार्डन्स, सेम्बीयम, मद्रास-600011।	टी० एन०/252	1-3-1989	2/2635/90-डी० एल० आई०
23.	मैसर्स यूनिन्द मार्केटिंग एसोसिएट्स 377, सूर्यनारायणा स्ट्रीट, मद्रास-600081।	टी० एन०/22983	1-3-1989	2/2636/90-डी० एल० आई०

अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा

प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल है जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना को कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-I/3899—जहां मैसर्स मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (लि.) दूसरी मंजिल, मालवीया नगर, भोपाल (कोड नं. 3306) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवर्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस. 35014/166/86 (एस. एस. II तिथि 21-5-86 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जो दिनांक 21-5-89 से 28-2-90 तक लागू होगा। जिसमें यह तिथि 28-2-90 भी शामिल है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विघ्न करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार,

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का धन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेंगे।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिस को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी दावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय, तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समन्वित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

सं. 2/1959/डी. एन. आई/एकजा/89/भाग-1/3903—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिवार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर धराबर राशि का संदाय करेगा।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंगदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-युक्त अवसर देगा।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 18(7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन को छूट देता हूँ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस

क्षेत्र: दिल्ली

अनुसूची—I

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भागा सरकार की अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के० प्र० नि० आ० की फाईल सं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	मैसर्स हमदर्द (बाक) लैबोरी (ई) पोस्ट बाकम नं० 1507 हमदर्द मार्ग, दिल्ली-6	दि०/100	एम० 35014/168/82 (एम० एम० II) दिनांक 21-5-86	20-5-89	21-5-89 से 28-2-90	2/1446/86/डी० एल० आई०
2.	मैसर्स जलन्धर मोटर एजेंसी (दि० नि० 2ई/5, झण्डेवाखान एम, नई दिल्ली-110055	दि०/682	एम० 35014/167/82-पी० एफ०-II (एस० एस० II) दिनांक 21-2-86	24-8-88	25-8-88 से 28-2-90	2/488/81/डी० एल० आई०
3.	मैसर्स सेन्ट्रल न्यू एजेंसी (प्रा०) नि० 23/90, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-1	दि०/721	एम० 35014/123/84- (एम० एस० II) दिनांक 21-11-84	20-11-87	21-11-87 से 28-2-90	2/1082/84/डी० एल० आई०
4.	मैसर्स यंग वमैनस फ़िशन एम्प्लॉयमेंट आफ इण्डिया अशोका रोड, नई दिल्ली-1	दि०, 1413	एम० 35014/213/86 (एम० एस० II) दिनांक 20-8-86	19-8-89	20-8-89 से 28-2-90	2/1477/86/डी० एल० आई०
5.	मसर्स पिन कोड एजेंसीज 3455-57, दिल्ली गेट, नई दिल्ली-110006	दि०/654	एम० 35014/77/82-पी० एफ०-II (एस० एस० II) दिनांक 7-4-86	30-7-88	31-7-88 से 28-2-90	2/576/81/डी० एल० आई०
6.	मैसर्स कैनटिस टेक्नोलजी इण्डिया नि० 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 110019	दि०/3268	एम० 35014/71/85 (एस० एस० II) दि० 27-2-85	26-3-88	27-3-88 से 28-2-90	2/417/80/डी० एल० आई०

अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मूल भाषा का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वांछित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक धारित्र/नाम निर्देशियों को प्रविष्टा के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदन के

बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख से भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशनों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम-निर्देशनों/विधिक वारिशों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से

बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई./पञ्जाम/89/भाग-1/3913—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयवी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोंकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मेलन अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित सलग अनुसूची-1 के अनुसार पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देना है।

अनुसूची-1

क्षेत्र : गुजरात 1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	क्र० सं० नि० आ० फा० नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स सोमा टेक्सटाइल्स, रबैल रोड़, अहमदाबाद-380023	जी० जे/288	1-7-1987 से 28-2-1990 तक	2/2774/90-डी० एल० आई०
2.	मैसर्स कच्छमित्रा जन्मभूमि ग्रुप आफ न्यूजपेपर्स, कैम्प एरिया, भूज कच्छ 1 (गुजरात)	जी० जे/1978	1-7-1989 से 28-2-1990 तक	2/2806/90-डी० एल० आई०
3.	मैसर्स सौराष्ट्र प्याकिंग प्रा० लि०, रजि० आफिम पट्टानी बिल्डिंग, एम० जी० रोड, राजकोट-360001 गुजरात	जी० जे/3352	1-8-1988 से 28-2-1990 तक	2/2772/90-डी० एल० आई०
4.	मैसर्स बड़ोदा इलेक्ट्रीक मीटर लि०, बिटल उद्योग नगर, बल्लव विद्यानगर वाया: आनन्द (गुजरात)	जी० जे/4535	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2782/90-डी० एल० आई०
5.	मैसर्स मिनेकचौक को-ऑप० बैंक लि०, जयमंगल हाऊस, ब्लाक बी, अपोजिट गांधीग्राम रेलवे स्टेशन एलियस ब्रिज, अहमदाबाद-380009	जी० जे/4681	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2761/90-डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
6.	मैसर्स गोला पब्लिसर्स, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद	जी० जे/4746	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2768/90-डी० एल० आई०
7.	मैसर्स संदीप एजेंसीज, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-21	जी० जे/4746-ए	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2783/90-डी० एल० आई०
8.	मैसर्स रंग मल्टी कलर आफसेट, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-380021	जी० जे/4746-बी	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2784/90-डी० एल० आई०
9.	मैसर्स ममता टाइप सेटिंग वर्क्स, स्वरस्वती भवन, नजदीक आजाद डेयरी गोमतीपुर, अहमदाबाद-21	जी० जे/4747	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2785/90-डी० एल० आई०
10.	मैसर्स विकास प्रिन्टरी, स्वरस्वती भवन, नजदीक आजाद डेयर, गोमतीपुर, अहमदाबाद-21	जी० जे/4748	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2786/90-डी० एल० आई०
11.	मैसर्स सुरेखा बार्डिंग वर्क्स, स्वरस्वती भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-380021	जी० जे/4749	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2787/90-डी० एल० आई०
12.	मैसर्स भंकर आफसेट, स्वरस्वती भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-380021	जी० जे/4775	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2767/90-डी० एल० आई०
13.	मैसर्स सिवातुल लि०, पो० ओ० अतुल-396020, डिस्ट्रीक: बलमाद, गुजरात	जी० जे/5226	1-11-1987 से 28-2-1990 तक	2/2780/90-डी० एल० आई०
14.	मैसर्स ए० टी० ई० प्रा० लि०, बिहाइन्ड भगवति इण्डस्ट्रीज, ओधव, अहमदाबाद-382410	जी० जे/6499	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2755/90-डी० एल० आई०
15.	मैसर्स गुजरात एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लि०, जगना आयाल एक्सटेन्शन, यूनिट जगना डिस्ट्रीक भामस्कन्धा पर (गुजरात)	जी० जे/6651-एच	1-8-1987 से 28-2-1990 तक	2/1650/87-डी० एल० आई०
16.	मैसर्स जी० एल० रेक्सरोथ इण्डस्ट्रीज लि०, पापुलर हाऊस, 6ठी मंजिल, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009	जी० जे/6928	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2781/90-डी० एल० आई०
17.	मैसर्स श्री मातंगी ट्रांसपोर्ट कं० (एजेंसी) 12, सुप्रभात इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वरदालपुरा, अहमदाबाद-380016	जी० जे/7470-ए	1-3-1988 से 28-2-90 तक	2/2775/90-डी० एल० आई०
18.	मैसर्स हर्षा इजीनियर्स (प्रा०) लि०, 217, जी० बी० एम० एम० लि०, इस्टेट, ओधव रोड, अहमदाबाद-382410	जी० जे/7742	1-10-1987 से 28-2-1990 तक	2/2791/90-डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
19.	मैसर्स एम्को (इण्डिया) लि०, आनन्द सोजीवा रोड, वल्लव-विधानगर, डिस्ट्रीक खेड़ा (गुजरात)	जी० जे/7787	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2763/90-डी० एल० आई०
20.	मैसर्स मेकार प्रोडक्ट्स, प्लॉट नं० 1/5 तथा जी० आई० डी० सी० इस्टेट, वापी-396195, डिस्ट्रीक वलसर (गुजरात)	जी० जे/8440-बी	1-7-1988 से 28-2-1990 तक	2/2756/90-डी० एल० आई०
21.	एबरेस्ट केमिकल्स तथा मिनेरल्स प्रा० लि०, प्लॉट नं० 203, जी० आई० डी० सी०, वापी-396195 (गुजरात)	जी० जे/9449	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2757/90-डी० एल० आई०
22.	मैसर्स गलाजी पेन्ट्स, जी० आई० डी० सी० वापी-396195 (गुजरात)	जी० जे/9449-ए	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2766/90-डी० एल० आई०
23.	मैसर्स वापी पोलिमर्स प्रा० लि० प्लॉट नं० 203/2, जी० आई० डी० सी० वापी-396195 (गुजरात)	जी० जे/9449-बी	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2764/90-डी० एल० आई०
24.	मैसर्स हिन्दुस्तान इंजीनियर्स, ए/2-4, जी० आई० डी० सी० बिलोमोरा, डिस्ट्रीक वलसाद (गुजरात)	जी० जे/9539	1-9-1988 से 28-2-1990 तक	2/2758/90-डी० एल० आई०
25.	मैसर्स ए० जेड० मेटल इण्डस्ट्रीज, जी० आई० डी० सी० गुम्डलव, वलसाद इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वलसाद (गुजरात)	जी० जे/9545	1-10-1988 से 28-2-1990 तक	2/2788/90-डी० एल० आई०
26.	मैसर्स खेतान जंकर लि०, (एम० पी० पी० सी० डिवाजन) प्लॉट नं० 624/28/बी, जी० आई० डी० सी० इस्टेट, अलेखर, बालिया रोड, अलेखर-393002 (गुजरात)	जी० जे/9580	1-4-1988 से 28-2-1990 तक	2/2789/90-डी० एल० आई०
27.	मैसर्स प्रफेक्ट इक्विपमेंट्स, ए/172, जी० आई० डी० सी० इस्टेट, ओधव रोड, अहमदाबाद-382415	जी० जे/11040-ए	1-7-1988 से 28-2-1990 तक	2/2790/90-डी० एल० आई०
28.	मैसर्स इरहार्ट + बीमर (इण्डिया) लि०, सर्वेन० 320, ओधव रोड, अहमदाबाद-382410	जी० जे/11087	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2776/90-डी० एल० आई०
29.	मैसर्स ट्रमेक इंजीनियरिंग क० लि०, एन० आई० डी० सी० इस्टेट, नजदीक लम्बा विलेज नरोल, डिस्ट्रीक अहमदाबाद	जी० जे/11129	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2792/90-डी० एल० आई०
30.	मैसर्स गाविन पम्पस लि०, सी-1/273, जी० आई० डी० सी० टाउनशिप नरोल-382330, अहमदाबाद	जी० जे/11286	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2771/90-डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
31.	मैसर्स शूटसकटार प्रा० लि०, 43/2, जी० आई० डी० सी०, इस्टेट, कलोल (एन० जी०) गुजरात	जी० जे/11327	1-2-1989 से 28-2-1990 तक	2/2771/90-डी० एल० आई०
32.	मैसर्स वनस्कन्धा, मेहशना ग्रामीण बैंक, राजमहल रोड, नजदीक रेलवे स्टेशन, पाटन (गुजरात)	जी० जे/14371	1-1-1988 से 28-2-1990 तक	2/2793/90-डी० एल० आई०
33.	मैसर्स सिदमैक लिमिटेड (इण्डिया) प्रा० लि०, नेशनल हाइवे-8, अब्राम बालसाद-396001 (गुजरात)	जी० जे/15824	1-8-1988 से 28-2-1990 तक	2/2794/90-डी० एल० आई०
34.	मैसर्स ताप्ती इंडस्ट्रियल इंजीनियर्स, मानकुश कम्पाउण्ड, ए० के० रोड, सूरत-395908	जी० जे/16714	1-9-1988 से 28-2-1990 तक	2/2761/90-डी० एल० आई०
35.	मैसर्स मिलेक्स केबल इण्डस्ट्रीज राखतल स्टेशन-382315, तला-देहगाम, डिस्ट्रीक. अहमदाबाद	जी० जे/14793	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2765/90-डी० एल० आई०

अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसने इससे इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अन्वाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जा उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संवेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निर्दिष्टों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारियों भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करण में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकर की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट नहीं रही होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों की संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आइ. /एकजम/89/भाग-1—
जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं से (जिसे इसमें इसकी पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए

परिचय किया है (जिसे इसमें इसकी पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, दी. एल. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से गतचित्त हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या योगियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसकी पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसारण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों को रहते हुए मैं, बी. एल. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना को और 28-2-90 तक की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जैसा कि उनके नाम के सामने दर्शाया गया है। (संलग्न अनुसूची-1 के अनुसार)

अनुसूची—I

क्षेत्र: मध्य प्रदेश

क्र. सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड संख्या	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिस के लिए छूट दी गई है	क्र. सं. नि. आ. की फाईल सं.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	मैसर्स स्वदेशी काटन एण्ड फ्लोर मिल्स 7, मिलनाथ कैम्प इन्दौर-452003	एम० पी०/6	एम० 35014/87/86 (एम० एम० I) दिनांक 5-3-86	4-3-89	5-3-98 से 28-2-90	2/1382/86-डी० एल० आई०
2.	सांघी ब्रदर्स (इंदौर) लि० (मं० प्र०) 452001	एम० पी०/249	एम० 35014/18/82-पी० एफ० II	9-9-88	10-9-88 से 28-2-90	2/650/82-डी० एल० आई०
3.	मिलार्ड इंजीनियरिंग कारपोरेशन लि० यूनिट मैसर्स मिहार्ड (एम० पी०)	एम० पी०/756	एम० 35014/176/83-पी० एफ०—I दिनांक 28-8-86	21-10-89	22-10-89 से 28-2-90	2/916/83-डी० एल० आई०
4.	प्रोडियटल इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स बी० नं० 36 लक्ष्मी निवाय, जेन्द्रागंज खासियर (एम० पी०)	एम० पी०/1045	एम० 35014/299/92-पी० एफ० II दिनांक 19-3-86	14-1-89	15-1-89 से 28-2-90	2/739/82-डी० एल० आई०
5.	मध्य प्रदेश स्टेट एग्री इंटरस्ट्रिज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि० पंचानत लीसरी संजिव, मालवीय नगर, भोपाल (एम० पी०)	एम० पी०/1636	एम० 35014/360/82-पी० एफ० II दिनांक 31-1-86	11-2-89	12-2-89 से 28-2-90	2/792/82-डी० एल० आई०
6.	डिस्ट्रीक को० प्रोपर्टिज लैंड डेवलपमेंट बैंक गुन्ता (एम० पी०)	एम० पी०/2018	एम० 35014/255/83-पी० एफ० II दिनांक 29-8-86	30-6-89	24-12-89 से 28-2-90	2/944/83-डी० एल० आई०
7.	सिपलक्स कास्टिंग प्रा० लि० 5, इंडस्ट्रियल स्टेट विषाई-490025 (एम० पी०)	एम० पी०/2045	एम० 35014/286/85 (एम० एम०—II) दिनांक 8-11-85	7-11-88	8-11-88 से 28-2-90	2/1288/85-डी० एल० आई०

1	2	3	4	5	6	7
8. मध्य प्रदेश राज्य पुलिस निगम बोपाल (म० प्र०)	एम० पी०/2076	एस० 35014/405/82-पी० एफ०-II दिनांक 2-6-86	11-2-89	12-2-89	2/830/82/डी० एल० आई० से 28-2-90	
9. मैसूर ग्यासिमर रेगान सिटक (म० प्र०) विविध (केमिकल डिविजन) बिरलाग्राम नागदा-456331	एम० पी०/2094	एस० 35014/262/86-एम० एम० II दिनांक 3-12-86	10-2-90	11-2-90	2/14/76/डी० एल० आई० मे 28-2-90	
10. मुखबीर सिंह कन्स्ट्रक्टर ओगेन्द्रा सिंह कालोनी रोड, मिलाई डिस्ट्रिक्ट (दुर्ग) एम० पी०	एम० पी०/2114	एस०/35014/261/85-एम० एस०-IV दिनांक 20-11-85	19-11-88	20-11-88	2/1291/85 मे 28-2-90	
11. निवेश्वर सिंह कान्स्ट्रक्टर क्वाटर नं० एल० आई० जी० 101, बैथली नगर खोका रोड, मिलाई दुर्ग (एम० पी०)	एम० पी०/2373	एस०/35014/225/85-एम० एस०-IV दिनांक 8-11-85	7-11-88	8-11-88	2/1287/85/डी० एल० आई० मे 28-2-90	

अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, का ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की सम्पत्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी ध्येयों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समक्षित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संशोधन राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संशोधन होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिससे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर निर्दिष्ट करेगा।

बी. एन. सोम.
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
CENTRAL DEBT DIVISION

Bombay, the 31st July 1990

No. C.O.D.T. ACS. 5/369/90-91—Statement of Government Promissory Notes enfaced for payment of interest in London under deduction of amount re-transferred to India and outstanding in the books of the Indian Government Rupee Loans Office, State Bank of India, London on the 31st March 1990.

Particulars	3% Conversion Loan, 1946	3% Loan, 1896-97	Total
Balance as on 30th September, 1989	Rs. 14,200	2,300	16,500
<i>Add</i>			
Amount enfaced at London during the Half-year ended 31st March 1990.	—	—	—
<i>Deduct</i>			
Amount written off in the London Registers	Rs. 3,100	—	3,100
Balance as on 31st March 1990	Rs. 11,100	2,300	13,400

S.S. RANADE
Chief Accountant

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS
ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 23rd May 1990

CWR(1)90 : The following draft of certain amendments to the Cost and Works Accountants Regulations, 1959 proposed to be made in exercise of the powers conferred by Sub-sections (1) and (3) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, (Act No. 23 of 1959), is published for information of persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up to consideration on or after 7th September, 1990.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India.

In the said Regulations :

I. For the existing Regulation 20, the following new Regulation shall be substituted, namely.

20. Conditions for Registration—Every person applying to become a Registered Student shall be required to apply in Form 'T' and produce evidence to the satisfaction of the Council that he has passed the Foundation Course Examination prescribed in that Regulation.

Provided that a candidate may be admitted as a Registered Student without being required to pass the Foundation Course Examination if he has passed any of the following examinations :

- (a) A degree examination of a University.
- (b) The Final Examination of the Institute of Chartered Accountants of India or England and Wales or Scotland or Ireland or the Final Examination of the Chartered Institute of Management Accountants, London or the Final Examination of the Institute of Company Secretaries of India.
- (c) Any other examination as may be recognised by the Central Government in this behalf.

II. For the existing Regulation 20A, the following new Regulation shall be substituted, namely.

20A. Admission to the Foundation Course Examination—Every person applying for admission to the Foundation Course Examination shall be required to apply in the form prescribed by the Council for the purpose and produce evidence to the satisfaction of the Council that he—

- (a) has completed sixteen years of age on the date of his application; and

(b) has passed the Higher Secondary School Examination under the 10+2 scheme or an examination recognised by the Central Government as equivalent thereto or has passed the National Diploma in Commerce Examination held by the All India Council of Technical Education or any State Board of Technical Education under the authority of the said All India Council.

or the Diploma in Rural Services Examination conducted by the National Council of Rural Higher Education or the Intermediate Examination of the Institute of Chartered Accountants of India or England and Wales or Scotland or Ireland or of the Institute of Cost and Management Accountants, London or of the Institute of Company Secretaries of India, or any other examination as may be recognised by the Central Government for the purpose of admission to the Foundation Course Examination.

III. For the existing Regulation 20B, the following new Regulation shall be substituted, namely :

20B. Fee, Papers and Syllabus for Foundation Course Examination—Every candidate for admission to the Foundation Course Examination shall pay a fee of Rs. 80.00 and shall be examined in the following subjects.

FOUNDATION COURSE

Paper 1 : Business Fundamentals & Economics (100 marks)

Section-1 : Business Fundamentals (50 marks)

Aim : To Introduce the candidate to the world of business and to acquaint him with the basic principles of economics and commercial practices.

Level of knowledge : Basic understanding.

1. Types of business units : sole-traders, partnership, companies, co-operative, Hindu undivided family, joint stock companies, public utilities and state enterprise.

2. Company organisation & Management : Types of companies, their formation, incorporation and commencement of business, memorandum of association and Articles of Association, Prospectus, shares and debentures, Board of Directors and Statutory & General Meetings.

3. Business objectives : Concept and rationale of social responsibility, business and its environment, interface with legal, political, economic, social and cultural aspects.

4. **Business Finance** : Sources of corporate finance, shares and debentures, underwriting, importance of strategic planning, major financial institutions such as IFCI, IDBI, UTI, ICICI, IRCL, NIDC, LIC, GLC, Exim Bank, SFC and international Finance Institutions like IFM, IFC, IBRD (World Bank), Asian Development Bank formation and functions

5. **Export and Import** : Essential features of import-export procedures and connected formalities, free trade, subsidy, dumping, protection tariffs, C.C.S. drawbacks, balance of trade agreement, shipping bills, bill of lading, bill of entry, bill at sight, customs formalities, duties-specific and ad valorem dock's and mates receipts, certificate of origin, open general licence, individual licence, Customs warehouse and bonded warehouse, letter of credit.

6. **Working Systems of Stock Exchange** : Dealers and brokers, transactions, economic significance, conditions of membership stock exchange and clearing house.

7. **Security Exchange Control Bureau** : Constitution and functions.

8. **Business communication and Report writing** : Preparation of telegraphic message, public notices, and invitations, circulars, drafting of advertisements, filing of complaints, letter writing.

Section-2 : Economics (50 marks)

1. **Definition** scope and subject matter of Economics—a few fundamental concepts like utility, wealth, factors of production, demand and supply, equilibrium etc. Land and the laws of returns.

2. **Labour and population theories**—

Capital—definition, growth of capital, stages in capital formation.

3. **Market Forms**—Value under perfect competition, value under imperfect competition.

4. **National Income**—Gross National Product, Net National Product, measurement of National Income, difficulties and significance of National Income analysis: economic growth and fluctuations, consumption, savings and investments.

Distribution—Income determination and equilibrium relating to rent, wages, interest and profit.

5. **Money**—Definition and functions of money, quantity theory of money, inflation—effects of inflation on production and distribution of wealth, control of inflation, money supply, liquidity preference and marginal efficiency, rate of interest and investment.

Banking—Definition, functions and utility of banking, the principles of commercial banking, multiple credit creation, essentials of sound banking system

Central Bank—Functions, weapons of credit control and the money market.

6. **International Trade**—Balance of trade and Balance of payment, devaluation, law of comparative cost, protection trade.

7. **The theory of employment**—Types of unemployment, concepts of full employment and how it can be achieved with the help of a judicious Fiscal Policy.

8. **National & International Financial Institutions** like IFCI, ICICI, IDBI, SFC etc.—International Monetary Fund (IMF), The international Bank for Reconstruction and Development (World Bank).

9. **Public Finance**—Direct and Indirect taxes, canons of taxation, effects of taxation on production and distribution, taxable capacity, deficit financing Economic Systems and the role of State, Economic planning—definition, types and objectives.

Paper—2 : Management and Organisation : (100 marks)

Aim : To examine the candidate's ability to (i) understand the role and function of management and (ii) explain its application to the working in various types of organisations with all levels and functions of management.

Level of Knowledge : Basic understanding.

Section—1 : Management : (50 marks)

1. **Definition of Management** : Different schools of management, process and functions of management, universality of the principles of management Evolution of management thoughts, Recent trends, Management as a profession.

Planning : Goals, objectives, standards, targets, quotas, deadlines, standing plan policies, procedures, methods, Projects—special programmes and scheduling. Hierarchy of planning—group or sectional, departmental or divisional, functional and companywise planning. **Planning process**—statement of problem, determination of alternatives, collection of facts, analysis, decision on action and execution.

Organisation : Nature of internal organisation of a business enterprise, formal and informal organisation. Principles of organisation. Grouping of activities (a) typical pattern of grouping by—products, services, locations, customers, processes, functions and time (b) critical for grouping activities—specialisation, control, coordination, attention, economy, etc. Creating a network of relationship to determine the authority: delegation, chain of command, authority and responsibility, decentralisation, span of control: (ii) **level of authority**—staff, kind of staff, nature of staff work, advisory services and control, line and staff relations, (iii) internal relations—committees and their roles

Staffing : Staffing function, selection, manpower needs, manpower position, training, rating and evolution, manpower development, human resource appraisal.

Directing : Nature of directing: motivation; bases of motivations; fear, money, satisfaction importance of behaviour, individual needs, needs of organisation; factors influencing performance; work environment communication, group dynamics—formal and informal.

Communication : Nature, media and channels, systems, barriers, aids—structured and unstructured.

Motivation : Motivation to be highlighted under the concepts of:—Maslow's hierarchy of need, McClelland's successful performance in work place and Herzberg's job content and job context.

Leadership : Nature, styles, attitudes, leader effectiveness, situational leadership models.

Control : Concept of managerial control, control of personnel vs. performance, areas of performance control; product, finance, morale; process of control, standards; appraisal, and corrective actions; control aids; good organisation structures; sanity of objectives and policies methods, procedures, budget, etc.

2. **Public Sector Management** : Concept of the public sector, Social objectives. Classification and growth of public sector in India. A brief study of the pattern of organisation and management of public enterprises in other countries.

3. **Pattern of Management** : Board policies and functions. Structural pattern of the Board of Directors. Delegation of power, Control by the Government Role of board public enterprises. Problems of public enterprises. Public accountability and control. Autonomy.

Section—2 : Organisation : (50 marks)

1. **Concept and features** : Schools of organisation theory—classical behavioural and systems. Recent trends and approaches. Behaviour in organisation, nature, features, foundations and the role of behavioural science. Behaviour process in organisation.

2. **The structure and culture of organisations** : Types of organisations in the private and public sectors. The relation between structure and performance of organisations. The influence of culture, value system and accountability requirement on organisations. Organisational change—impact of market and technology. The nature of key functions in an organisation.

3. **Characteristics and psychology of individuals** : Importance of work to the individual. Concept of job satisfaction. Measures of motivation. Work and self identity, effect of retrenchment, redundancy and change.

4. Social groups : Their functions and organisation—their nature and purpose in business. Development of groups Group dynamics. Creating an effective work group.

5. The organisation and the environment : Aspects of environmental influence—commercial, fiscal and legal. State organised environment. Technological environment. Social and ethical environment. Social responsibility of organisation managers.

6. Industrial unrest, industrial disputes, collective bargaining arbitration, reconciliation, trade unionism, workmens' participation in management, joint councils.

Paper—3 : Basic Mathematics & Statistics : (100 marks)

Arithmetic :

Averages, mixtures, computation of interest, discounting of bills, percentages, ratios and proportions

Algebra :

- (a) Number systems—real, imaginary, rational and irrational.
- (b) Elementary knowledge of sets and the operations on them. Simple applications and solution by the use of Venn diagram. Truth table and its applications to statements.
- (c) Indices and surds, variation, logarithms, permutations and combinations, compound interest.
- (d) Solution of system of linear simultaneous equations (3 variable only) Quadratic equations, solution of linear inequalities (by graphical method only).

Mensuration :

Area and perimeter of triangles, circles, parallelogram, regular polygon, volume and surface of cube, prism cylinder, pyramid cone, frustums and spheres (including zone and segments).

Plain Co-ordinate Geometry : (Rectangular cartesian co-ordinates only)

Length of a line segment, section ratio, gradient of a line. Equations of straight line, circles, parabola Ellipse and hyperbolas (standard forms only).

Elementary Statistics

Graphical presentation of statistical data, frequency distribution measures of central tendency (mean, median, mode), measures of dispersion (range, mean deviation, standard deviation, variance), measures of skewness and kurtosis.

Paper—4 Commercial & Industrial Laws (100 marks)

1. Indian Contract Act, 1872—nature of contract, contractual terms, remedies for breach and elements of contracts.

2. The Indian Partnership Act, 1932.

3. The Sale of Goods Act, 1930.

4. The Negotiable Instruments Act, 1881.

5. Legal aspects of management : The Factories Act, 1948. The Shops and Establishments Act. The Apprentices Act. The Industrial Disputes Act, 1947. The Industrial Employment (standing order) Act, The Trade Unions Act, 1926. The Workmens' Compensation Act. The Payment of Bonus Act, 1965. The payment of Gratuity Act, 1972, The Employees' State Insurance Act, 1948, the Prevention of Water and Air Pollution Act. The Consumers Protection Act and rules thereunder. The Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952.

IV. For the existing Regulation 20C, the following new Regulation shall be substituted namely :

"20C Foundation Course Examination Results—(a) A Candidate shall ordinarily be declared to have passed in the Foundation Course Examination if he obtains at one sitting a minimum of 40 per cent of the total marks in each paper and an aggregate of 50 per cent of the total marks of all papers in the examination. The

Council may, however, vary the minimum pass marks at its discretion for any or all the examinations.

(b) A list of successful candidates in an examination shall be published in the journal of the Institute in such manner as the Council may direct each candidate shall be individually informed of his result and also of the marks obtained by him in the paper or papers of the examination in which he appeared. No certificate of pass will however be issued to a candidate passing the Foundation Course Examination.

(c) Except as otherwise specifically provided in the foregoing Regulations, the provisions regarding conduct of examinations, etc. in Regulations 36 to 43 shall, so far as may be, apply to the Foundation Course Examination."

For the existing Regulation 25A, the following new Regulation shall be substituted, namely :

25A. Registration de novo—A person whose registration has been cancelled under Regulation 25 may apply in Form 1 to become a Registered Student de novo and on his application being granted, he shall be deemed for all purposes to have been admitted as a fresh Registered student except that he shall be entitled to the exemption from individual subjects/Stages of the Intermediate or Final Examination, as the case may be previously secured by him under his former registration."

VI. For the existing Regulation 28A, the following new Regulation shall be substituted, namely :

28A. Coaching Administration and Training—(1) The Council may arrange for imparting training to Registered Students and for this purpose establish and operate a Coaching Administration, make rules in connection therewith and charge such fees as may be specified.

(2) The Coaching Administration shall at all times function subject to the control, supervision and direction of the Training and Educational Facilities Committee.

(3) All Registered Students shall be required to undergo such training as may be prescribed before they are admitted to any of the examinations referred to in Chapter V :

VII. For the existing Regulation 30, the following new Regulation shall be substituted, namely.

Intermediate Examination

30. Admission to and fees for Intermediate Examination—(1) No candidate shall be admitted to the Intermediate Examination unless he is a Registered Student of the Institute and unless he has paid all his dues at least sixty days prior to the commencement of the examination;

Provided, however, that a candidate registered as a student shall not be admitted to any Stage or Stages of the Intermediate Examination unless he has produced a certificate from the Director of Studies or the Head of the Coaching Administration, by whatever name designated, or from the head of the institution recognised by the Council in this behalf duly countersigned by the Director of Studies or the Head of the said Coaching administration, as the case may be, to the effect that he has undergone satisfactorily a course of postal or oral tuition for the said stages of the Intermediate Examination.

Provided further that the Examination Committee may on receipt or being possession, of any information against any candidate, decline to admit him to any examination after giving him an opportunity to explain his conduct and after holding such enquiry for the purpose as it may consider necessary.

(2) No candidate shall be admitted to stage II of the Intermediate Examination unless he has appeared in and passed in Stage I of the Intermediate Examination.

(3) Every candidate for admission to the Intermediate Examination shall pay an Examination fee at the rate of Rs. 80.00 for one stage and Rs. 160.00 for both the stages."

VIII. For the existing Regulation 31, the following new Regulation shall be substituted namely :

31. Stages, Papers and Syllabus for the Intermediate Examination and the First Intermediate Examination under the Revised Syllabus :

(1) The first Intermediate Examination under the Revised syllabus under this Regulation will be held in December, 1991. Students registered on or after 1st July, 1991 shall, and students registered prior to 1st July, 1991, who may so opt. may be examined under this Regulation and all other students registered prior to 1st July, 1991 who are candidates for the Intermediate Examination to be held from December, 1993 shall also be examined under this Regulation. The last Intermediate Examination under Old Syllabus shall be held in June 1993.

(2) The stages, papers and syllabus for the Intermediate Examination under this regulation shall be as follows :

Intermediate Examination—Stage I & II

Stage—1 : Paper-1 : Financial Accounting : (100 marks)

Aim : To examine candidate's ability for application accounting principles in different situations.

Level of knowledge : Adequate.

1. Basic concepts of book-keeping and accountancy—

Definition of accounting and its usefulness, book-keeping and accounting—its principles and practices, classification of accounts.

2. (a) System of book-keeping Double Entry System, books of prime entry, subsidiary books, recording of cash and bank transactions, preparation of ledger accounts, preparation of trial balance—interpretation and usefulness.

(b) Bank Reconciliation Statements—Need for reconciliation : procedure for reconciliation between cash book and bank pass book and problems relating to the preparation of bank reconciliation statements.

3. Bill of Exchange—Definition, promissory note and bill of exchange, bill receivable bills payable, drawing acceptance renewal and retirement of bills; accommodation bills.

4. Concept of capital, revenue and deferred revenue expenditure, opening entries, closing entries, adjustment entries and rectification entries. Trading, Manufacturing and Profit & Loss Account and Balance Sheet. Bad debts and reserve for bad debts—its accounting treatment Depreciation—its significance and accounting treatment.

5. Concept of single entry system of accounting vis-a-vis double entry system of accounting, their inter-relationship & conversion from single entry system to double entry system. Preparation of receipts and payments accounts and income and expenditure account Significance of reserve and provisions. Preparation of profit and loss account and balance sheet.

6. Joint venture and consignment Accounts, Partnership Accounts, admission, retirement and death of partner, dissolution of partnership piecemeal distribution of assets.

7. Limited Company Accounts—Issue, forfeiture and redemption of shares and debentures, profits prior to incorporation and Company profit and Loss Account and Balance Sheet as per companies Act, 1956.

Stage I : Paper-2—Cost Accounting : (100 marks)

Aim : To provide in depth knowledge of the various components of cost and their accounting.

Level of knowledge : Thorough understanding.

1. Introduction : Evolution of cost accounting and Management Accounting Cost concepts and cost object, cost classification cost organisation and its relationship with other departments.

2. Elements of cost and cost determination (i) Material Accounting and control—purchase procedure, store keeping and stock control pricing issues of material and accounting

thereof, identification of slow, non-moving and fast-moving item, ABC analysis, policies relating to insurance spares, levels of inventories and economic order quantity. Analysis, investigation and corrective-steps for treatment of stock discrepancies—control through other means.

(ii) Labour accounting and control—remuneration methods, monetary and non-monetary incentive schemes, payroll procedures, labour analysis and idle time. measurement of labour efficiency and productivity analysis of non-productive time and their cost, labour turnover and remedial measures, treatment of idle time and overtime.

(iii) Direct-expense—nature, collection and classification of Direct Expenses and its treatment.

(iv) Overheads : nature, classification and collection :

(a) Production overheads—distribution, apportionment, absorption by products, use of predetermined recovery rates, treatment of under and over-absorption, report for control of overhead cost.

(b) Administration, selling and distribution overheads—analysis accounting and control, treatment of miscellaneous items in cost accounting.

3. Cost Accounting records : Cost ledgers, reconciliation of cost and financial accounts and integrated accounts, computerisation of accounts (introduction only).

4. Methods of Costing :

(i) Specific order costing—job, batch and contract. Determination of costs according to job, batch and contract, valuation of work in progress in job costing, features of contract cost, certification of work done, profit on incompleting contracts, cost—plus contracts.

(ii) Operation costing—process and services.

Process costing—Treatment of normal and abnormal losses and gains, valuation of WIP using FIFO and average methods (equivalent production), interprocess transfer and pricing, concepts, accounting for joint products, by-products, waste, scrap, spoilage and defectives.

5. Service or operating costing : Unit costing and multiple costing application, identification of cost unit and cost determination and control.

6. Techniques of costing :

(a) Marginal costing : Basic concepts, marginal costing and absorption costing, C-V-P analysis, break-even analysis, limitations of BE analysis, differential cost analysis and relevant cost analysis, applications of them for management decision making (simple types)

(b) Budgetary control : Basic concepts, functional budgets, master budget, flexible budgets.

(c) Standard costing : Concepts and uses, setting of standard cost accounting methods, computation of simple variances relating to material, labour and overheads, relationship of standard costing and budgetary controls.

Stage-1 : Paper 3 : Corporate Laws & Secretarial Practice. (100 marks)

Aim : Understanding of the basic concepts and legal principles governing the business.

Level of knowledge : Thorough understanding.

Section-1 : Corporate Laws (50 marks)

Definition, fundamental matters and general framework of documents, meeting, and proceedings, management of a company operations, mismanagement and arrangements, concept of capital, classification of shares and debentures, borrowing of a company, accounts and audit of a company, classification and appointment of an auditor, the powers of Central Government, direct special audit, cost accounting

records and cost audit, auditor's report and explanation, preparation and presentation of accounts of government companies and statutory corporations.

MRTP Act, 1969 : MRTP Commission, concentration of economic power, unfair and restrictive trade practices and monopolistic trade practices. Industrial (Development & Regulations) Act, 1951, Development Councils, licensing for new industrial undertakings, taking over management or control by the Central Government

Essential Commodities Act, 1955 : Powers of Central Government to control, effect of seizure and confiscation, etc.

Foreign Exchange Regulation Act, 1973—compliance with the provisions of the Act.

Government Price Control and Tariff Protection : Price control orders regarding drugs, pharmaceuticals, cement, tyres, vanaspathi, fertilizer and steel, etc. Administered price, role of BICP (Procedures to be complied with under the Act.)

The sick Industrial Companies (Special Provision) Act, 1985 and provisions including BIFR.

Section-II : Secretariat Practice : (50 marks)

Definition of Secretary, his position and importance in the organisation, Directors—their qualifications and disqualifications, powers, duties and liabilities.

Meeting : Kinds of company meetings, meeting of the shareholders statutory and annual general meetings, requisition and other general meetings. Preparation of notices, agenda, quorum, proxy, voting, motion, amendments, resolutions, adjournment and postponement, explanatory statements and minutes, matters relating to ordinary resolution, special resolution, special notice, preservation and maintenance of registers and books, submission of returns to the Registrars of Companies to all for information and inspection procedures ascertaining profits and dividends and declare of the same to various types of shareholders including mode of payments to residents and non-residents.

Stage-I : Paper 4 : Direct Taxation : (100 marks)

Aim : To provide in depth knowledge of tax laws and their impact on management decision and more particularly to emphasise the role of the tax factors in the use of management accounting techniques.

Level of knowledge—Expert.

(i) Direct Tax Laws—A comprehensive study of income Tax Act, Gift & Wealth Tax Act, case laws governing capital and revenue expenditure, deemed income-residence concept.

Special problems centering on the concept of assessee, registered firm, HUF, Association of persons and trust—minors, non-resident and double taxation.

Problems covering heads of income : Salaries, perquisites, gratuity and retirement benefits, income from house property, capital gains—income from other sources—income from business and profession—problems arising from aggregation of income and carry forward of losses.

(ii) Tax Audit.

(iii) Tax administration : Appeals, revisions, review, rectification and application to CBDT.

(iv) Acquisition proceedings : Principles of valuation, movable and immovable property.

(v) Direct Tax Planning : Tax implications in planning the legal status of business unit, firm, private limited company and public limited company. Tax implication in (a) receiving foreign collaboration, (b) giving collaboration abroad, subsidiaries outright sale of know-how equity participation etc.

Tax aspects of mergers and amalgamation.

New industrial establishment and tax planning.

Tax considerations arising with regard to specific management decisions such as (i) make or buy, (ii) own or lease (iii) retain or replace, (iv) repaid or scrap or retain, (v) export versus local sale, (vi) shut down or continue, (vii) expand or contract, (viii) new capital investment.

Tax incentive and export promotion.

Capital gains and tax planning.

Tax aspects of investments.

Tax implications in developing capitalisation structure (a) short term loans, (b) deposits from public, (c) term loans, (d) bonus issues and (e) dividend policy.

Taxation of company in which public are not substantially interested.

Stage—II : Paper 5 : Cost and Management Accounting : (100 marks)

Aim : Understanding on costing and management accounting techniques that could be utilised for decision-making and control.

Level of knowledge—Thorough understanding.

1. Introduction : Management process and accounting, management accounting as an extension of cost accounting to serve managerial needs. Managerial planning and control—scope and role of management accounting—installation and operation of cost.
2. Financial analysis and control : Uses of ratios for analysis of financial results—limitations of conventional accounting statement for analysis of the operating results of public enterprise in India. Utility of value—added statement and contribution approach—funds flow and cash flow analysis.
3. Capital structure : Types and sources of capital including internal sources—cost of capital—selecting a desired combination of different components—leverage of gearing consideration.
4. Management of liquidity and working capital : Liquidity and profitability relationship - concepts of working capital - need for working capital management - forecasting of working capital. The concepts and use of operating cycle - management of inventory, debtors cash and creditors.
5. Capital budgeting decisions : Objectives and problems - replacement decision - new investments - criteria used, pay back method, DCF methods - effect of taxation - role of cost of capital - capital relating - decisions under conditions of risk and uncertainty.
6. Cost analysis for decision making : Determining cost behaviour—learning curve theory relevant costs for decision - irrelevance of past cost. Decision on pricing, optimum product-mix make or buy, lease or buy shut down, etc. Introduction to decision models and uncertainty.
7. Management control tools : Budgeting and standard costing advanced cost and sales variances profit variance - analysis. investigation and disposition of variances - management by exceptions - responsibility accounting - performance budgeting and zero-base budgeting - behavioural aspect in budgeting and standard costing.
8. Uniform costing : Inter-firm comparison.
9. Cost reductions - concept and techniques including value analysis.
10. Performance appraisal of public enterprises.
11. Analysis of industrial sickness : Concept of 'sickness' including RBI guidelines, causes and effect - use of accounting ratios and statistical techniques for the purpose and their limitations - measures for revival - the role of RBI - role of BIFR-Sick industrial companies (Special Provisions) Act, 1985.

Stage II. Paper 6 : Auditing (100 marks)

Aim : To provide an in-depth study of the techniques and methods of planning audit assignments with special emphasis on internal Auditing.

Level of knowledge : Expert.

Section I : Principles of Auditing (50 marks)

1. Evolution of auditing - major influences on Auditing - Nature and Scope of Auditing - Basic concepts of Auditing Role of Evidence in Auditing.
2. Auditing Techniques and Practices—Generally accepted auditing standards—the concept of Materiality in Auditing.
3. Verification of Assets and liabilities Fixed Assets, Investments, Inventories, Debtors, Loans and Advances, Cash and Bank balances, Debentures and Creditors, Provision for Taxation, Proposed Dividend and Gratuity - other items in the Balance Sheet. Verification of items in the Profit and Loss Account—Contingent Liabilities - Disclosure of accounting policies practice. Expenditure during the period of construction. Adjustments for previous year. Provisions of the Companies Act regarding accounts.
4. Nature of Internal Control - Evaluation and Audit of Internal Control - Internal Control Questionnaires - Flow Charts, - Systems Audit, Internal Control.
5. Auditing in-depth - Statistical Sampling in Auditing.
6. Use of ratios and percentages for comparisons and analysis of trends - interfirm and intra-firm comparison.
7. Appointment of Statutory Auditors - remuneration, removal, Rights of Statutory Auditors, Duties of Statutory Auditors, Joint Auditors, Branch Audits.
8. Audit Report - Report versus Certificate, Contents of the Reports - Qualifications in the Report.
9. Divisible Profit - Provisions of the Companies Act - Important Legal provisions - provisions of the Income Tax Act.
10. Interface between Statutory Auditor and Internal Auditor.

Section II : Internal Auditing (50 marks)

1. Nature and Scope of Internal Auditing—Financial versus operational Audit—Concepts of Efficiency Audit, Propriety Audit, Voucher Audit, Compliance Audit, Pre and Post Audit.
2. Impact of the Manufacturing and Other Companies (Auditors' Report) Order, 1988 on the Internal Auditing function.
3. Organisation of the Internal Auditing function—Selection and Training of Staff—assignment of audit projects—Organisational Status of the Internal Auditing functions—Scope for Audit Committees.
4. Planning the Internal Audit Project : Familiarisation—Preparing Check list, Internal Control Questionnaires, Audit Programmes.
5. Verification of Evidence—Detailed checking versus sampling plans, statistical sampling as used in Internal Auditing.
6. Flow Chart Techniques.
7. Internal Control—Nature and Scope, Internal Auditor and Internal controls.
8. Field work : Collecting Evidences—Interviews—Memoranda.
9. Audit Notes and Working Papers.
10. Audit Reports—Techniques of effective reporting. Follow up of Audit Report.

11. Summary Reports to Top Managements.**12. Communications in Internal Auditing—Improving auditor-auditee relationship.****13. Auditing the operations of an enterprise—such as accounting and finance, inventory control, procurement, production, marketing, maintenance, personnel, branches and depots, Research and Development.****14. Internal Auditor and the Investigation of Frauds.****15. Auditing the Internal Auditing Function.****Stage—II : Paper 7 : Indirect Taxation. (100 marks)**

Aim : To provide in-depth knowledge of tax laws and their impact on management decision and more particularly to emphasise the role of the tax factors in the use of management accounting techniques.

Level of knowledge : Expert.

Indirect Tax Laws and Relevant Procedures.

- (i) Central Excise including MODVAT, (ii) Central Sales Tax, (iii) Customs and (iv) Excise Audit.

Central Excises and Salt Tax, 1944, Central Excise (Valuation) Rules 1975, Central Excise Rules 1944 and Customs and Central Excise Duty Drawback Rules 1971, Familiarity with the schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985, licensing procedure, Statutory forms of Returns and Registers (Central Excise series) and case laws relating to determination of Manufacturing expenses.

Procedure for the levy and Collection of Central Excise Duties for different industrial Sectors, viz., (i) Physical control, (ii) Records based control, (iii) Production based control and (iv) compounded levy scheme.

Adjudication and Appellate procedures, offences and penalties, provisions relating to import and export of goods, certification with reference to valuation, consumption, stock and MODVAT etc. Procedure relating to Transportation and warehousing.

Hax Planning in the area of Indirect Taxes.**Stage II : Paper 8 : Quantitative Methods : (100 marks)**

Aim : To provide adequate knowledge for application of economic and quantitative methods in business situations.

Level of knowledge : Adequate.

Section—I : Mathematical Techniques. (40 marks)

- (i) Algebra of vectors and matrices and determinants : Addition, subtraction, multiplication and inversion of vectors and matrices, solution of systems of linear equations with the help of matrix algebra.
- (ii) Calculus : Variables, constants and functions—graphs of functions—limits of algebraic functions—simple differentiation of algebraic functions—meaning of derivatives—evaluation of first and second order derivatives—partial differentiation—solution of problems involving maxima and minima of algebraic functions.
- (iii) Integration (by substitution and by parts) : Determining indefinite and definite integrals for simple functions—application of integration to evaluate areas and volume of solids and revolution.
- (iv) Optimisation of functions under constraints. Linear programming and simplex method of solution.

Section—II : Statistical Techniques : (40 marks)

- (i) Probabilities : Meaning and definition of probability, mutually exclusive and collectively exhaustive events, repeated trials, combinational analysis. Addition and multiplication rules, Bayes theorem and its application.

Random variables and probability distribution, mathematical expectation, basic elements of binomial, poisson and normal distributions.

(ii) Population and samples : Sampling methods, uses of random numbers, simulated sampling, concept of sampling distribution and standard errors, confidence intervals for means and percentages, testing hypothesis and uses of z , t , χ^2 tests

(iii) Decision making under risks and uncertainty, Decision Tree Analysis.

(iv) Simple regression and correlation.

Section III : Economic Techniques. (20 marks)

(i) Demand Analysis : The basis of demand, market demand function, industry demand versus firm's demand. The demand curve. Relation between demand function and demand curve. Change and shift in demand. Demand relation and managerial decisions. Theory of consumer behaviour. Substitution and income effects. Price, income and cross elasticities of demand, other demand elasticities. Time impact on elasticity. Price elasticity for derived products. Revenue concepts. Demand estimation.

(ii) Forecasting : Forecasting methodologies : Time series analysis. Trend projection, Barometric or leading indicator method, Index number analysis—composite and diffusion indices. Econometric models, curve fitting and least square methods, correlation and regression analysis, multiple and partial correlation—input-output analysis. Forecasting with input-output tables, criteria for forecasting demand for existing and new products.

(iii) Empirical production function analysis, empirical cost analysis short and long-run cost estimation, factor demand, joint product and multiproduct firm,

uncertainty in production function, profit planning under risk and uncertainty.

(iv) Pricing policies and Practices : Cost-plus pricing, going rate pricing, product line pricing, multiple product pricing, pricing over the life cycle of a product, skimming price, penetration price and pricing in maturity, incremental analysis in pricing.

IX. For the existing Regulation 32, the following new Regulation shall be substituted, namely :

32. Exemption—(1) In the case of candidates registered as students on or after 1st July 1991, the Council shall have the power to decide, and shall decide, from time to time, the individual subjects from which exemption may be granted to students who have passed such examination of any University or on reciprocal basis of such professional institutes/bodies in India or abroad, as may be recognised by the Council in this behalf.

(2) The Council shall also have the power to decide, and shall decide the individual subjects/stages of the Intermediate Examination from which a candidate who is admitted as a fresh Registered Student under Regulation 25A shall be exempted on the basis of exemption from individual subjects/Stages previously secured by him under his former registration.

(3) As a transitional measure the following exemptions will be allowed :

Any candidate who is registered prior to 1st July, 1991 and yet to pass the Intermediate Examination but who has passed or obtained exemption from any of the following paper(s) of Intermediate examination under old syllabus shall be exempted from corresponding papers of Intermediate examination under Revised syllabus under this Regulation as indicated below :

Papers of intermediate examination under old syllabus			Corresponding equivalent papers of intermediate examination under revised syllabus.	
Gr.	Paper No.	Name of paper	State	Page No. Name of paper
I	2	Business Mathematics & Statistics	II	8 Quantitative Methods
I	3	Business & Economic Laws	I	3 Corporate Laws and Secretarial Practice
I	4	Book-keeping and Accountancy	1	1 Financial Accounting
II	1	Cost Accountancy—Prime Cost & Overheads	1	2 Cost Accounting
II	2	Cost & Management Accountancy—Methods and Techniques	II	5 Cost and Management Accounting.

(4) A candidate who has passed Intermediate examination under existing syllabus shall not be required to appear in or pass the Intermediate examination under revised syllabus.

A candidate who has obtained exemption or obtained the benefit of carry forward of marks in any of the above papers of Intermediate examination under old syllabus shall be entitled to exemption only in the corresponding equivalent papers of Intermediate Examination under the Revised syllabus under this Regulation. However, the benefit of carry forward of marks by virtue of the result of any examination under old syllabus shall not be available in any paper of Intermediate Examination under Revised syllabus.

X. For the existing Regulation 33, the following new Regulation shall be substituted, namely :

Final Examination

33. Admission to and fees for Final Examination (1) No candidate shall be admitted to the Final Examination unless he is a Registered Student and has passed the Intermediate Examination of the Institute or of the dissolved company and unless he has paid all his dues at least sixty days prior to the commencement of the examination.

Provided that a candidate shall not be admitted to any Stage or Stages of the Final Examination unless he has produced a certificate from the Director of Studies or the Head of the Coaching Administration, by whatever name designated, or from the Head of the institution recognised

by the Council in this behalf duly countersigned by the Director of Studies or the Head of the said Coaching Administration, as the case may be, to the effect that subsequent to his passing the Intermediate Examination he has undergone satisfactorily a course of postal or oral tuition for the said stage or stages of the Final Examination.

Provided further that the Examination Committee may, on receipt or being in possession, of any information against any candidate decline to admit him to any examination after giving him an opportunity to explain his conduct and after holding such enquiry for the purpose as it may consider necessary.

(2) No candidate shall be admitted to Stage IV of the Final Examination unless he has appeared in and passed in Stage III of the Final Examination.

(3) Every candidate for admission to the Final Examination shall pay an Examination Fee at the rate of Rs. 100 per Stage and Rs. 200 for both the Stages.

XI. For the existing Regulation 34, the following new Regulation shall be substituted, namely :

34. Stages, Papers and syllabus for Final Examination and the First Final Examination under the Revised syllabus —

(1) The first Final examination under the Revised syllabus under this Regulation will be held in December, 1991. Students who may pass the Intermediate Examination to be held in June, 1991 or

later shall and students who have passed the Intermediate Examination prior to June, 1991 who may so opt, may, and all other students appearing at the Final Examination to be held from December, 1993, shall be examined under this Regulation. The last Final Examination under old syllabus shall be held in June 1993.

- (2) The stages, papers and syllabus for Final Examination under the Revised syllabus under this Regulation shall be as follows :

Final Examination : Stage III & IV

Stage—III : Paper 9 : Advanced Financial Accounting
(100 marks)

Aim : To provide a detailed insight into accounting principles and their application to complex business and non-business situations.

Level of knowledge : Expert.

1. Accounting principles, concepts and conventions—measurement of business income—accounting standards—national and international.
2. Valuation of enterprise—valuation of inventories, goodwill and shares.
3. Preparation of company accounts—amalgamation, absorption, reconstruction and capital reduction, holding companies, Merger Accounts.
4. Branch and Departmental Accounts—Hire purchase and Instalment Payments—Royalty Accounts—Contract Accounts—Investment Accounts.
5. Preparation of Accounts from incomplete records—Self Balancing Ledger.
6. Accounting in organisation : Farm accounting, hotel accounting—Accounting for non-profit making organisations, e.g. accounting for hospital and educational organisations, accounting for local self government—rural and urban.
7. Accounting for bank and insurance companies—accounting for loss of stock, loss of profit and other compensations including marine insurance claims—Electricity Company Accounts.
8. Government Accounting in India : General principles—comparison with commercial accounting—role of Comptroller and Auditor General of India and Public Accounts Committee—review of accounts.

Stage—III : Paper 10 : Information Technology and Computer Applications. (100 marks)

Aim : To exercise control and communicate effectively for the exposure of professional accountants to the growing field of computerised information technology and their applications.

Level of knowledge : Basic concepts but not details of technology.

Section—1 : Information Technology— (50 marks)

1. Basic concepts of a system : Definition of a system—open and closed system, sub-system, system integration—horizontal and vertical integration. Use of computer in the process of integration. Input-output and process, feedback control, the design of controls concept of boundary, preparation of checklist and analysis of the prerequisites for a proposed system.
2. System design : Input and output design layout make up and forms for output, identification for source documents, file design and codification procedures, verification, validation and manual control over input-data, preparation and identification of the file and its controls, the physical security and pass words, output controls, data transmission control, physical security of data within the office, life cycle and stages of system design, recording and communicating techniques including flow charts, decision table and other diagrams.
3. Information and its Processing : Data and information storage and retrieval, characteristics and qualities of good information, value and sources of information, classification

of information as strategic, tactical and operational, organisation of file security and maintenance, internal storage in computer—RAM, ROM, PROM, Processing capabilities and size of internal storage in a computer, output devices of computer in the form of micro film, graph plotters, line printers, visual display, external storage, media and its uses, uses of electric mail, telex, etc.

4. Distributed data processing : Local area network, time sharing and multi user system, linkage of main frame to micro computer links, advantages and disadvantages of distributed data processing, distributed processing and system design, future prospects of Local Areas Network (LAN) and Wide Areas Network (WAN).

5. Planning, designing and implementation of management information system : Hardware, software and communication technology. A computer system, data presentation for computers, micro-electronics (memory chips), human machine productivity trade-off, integrated management information system covering marketing, manufacturing, financial and personnel, implementation, evaluation and maintenance of MIS.

Section—II : Computer Applications : (50 marks)

1. Computer Hardware : Computer and its basic components—input, main store, external storage, processing output and control, Central Processing Unit (CPU) and Arithmetic and Logic Unit (ALU) and their elements and functions, Internal storage and representation of data, Random Access Memory (RAM), Read only memory (ROM) and Programmable ROM (PROM & EPROM), Processing capabilities and internal storage, Binary operations.
2. Computer generations : Mainframes, mini-computers and micro computers. Characteristics of 8 bit, 16 bit and 32 bit computers and their processing capabilities. Future trend of computer developments.
3. Input output devices : Different types of input-devices and their characteristics (magnetic tape, magnetic disk, Winchester disk, cassette, floppy disk, magnetic ink recognition, voice data entry). Divert data entry, OCR (Optical character recognition), Printers (Line laser, dot matrix, daisy wheel), VDU (Visual display unit), microfilm, graph plotter graphic terminal.
4. Preparation and maintenance of files : Concepts of files, records files and characters, temporary and permanent file organisation, file transfer, updating, security and maintenance, Form filling and formatted screen, menus, window, Variable and filed length records and fields, methods of access—sequential direct and dynamic—their characteristics and uses, Magnetic type layout, inter-records gaps, block and inter-block gap, blocking factor.
5. Computer processing methods : Types of processing methods, (i) batch input and batch processing of all data, (ii) batch input and batch processing of transactions but on line file enquiries, (iii) on-line input, batch processing and on-line enquiries, (iv) on-line input updating and enquiries, real-time system and response time.
6. Distributed data processing system (DDPS) : Data transmission system telecommunication link, modern and multiplexors, mainframe to micro computer links, local area network (LAN), time sharing and multi-processing.
7. Computer software and Programming : Principles of programming stored instructions, languages FORTRAN, COBOL, BASIC, PASCAL, C, etc. (not ability to write programme), Level of software, software package, utility softwares and operating system (OS) Bootstrap programme Assembler, compiler and interpreters, spread sheet packages, data base management system (DBMS), word processing software packages, graphics software, Simple programme writing on BASIC only for application in pay roll, inventory and sales analysis.
8. Control and audit aspects of MIS : Edit check, error listing, control of system security, audit trail, control of operating efficiency. Auditing in a computerised environment.
9. Computer aided technology : Computer aided design (CAD), Computer aided manufacturing (CAM) etc., Flexible Manufacturing system etc.

Stage—III : Paper 11 : Operation Management & Control
(100 marks)

Objective : To provide a basic understanding of the methods and techniques of production—the economics of effective utilisation of resources and the techniques employed to ensure optimum use of resources.

Level of knowledge—Expert.

1. Technology of production techniques : Meaning and implication of technology, different concepts like relevant technology or appropriate technology, high-tech vs. low tech, capital-intensive vs. labour-intensive, batch vs. process etc. Technology forecasting—shape of things to come in the 21st Century. Basic ideas regarding manufacturing techniques including machine tools, process technology, productive facilities, productive utilities and manufacturing policies, some broad ideas about the technological aspects involved in the industries covered under the cost audit.

2. Production planning, scheduling and monitoring system : The concept of integrated production planning system, linkage between production planning and sales forecasting, procurement planning and finished goods inventory policy. Actual scheduling of jobs—optimisation concept in terms of productive facilities utilisation and cost minimisation through start-up, change over, etc. Production monitoring system and MIS for this purpose, regular review of production planning and monitoring.

3. Production Economics : Analysis of problems involving location, layout multishifts product mix, material handling facilities, utilisation of multi-purpose plants, utilisation of preventive maintenance, utilisation of capacity rectification of unbalanced capacity, off-loading of products, stages of production, product plant, process planning, scheduled production stages controlling quality level, controlling of output costs, products usage and its obsolescence, technological usage and its obsolescence, control of output costs on the basis of its cost of factors of production and utilisation of capacities scaling of capacities with the help of rationalisation, modernisation, revamping and renovation.

4. Productivity : Meaning and significance of productivity, productivity vis-a-vis absolute production, measurement of productivity—both overall and separately for each factor like man, machines, materials etc. Productivity and cost, productivity improvement techniques, time study, work sampling and other techniques for productivity monitoring, productivity bargaining tools and techniques, productivity and work ethos as well as quality of work life, job evaluation and merit rating and use of these in productivity of human resources. Cost reduction and value analysis in the context of productivity. Learning curve concepts in the context of productivity.

5. Cost Effectiveness in Operational Decisions : The technique of cost effectiveness analysis, application of the techniques in diverse operational decisions like make or buy, multi-shift operations, plant shutdown, plant location and expansion, retracting of defectives, automation in productive system, utilities management, replacement of machinery and financial impact on technology upgradation and absorption.

Stage—III : Paper 12 : Project Management & Control
(100 marks)

Objective : To provide expert knowledge on formulation, appraisal, financing, administration and control of projects.

Level of knowledge—Expert.

1. Project Identification and Formulation : Different types of needs leading to different types of projects under BMRED (Balancing, Modernisation, Replacement, Expansion and Diversification). Considerations involved in decisions under each of these types.

Macro and Micro parameters in project selection, different considerations for project under private, public and joint sectors. Project formulation—preparation of project profile, project report and detailed project report. Broad criteria for preinvestment decisions.

2. Project appraisal : Different types of appraisal—technical, economic, organisational and managerial, commercial

and financial—financial techniques for project appraisal and feasibility, DCF and non-DCF methods, social cost benefit analysis and economic rate of return. Non-financial justification of projects.

3. Project, Financing : Pattern of financing, sources of finance, impact of taxation, public loans, small savings, surplus of public enterprises, deficit financing, foreign aid, Public sector project financing, Role of Tax Planning in Project Financing.

4. Project Cost Systems : Project cost accounting and monitoring, contractor and its cost system, labour and equipment costs, accounting codification, development of cost data, labour time, reporting, direct measurement of work quantities, labour cost analysis, equipment accounting, activity based cost accounting, production rates for estimates, control of cost, computer application to cost control.

5. Project Administration : Progress payments, expenditure planning, projects scheduling and network planning, use of CPM activities for pay requests, schedule of payments and physical progress, time cost trade off, cash flow preparing, cash forecast and monitoring of fund and other resources, control of groups of projects under one administration and associated problems in sharing resources.

6. Concepts and uses of PERT-Cost and PERT-time : Cost as a function of time, PERT/Cost mechanisms. Accountant's role in PERT/Cost budgeting. Determination of least cost duration.

7. Post project evaluation.

Stage—IV : Paper 13 : Advanced Management Accounting
—Techniques & Applications (100 marks)

Aim : To provide adequate knowledge on cost accounting techniques with quantitative bias to be applied for effective planning and control of operation and for improvement of decision making process.

Level of knowledge : Advanced knowledge for formulation of problem and solution of the same.

1. Introduction : Evaluation of management accounting—full cost allocation, corporate objectives, profitability and other objectives, product services and market mix, information and decision process, quantitative and qualitative factors, reporting for decision making, performance evaluation and its synchronisation with various decision models.

2. Cost allocation : Cost accumulation and allocation, general process of cost allocation and various criteria for decision making, allocation of service department cost, interactions amongst service departments—reciprocal methods, allocating cost from one department to other. Joint and by-product cost—joint product problem, treatment of by-product costs, traditional joint cost allocation methods, decision making with joint products, a non-linear programming model for joint cost allocation, decision significance of the joint cost allocation procedures, identifying byproducts with mathematical programming methods and accounting for by-products.

3. Quantitative Techniques : Business modelling using linear programming, simplex method of solution and sensitivity analysis. Formation of effective matrix and its application to allocation problems (assignments, transportation and travelling salesman). Games theory and its application to marketing problems. Determination of service levels with the help of queueing theory, business modelling using simulation techniques. Replacement models including DCF. Project planning using network analysis.

4. Cost behaviour and regression analysis : Classification and analysis of data for estimation and cost behaviour, standard analysis of cost behaviour using regression analysis, goodness of fit and economic possibility, significance of independent variables, statistical inference in regression. Learning curve estimating learning curve with cumulative effects of learning on productivity, cumulative average time learning model and increment unit time on learning model, learning curve and non-linear cost estimation.

5. Cost-volume-Profit Analysis : CVP assumptions and inter-relationship of cost, volume and profit.

(a) **Deterministic models**—models on CVP analysis, determination of BEP including multiproduct situations, CVP analysis under multiple products, multiple production constraints, CVP models and its uses in decision process.

(b) **Models under uncertainty**: Building of uncertainty models—probability distribution of sale, determination of BE, parametric estimates for normal and non-normal distribution. Multiproduct CVP analysis under uncertainty in prices and costs parameters, expected value of perfect information and sample information.

6. **Pricing and decision process**: Opportunity cost, relevance and contribution approach, irrelevance of past cost, profit maximising pricing model—full cost pricing, incremental cost and ROI pricing, strategic pricing on new product. Full cost pricing—advantages and disadvantages. Measuring the cost of product quality—appraisal cost, prevention cost, internal failure cost, external failure cost, optimal price output decision, expected opportunity losses, policies related to optimum inventory model and opportunity losses. Statistical quality control.

7. **Variance for sales, profit and cost analysis**: Sales and Profit analysis—production mix and yield variance—a decomposition approach to variance—planning and control variance. Cost variance investigation models—materiality significance—statistical significance, non-normal probabilities—control charts—formal models for multiple observations—decision models with costs and benefits of investigation, difficulties in analysis of variances.

8. **Decentralisation and transfer pricing**: Choice of responsibility centre and decentralisation including its merits and demerits, general criteria for transfer pricing—outlay cost and opportunity cost under different market situations, multinational and global tax minimisation, transfer pricing, different methods of evaluating transfer pricing—absorption cost, marginal cost, cost plus profit and standard cost including the limitations of these techniques, choosing a profit index, return of investment, concept of residential income and human problems with control of divisional performance.

9. **Current issues in management accounting**: Inflation and its effects on managerial decision making—social dimensions of business decisions. Human resources accounting—models and their applications. Programme and performance budgeting, zero base budgeting, social accounting and social reporting and human resource planning and optimisation of employees costs.

State IV : Paper 14 : Advanced Management Accounting—Financial Management. (100 marks)

Aim : To provide a detailed insight into accounting processes and their applications to complex business standard.

Level of knowledge—Expert.

1. **Planning Environment**: Financial objectives, policies on financing, investments and dividends. Financial forecasting, planning and uncertainties, interest rates, inflation, capital gains and losses, exchange control regulation, government credit policies and incentives, statistics on production, price indices, labour, capital market based on published statistical data.

2. **Sources of finance (national)**: (a) Medium and long term: Venture capital: seed capital, equity preference, convertible and cumulative preference shares, debentures, convertible debentures, hire purchase, leasing, public deposits and institutional finances—LIC, UTI, IFCT, ICICI, NIDC, IDBI, SIDBI, SFC, IRBI.

Internal sources, retained earnings, provisions etc. Issues in raising finance, legal form of organisation provisions of the Companies Act, control of capital issues, etc. (b) Short term sources: Trade credit, factoring, Bill of exchange, Bank loan, cash credit overdraft.

3. **Sources of Finance (International)** raising funds in foreign markets and investments in foreign projects, exchange rate-risk agencies involved and procedures followed in international financial operations—concepts of balance of trade and balance of payment.

4. **Analysis of operating and financial leverages**: Concept and nature of leverage—operating risk and financial risk, operating leverage, financial leverage and combined leverage concepts, measures and their interpretations. Operating leverage and C.V.P analysis-EBIT and EPS analysis-indifference profit.

5. **Capital Structure theories and planning**: Concept of capital structure and its perimeters, financial structure and capital structure—simple and complex. Theories of capital structure—net income approach, net operating income approach, traditional and Miller and Modigliani approaches and their criticism. Factors for capital structure planning. Capital structure trend in private sectors in India.

6. **Cost of Capital**: Its nature and meaning, relevance of cost of capital in financial, computation of specific cost, selection of weights, overall cost and marginal cost of capital, corporate tax and its impact on cost of capital.

7. **Capital budgeting and impact of time lag in analysis of capital utilisation and availability**—pay back period, present value and internal rate of return including sensitivity analysis, limitations on capital budgeting. Determination of the cost of capital—risk or uncertainty, risk and return in a portfolio context, capital and pricing model (CAPM), inflation, leasing versus buying, income taxes, benefits cost recovery system (higher rate of depreciation), investment credits.

8. **Working capital management**: Operating cycle concept, forecasting working capital requirement, strategies of financing current assets. Working capital and term loans—recommendations of the Tandon Study Group. Monitoring advance management of different components. Working capital management under inflation, new projects and working capital management.

9. **Documentation and Procedures for raising long term and short term finance.**

10. **Advanced Financial analysis and planning**: Financial statements, financial ratio analysis, fund flow and cash flow analysis, leverages, CVP analysis, financial forecasting, interim comparison, financial analysis and aspects of inflation.

11. **Dividend and retention policies**: Formulating a dividend policy factors for consideration. Dividend theories—Walter's model, Gordon's model, residual theory of dividend, Miller and Modigliani hypothesis. The Indian position in private and public sector in general.

12. **Financial management in public sector**: Management of accounts receivables in public sector units, source of fund of public sector units—cost of loans, cost of equity, cost of retained earning and debt-equity ratio. Evaluation and control of capital expenditure—determination of cash flows and cost benefit analysis. Pricing policy of public enterprises, project formulation and implementation. Social cost benefit analysis.

Stage—IV : Paper 15 : Advanced Management Accounting—Strategic Management. (100 marks)

Aim : To cover adequate knowledge of organisation and its environment, formulation and importance of strategic planning in achieving organisational objectives and role of Management Accountant in the control of marketing and strategic planning.

Level of knowledge: Expert.

1. Strategic Planning

(i) **Planning Environment** Economic—forecasts, trend and changes—social, political, legal and technological impacts. Distribution channels and competitive forces. Government policies, economic growth and government expenditure. Public and private sector investment. International trade prices and government policies for capacity expansion, new industries, emphasis on some products, subsidiaries and substitutes. Government policy and inflation.

(ii) **Strategies**: Meaning and implications of corporate planning, long range planning, business policy planning, strategic planning and strategic management, processes of developing strategic plan—definition of

mission, corporate objectives, (profit gap, sales gap, risk gap and other strategies), SWOT (Strength, weakness, opportunities and Threats) analysis, target setting strategy formulation and implementation, monitoring mechanism, strategies for stagnation vs. growth, strategies for growth through expansion vs. diversification. Acquisition and merger strategy. Strategy of joint venture—both in India and abroad. Marketing strategy as a part of corporate strategy, growth under inflation and protection of shareholders real capital. Financial objectives, non-financial objectives, resources analysis and evaluation.

- (iii) Model Building : Strategies in the development of models, Delphi model, econometric, mathematical programming, budgetary and Heuristic model. Sensitivity analysis and the characteristics of this model. Limitations in model building vis-a-vis simulation techniques.

2. Marketing

(i) Concept—Production orientation vs. market orientation, marketing objectives, framework and management of marketing-mix, (ii) linkage between strategic planning and marketing strategy—both forward and backward, (iii) research and intelligence—sources for and techniques for acquiring information necessary for marketing decision-making, (iv) control or application of management accounting in marketing—analysis of marketing costs and profitability, pricing policies and strategies, budgetary control in marketing, evaluation and control of sales activities.

Evaluation of sales promotion and advertisement. Distribution costs analysis and control. Evaluation of marketing research and marketing planning.

Contribution analysis and product-line profitability analysis. Product rationalisation including product revamping, product range extension, product elimination and also new product introduction. Evaluation of research information—perfect, imperfect and Bayes' Theorem.

Stage IV : Paper 16 : Advanced Management Accounting—Cost Audit. (100 marks)

Aim : To provide an indepth study of the body of knowledge comprising of the techniques and methods of planning and executing a Cost and Management Audit assignment.

Level of Knowledge : Expert.

Section I : Cost Audit. (50 marks)

1. Nature, Objects and Scope of Cost Audit : The concepts of efficiency audit, propriety audit, management audit, social audit.

2. Appointment of Cost Auditor—His rights, responsibilities, status, relationship and liabilities—professional and legal under the Companies Act, 1956, the Cost and Works Accountants Act, 1959 and other Statutes.

3. Planning the Audit—Familiarisation with the Industry, the organisation, the production process systems and procedures, list of records and reports, preparation of the audit programme.

4. Verification of records and reports—Utilisation of statistical sampling methods—verification of performance and statement under the Cost Accounting (Records) Rules.

5. Evaluation of Internal Control Systems : Budgetary Control capacity utilisation, inventory control, management information system.

6. Assessment of the adequacy of the internal audit function.

7. Audit notes and working papers—audit reports to management.

8. The Cost Audit Reports—Contents of the Report—distinction between "Notes and Qualifications" to the Report. Cost Auditor's observations and conclusions.

9. Professional Ethics and Code of Conduct.

10. Relationship between the Statutory Financial Auditor, the internal auditor and the statutory cost auditor.

11. Cost Accounting (Records) Rules under Section 20 (1)(d) issued one year before the examination and Co. Audit (Reports) Rules under section 233(B) of the Companies Act, 1956. Critical Study of the Rules applicable to the industries covered including the prescribed Annexures & Proformas.

12. Review of Cost Audit Report by the Government : Objectives, methods follow-up actions and disposal of Cost Audit Reports by the Government, company and other end-users of the Cost Audit Reports.

13. Comparative Studies between cost audit and financial audit with special reference to disclosure of information to members, Parliament and the general public.

14. Special Penal provision for Cost Auditors.

Section—II : Cost Audit leading to other services.

(50 marks)

A. Management Audit

1. Meaning, nature and scope, organisational needs for Management Audit and its coverage over and above other-audit procedures.

2. Audit of the Management Processes and Functions such as Planning, Organisation, Staffing, Coordination, Communication, Direction and Control.

3. Evaluation of Management Information and Control systems with special emphasis in Corporate Image and Behavioural Problems.

4. Corporate service audit (customer services); Product (R & D) and Import substitution, customers channels (export, etc.).

5. Corporate Development and Management Audit, including operational and propriety aspects.

6. Social Cost and Benefit of business enterprises with particular reference to developing countries.

7. Audit of Social responsibility of management.

B. Other Services.

8 (a) Other services to the Management, Certification for various purposes—the records to be verified and the safeguards to be taken—the form and content of the certificates.

(b) Cost Audit as an aid to management, Government shareholders, other agencies and the public voluntary Cost Audit.

(c) Productivity Audit—labour, material and capital.

(d) Audit of Energy Conservation and Environmental Protection.

(e) Efficiency Audit—audit of subsystems of an enterprise

(f) Assessment and quantification of losses under marine, fire and accident policies.

(g) Inventory Audits for Banks and other agencies.

XII. For the existing Regulation 35, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"35. (1) Exemption from the subjects of Final Examination—

In the case of candidates registered as students on or after 1st July, 1991, the Council shall have the power to decide, and shall decide, from time to time, the individual subjects from which exemption may be granted to students who have passed such examination of any university or on reciprocal basis of such Professional Institute/bodies in India or abroad, as may be recognised by the Council in this behalf.

(2) The Council shall also have the power to decide, and shall decide the individual subjects/stages of the inter-

mediate examination from which a candidate who is admitted as a fresh Registered student under Regulation 25A shall be exempted on the basis of exemption from individual subjects/stages previously secured by him under his former registration.

(3) Any candidate who has passed or obtained exemption from any of the following paper(s) of Final Examination under old syllabus shall be exempted from the corresponding paper(s) of Final Examination under the Revised syllabus under this Regulation as indicated below :

Papers of Final Examination under old syllabus.			Corresponding equivalent papers of Final examination under Revised syllabus.		
Gr.	Paper No.	Name of paper	State	Paper No.	Name of paper
I	1	Financial Management & Corporate Planning and Policy	IV	14	Advanced Management Accounting—Financial Management
I	3	Advanced Accountancy	III	9	Advanced Financial Accounting.
II	2	Cost Audit and Management Audit	IV	16	Advanced Management Accounting—Cost Audit
II	4	Advanced Cost and Management Accountancy—Methods, Techniques & Applications.	IV	13	Advanced Management Accounting—Techniques & Application.

A candidate who has obtained exemption or obtained the benefit of carry forward of marks in any of the above papers of the Final Examination under old syllabus shall be entitled to exemption only in the corresponding equivalent papers of Final Examination under the Revised syllabus. However, the benefit of carry forward of marks by virtue of the result of any examination under old syllabus shall not be available in any paper of Final Examination under Revised syllabus.

obtained by him in that or those papers in which he had obtained 60 per cent or more marks, for the purpose of computing his result in the subsequent examinations.

Provided however that if the benefit of exemption of carry forward mentioned in (i) and (ii) above is voluntarily withdrawn by a candidate he shall not be entitled to such benefit in his future attempts.

XIII. For the existing Regulation 41, the following new Regulation shall be substituted, namely.

(3) A candidate who passes the examination obtaining 70 per cent of the total marks of all the papers of the examination at one sitting shall be deemed to have passed the examination with distinction.

41. Examination Results—(1) A list of successful candidates in an examination shall be published in the Journal of the Institute in such manner as the Council may direct. The names of candidates obtaining distinction in the examination shall be indicated in the list. Each candidate shall be individually informed of his results and also of the marks obtained by him in the paper or papers of the examination in which he appeared.

(4) Information as to whether a candidate's answers in any particular paper or papers of any examination have been examined and valued will be supplied to the candidate on his forwarding, within a month of the declaration of the said examination results, an application accompanied by a fee of Rs. 10/- per paper subject to a maximum of Rs. 30/-. The fee is only to verify whether a candidate's answers in any particular paper or papers have been examined and valued, and not for the revaluation of answers. The marks obtained by the candidates in individual questions or in sections of a paper cannot, in any circumstances, be supplied. If, as a result of such verification, it is discovered that there has been either an omission to examine or value any answer or answers or there has been mistake in the totalling of the marks, the fee for verification shall be refunded in full to the applicant.

Provided that in any case where it is found that the result of an examination has been affected by error, malpractice, fraud, improper conduct, or in any other way, the Examination Committee shall have the power to suitably amend such result and to make such declaration as the Committee considers necessary.

(5) If after a period of six months from the date of declaration of results of an examination a candidate requires a duplicate copy of his marksheet in respect of that examination, he shall be supplied with such duplicate copy of marksheet on receipt of an application from him in that behalf and on payment of Rs. 10/- on account of fee for duplicate marksheet; provided that the application for supply of duplicate copy of marksheet in respect of an examination shall be made within five years from the date of declaration of results of that examination."

(2) (a) A candidate shall be declared to have passed in an examination when he has passed in all the stages comprised in that examination from which, he has not been exempted. A candidate shall ordinarily be declared to have passed in a stage of an examination if he gets at one sitting the minimum per cent of the total marks in each paper from which he has not obtained exemption as specified in Col. I below and an aggregate of 50 per cent of the total marks of all such papers in that Group :

XIV. For the existing Regulation 45, the following new Regulation shall be substituted, namely.

Minimum per cent of the total marks in each paper from which he has not obtained exemption as specified in Col. II below and an aggregate of 50 per cent of the total marks of all such papers in that Group :

Col. I	Col. II
Stage I or Stage II of the Intermediate Examination held under Regulation 34,	40 per cent.
State III or Stage IV of the Final Examination held under Regulation 34.	

45. Training for Members—The Council may impart or arrange to impart practical and/or theoretical training through lectures, seminars, summer camps and factory visits and the like, in such subjects as it considers useful for members of the Institute.

(b) A candidate who is not declared successful in a Stage of any examination—

XV. For the existing Regulation 46, the following new Regulation shall be substituted namely.

(i) but obtains 60 per cent or more of the total marks in any paper or papers, shall be exempted in subsequent examination from that or those papers in which he secured 60 per cent or more marks; or

46. Research in Management Accounting/Financial Management and Allied areas.

(ii) but obtains 60 per cent or more of the total marks in any paper or papers and a minimum of 40 per cent of the total marks in each of the remaining paper or papers of that Stage, shall be allowed the benefit of carry forward of the actual marks so

Members of the Institute, of at least one years' standing as members, desirous of undertaking research in the fields of management accounting/financial management and allied areas, shall register themselves under a Recognised Guide and submit a Thesis after three years of research work.

XVI. For the existing Regulation 47, the following new Regulation shall be substituted namely :

"47. Guidance for Researchers : The Council shall maintain a Panel of Recognised Guides for the purpose. The Training and Educational Facilities Committee shall provide such guidances to the researches from time to time as may be necessary.

XVII. For the existing Regulation 48, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"48. Enrolment as a Researcher : Every member of the Institute wishing to pursue a research programme under this Regulation, shall apply to the Institute in such Form as may be prescribed and pay Rs. 500/- as Registration fees. He will indicate at the time of Registration the Broad Topic in which he intends to pursue research and the Guide under whom he intends to work. The consent of the Guides shall be obtained in writing."

XVIII. For the existing Regulation 49, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"49. Submission of the Thesis : The Researcher shall, after a period of three years' study, submit the Thesis to the Institute in triplicate with a certificate from the Guide that he has satisfactorily completed the Research Work under him. A amount of Rs. 200/- shall be sent along with the Thesis as Evaluation Fee."

XIX. For the existing Regulation 50, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"50. Evaluation of the Thesis and Declaration of Results : The Examination Committee shall have the thesis evaluated by two independent referees in addition to the Guide and also conduct a viva voce test for the purpose. The total marks to be awarded shall be 200. A candidate securing 60 per cent of the total marks shall be declared successful and shall be permitted to use the designatory letters 'Res MA'. The results of the Viva Voce test shall be published in the Journal of the Institute."

XXI. For the existing Regulation 51, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"51. (a) Passing Certificate and Designatory Letters : A successful candidate shall be issued a certificate in Form J. Such candidate shall be permitted to use the designatory letters 'Res M.A.' after his name."

(b) Resubmission of Thesis in the case of unsuccessful candidates : A candidate who is declared unsuccessful may resubmit the Thesis for evaluation with such modifications and improvements as may be suggested by the Guide. The revised Thesis shall be evaluated as per regulation 50. The candidate shall not be required to keep fresh terms; however, he shall pay afresh the Examination fee of Rs. 200/-. If the candidate's thesis is rejected even on the resubmission, he shall be required to join the programme afresh and keep fresh terms of three years."

Training and E.F. Committee
S. M. CHATTERJEE
Secretary

Explanatory Note on the above Amendments

The following is the Explanatory Note on the amendments proposed in Notification No. CWR (1)/90 dated 23rd May 1990. This note is intended only to clarify the intention of the Council underlying these amendments and should not be construed as limiting or amplifying the scope of these amendments in any manner whatsoever.

The Council of the Institute has been engaging its attention to the need of revising the existing syllabi of the Institute's examinations. The reasons for such revision, inter alia, are (1) to remove the imbalances between different groups of the intermediate and Final courses, (2) to re-design the course contents in light of the changing conditions, indicating the objective and the level of knowledge expected in each subject, (3) to improve knowledge and skills of the new entrants to the profession, (4) to introduce increased quantitative approach to problems with stresses on their application and on statistical concept, and (5) to make the courses more

management-oriented. With these objectives in view, the Council of the Institute proposes introduction of the revised syllabi, making adequate transitional provisions for existing students changing over to the proposed syllabus so that they are exempted from the relevant subjects on the basis of their performances in the corresponding subjects or Groups of the current syllabus.

Opportunity has also been taken to update the existing provisions and to delete the obsolete or redundant provisions.

Item I : At present the eligibility for direct admission to Intermediate course is to secure an aggregate of not less than 50% of total marks of the degree examination. Now the restriction of marks is waived and a candidate may get direct admission to Intermediate course, without undergoing Foundation course, if he passes a degree examination of a University.

Item II : This lays down the eligibility for taking Foundation course Examination which is similar to the eligibility criteria for taking Preliminary Examination.

Items III & IV : Fees and syllabus and standard of pass Foundation course and related issues.

Item V & VI : Rewording of existing Regulations with necessary changes.

Item VII : The Council has decided that under Revised syllabus a candidate shall be admitted to Stage II of Intermediate examination only after passing Stage I. However, a student can take both the Stages I & II at one sitting.

Item VIII : In switching over from the current syllabus of Intermediate examination to the Revised syllabus thereof, the Council has decided as under :—

- (a) The first Intermediate examination under revised syllabus shall be held in December 1991. The last Intermediate examination under existing syllabus shall be held in June, 1993. In other words, Intermediate examinations under both the current and revised syllabi shall be held concurrently for four consecutive terms only, on and from December 1991 examination upto and including June, 1993 examination.
- (b) Students registered on or after 1st July, 1991 shall be examined in the respective Intermediate examination under revised syllabus only. Students registered before 1st July 1991 may also opt for the revised syllabus of Intermediate examination, and if so opted, they shall be examined in their respective Intermediate examinations under revised syllabus only. On and from December 1993 examinations all candidates of Intermediate examination shall take the examination under revised syllabus only.

Item IX : The Council has not yet decided any exemption to be granted on reciprocal basis to our Sister Professional Institutes. It would be notified separately as and when decided by the Council.

Item X : The Council has decided that a candidate shall not be admitted to Stage IV of Final examination without passing Stage III thereof. However, a candidate can appear in both the Stages III & IV in one sitting.

Item XI : In switching over from current syllabus of Final examination to the revised syllabus thereof, the Council has decided as under :—

- (a) The first Final examination under revised syllabus shall be held in December 1991. The last Final examination under current syllabus shall be held in June, 1993.
- (b) Students who pass the Intermediate examination (whether under current or revised syllabus) in June 1991 or afterwards shall be examined in their respective Final examinations under revised syllabus only. Those who pass the Intermediate examination prior to June 1991 examination may also opt the revised syllabus of Final examination and if so opted,

they shall be examined in their respective Final examinations under revised syllabus only.

On and from December, 1993 examinations all candidates of Final Examination shall take the examination under revised syllabus only.

Item XII : The Council has not yet decided any exemption to be granted on reciprocal basis to our Sister Professional Institutes. It would be notified separately as and when decided by the Council.

Item XIII : The Council has decided to modify the standard of pass. The individual pass marks in each paper under revised syllabus shall be 40% as against 35% pass marks in each paper under current syllabus.

Item XIV to XX : The Council has decided to introduce a Post-membership qualification solely on the basis of Research Thesis and relevant Viva Voce test instead of existing system of Management Accountancy examination (which is partly by written examination and partly by Thesis). It is proposed to award the designatory letters 'Rs M.A.' for such post-membership qualification (as against the existing designatory 'Dip. M.A.').

S. M. CHATTERJEE

Secretary
Training & E.F. Committee

EMPLOYEE'S STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 30th July 1990

No. U-16.53/89-Med.II(MP).—In pursuance of the resolution passed at its meeting held on 25th April conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23rd May, 1983, I hereby authorise Dr. R. C. Verma of Raigarh (MP) to function as Medical Authority from the date he takes over charge for one year or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier for Raigarh (MP) Centre on payment of Rs. 400/- per month remuneration for two sessions in a week for the purpose of Medical examination of the Insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. K. M. SAXENA
Medical Commissioner

REGIONAL OFFICE (KARNATAKA)

Bangalore, the 31st July 1990

No. 53.V.34.13-9-90.Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for K.G.F. Area under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulation 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

LOCAL COMMITTEE K.G.F. AREA

CHAIRMAN

1. Under Regulation 10-A(1)(a)
Dy. Labour Commissioner,
Region-2,
Bangalore.

MEMBERS

2. Under Regulation 10-A(1)(b)
Labour Officer,
Kolar.
3. Under Regulation 10-A(1)(c)
The Insurance Medical Officer,
E.S.I. Dispensary,
B.E.M.L. Nagar,
K.G.F.
4. Under Regulation 10-A(1)(d)
(a) Shri Gopal Rao,
Asstt., General Manager,
(PA & IR), B.E.M.L.,
K.G.F.

- (b) Shri J. A. K. Tareen,
Senior Manager (P & IR)
B.E.M.L. Nagar,
K.G.F.

- (a) Shri K. V. Anotony,
Manager,
Workers Affairs, B.E.M.L.
K.G.F.

5. Under Regulation 10-A(1)(e)

- (a) Shri C. V. Venugopalan,
President,
B-343-05832, Type-II,
No. 455, B.E.M.L. Nagar, Post,
K.G.F.

- (b) Shri S. Jhamodharan,
Vice-President-II,
B-433, 10333,
B.E.M.L. Nagar Post,
K.G.F.

- (c) Shri D. Nagarajan,
General Secretary,
B-432-06187,
B.E.M.L. Nagar Post,
K.G.F.

MEMBER-SECRETARY

6. Under Regulation 10-A(1)(f)

- The Manager,
Local Office,
E.S.I. Corporation,
K.G.F.

No. 53.V.34.13-9-90.Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for Mysore Area under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulations 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

LOCAL COMMITTEE—MYSORE AREA

CHAIRMAN

1. Under Regulation 10-A(1)(a)
Assistant Labour Commissioner,
Mysore.

MEMBERS

2. Under Regulation 10-A(1)(b).
Labour Officer (Conciliation),
Mysore.
3. Under Regulation 10-A(1)(c)
The Administrative Medical Officer/
Superintendent,
E.S.I. Hospital,
4. Under Regulation 10-A(1)(d)
(a) Shri N. C. S. Shastri,
Personnel Manager,
B.E.M.L.,
Mysore.
- (b) Shri P. Jyothilingana Gowda,
Manager,
(Industrial Relations)
M/s. Vikranth Tyre Ltd.,
K.R.S. Road,
Metagalli,
Mysore.
- (c) Shri H. M. Swamy Gowda,
Junior Officer (P&A),
M/s. Bhoruka Aluminium Ltd.,
No. 1, K.R.S. Road,
Metagalli,
Mysore.
5. Under Regulation 10-A(1)(e)
(a) Shri R. Mohan Kumar,
Secretary,
C.I.T.U., Lakshmi Building,
Opposite to Town Hall,
Mysore.

- (b) Shri S. V. Ramesh Rao,
Assistant,
M/s. Mandya National Paper Mills Staff Union,
Belagula,
Mysore.

- (c) Shri Chandraiab,
General Secretary,
Bharathiya Mazdoor Sangh,
Kalyana Bhavan,
Thyagaraja Road,
Mysore.

MEMBER/SECRETARY

6. Under Regulation 10-A(1)(f)
The Manager,
E.S.I. Corporation,
Local Office,
Mysore (V.V. Mohalla).

No. 53.V.34.13-9-90Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for Mangalore Area under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulation 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

LOCAL COMMITTEE—MANGALORE AREA

CHAIRMAN

1. Under Regulation 10-A(1)(a)
Assistant Labour Commissioner,
Mangalore.

MEMBERS

2. Under Regulation 10-A(1)(b)
Labour Officer,
Dakshina Kannada,
D. K. Sub-Division-I,
Mangalore.
3. Under Regulation 10-A(1)(c)
The Administrative Medical Officer/
Superintendent,
E.S.I. Hospital,
Mangalore.
4. Under Regulation 10-A(1)(d)
(a) Shri K. Seshidhara Rao,
Advocate and Labour Law Consultant,
K.S. Rao Road,
Mangalore.
- (b) Shri Louis Moskareis,
Labour Welfare Officer,
K.S.R.T.C.,
Mangalore Division.
- (c) Shri N. Soman,
General Manager (Accounts)
Lamina Suspension Products (P) Ltd.,
Bykampadi,
Mangalore.
5. Under Regulation 10-A(1)(e)
(a) Shri K. Shembusetty,
Vice-President,
B.M.S.,
Mangalore.
- (b) Shri K. Moosabha,
President, INTUC,
Mangalore.
- (c) Shri Ravindra Naik,
E.C. Member, INTUC,
Mangalore.

MEMBER/SECRETARY

6. Under Regulation 10-A(1)(f)
The Manager,
E.S.I. Corporation,
Local Office,
Mangalore.

No. 53.V.34.13-9-90.Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for Nanjangud Area under Regulation

10-A of the E.S.I. (General) Regulation 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

LOCAL COMMITTEE—NANJANGUD AREA

CHAIRMAN

1. Under Regulation 10-A(1)(a)
Assistant Labour Commissioner,
Mysore.

MEMBERS

2. Under Regulation 10-A(1)(b)
Labour Officer,
Mysore.
3. Under Regulation 10-A(1)(c)
Insurance Medical Officer,
Nanjangud.
4. Under Regulation 10-A(1)(d)
(a) Shri Mohamed Saleemaddin Ahmed,
Personnel Manager,
M/s. Kureem Cascami Ltd.,
Nanjangud.
- (b) Shri B. V. Balasubramanyam,
Director/Secretary,
M/s. Sadvidyashala Ltd.,
Nanjangud.
- (c) Shri H. N. Vasanth Kumar,
Personnel Manager,
M/s. The South India Paper Mills Ltd.,
Nanjangud.
5. Under Regulation 10-A(1)(e)
(a) Shri Mohamed Akbar,
Secretary,
The South India Paper Mills Employees Union,
Nanjangud.
- (b) Shri Mohamed Habibe,
Secretary,
Sadvidyashala Private Ltd.,
Workers Union,
Nanjangud.
- (c) Shri H. Goansalves,
Trade Unionist,
No. 93, 8th Cross, Shivaji Road,
N.R. Mohalla,
Mysore-7.

MEMBER/SECRETARY

6. Under Regulation 10-A(1)(f)
The Manager,
Local Office,
E.S.I. Corporation,
Nanjangud.

By Orders
G. APPANNA RAO
Regional Director

Dated 31-7-1990

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
DEPARTMENT OF POSTS

New Delhi-110 001, the 3rd August 1990

No. 25-9/90-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Department custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	NW/7745-C Dated 4-9-86 BA/58	Shri Sudama Ram Pal	10,000

No. 25-20/90-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Department custody, notice is

hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	494465-C dated 7-1-84	Smt. D.C. Mahajan	20,000
2.	400667-P dated 1-3-80	Smt. V.S. Babar	10,000
3.	399220-P dated 29-1-80	Shri K.V. Salunke	10,000

P. GOPINATH
Director (PLI)

Annexure A

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 8th May 1990

No. SRO/JCB/3/26/575/C.—WHEREAS draft of byelaws for regulating the registration and classification of contractors carrying out cantonment works Jalandhar Cantonment made by the Cantonment Board, Jalandhar Cantonment in supersession of the byelaws published in the notification of Government of India in the Ministry of Defence SRO No. 310, dated the thirteenth August, 1955, was published with Cantonment Boards Notice No. JCB/3/26/2938/C dated 08th November 1989, as required by section 284 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924) for inviting objections and suggestions till 7th December, 1989;

And Whereas the said notice was put on the Cantonment Notice Board on the 8th November, 1989;

And whereas no objections or suggestions were received from the public by the Cantonment Board after the said date;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said draft of the byelaws;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 284 of the said Act, the Cantonment Board hereby makes the following Bye-laws, namely :—

Short title and commencement :—

- (1) These byelaws may be called the Jalandhar Cantonment Board (Registration and Classification of Contractors) Bye-laws, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Registration of Contractors :

2. No person shall be registered and approved as a contractor of the Cantonment Board, unless :—

- (i) the Executive Officer, has with the approval of the Cantonment Board, granted to such person a licence under these bye-laws; and
- (ii) such person has paid the amount of registration charges specified in bye-law 6.

Eligibility for tender :

3. No person shall be eligible to submit a tender in respect of a work of the Cantonment Board, unless he is a registered contractor under these bye-laws and his name is entered in the list of the approved contractors of the Board.

Classes of contractors :

4. There shall be the following four classes of contractors registered under these bye-laws, namely :—

Class 'A'—Contractors of buildings, roads, drains and maintenance etc.

Class 'B'—Contractors of all kinds of stores e.g. miscellaneous articles, electric goods, water supply material and building material and engineering articles etc.

Class 'C'—Contractors of printing and stationery and sewing of clothes etc.

Class 'D'—Contractors of washing of clothe etc.

Application form :

5. Any person desirous of being an approved contractor of the Board shall make an application in the form annexed to these bye-laws.

Registration charges :

6. (1) Registration charges and renewal charges for the above classes of contractors will be, as under :—

Class 'A'—Registration charges of Rs. 2000/- non-refundable; and renewal fee of Rs. 1000/- for one year.

Class 'B'—Registration charges of Rs. 1000/- non-refundable; and renewal fee of Rs. 500/- for one year.

Class 'C'—Registration charges of Rs. 500/- non-refundable; and renewal fee of Rs. 250/-, for one year.

Class 'D'—Registration charges of Rs. 25/- non-refundable and renewal fee of Rs. 15/- for one year.

(2) If the registration is not renewed for one year, the contractor will have to register himself again after paying the usual registration charges afresh.

Earnest money and security :

(1) Class 'A' Contractors shall deposit an earnest money in cash @ 2% of the contract value at the time of tender. Without earnest money, the tender will not be accepted. Every contractor will deposit a security, in cash or in the form of a FDR pledged to the Cantonment Executive Officer, equivalent to 10% of the tender amount, if the cost of the work undertaken is more than Rs. 2 lakh; before undertaking the work. If the amount of the work is below Rs. 2 lakh; security amount @ 5% of the tender value will be deposited by the contractor in cash or in the form of FDR pledged to the Cantonment Executive Officer. The security will not be released within one year from the date of completion of the work.

(2) The contractors of classes 'B', 'C' and 'D' will deposit the security amount, in cash or in the form of FDR pledged to Cantonment Executive Officer, equivalent to Rs. 2000/- Rs. 1000/- and Rs. 100/- respectively at the time of submitting the tenders which will be refunded except to the successful tenderer. The security will be released after one year or till the financial year is over. No separate earnest money shall be payable by any registered contractors of classes 'B', 'C' and 'D' respectively at that time of submitting tenders.

FORM

(See bye-law 5)

APPLICATION FOR THE REGISTRATION AND LICENSING OF A CONTRACTOR.

I/We, am/are desirous of being registered in the list of contractors for the Cantonment Board, Jalandhar to undertake the following categories of work :—

Class 'A' - Contractors of buildings, roads, drains and maintenance etc.

Class 'B' - Contractors of all kinds of stores e.g. miscellaneous articles electric goods, water supply material and building material and engineering articles etc.

Class 'C' - Contractors for printing and stationery and sewing of clothes etc.

Class 'D' - Contractors for washing of clothes etc.
(Delete those not applicable).

Statement of my/our capabilities and resources is as under :—

Particulars of Contractor

- (1) Name (Proprietor/Partner).

- (ii) Address for correspondence.
- (iii) Permanent Address.
2. *Particulars of Property.*
 - (i) Moveable (attach Bankers reference).
 - (ii) Immoveable (attach certificate from Deputy Commissioner/Collector or a First Class Magistrate).

3. *Particulars Of Experience.*

Works carried out.

Note:—(Attach a list showing clearly the name of the work, the amount, the locality, and when executed).

4. *Particulars Of Contractor's Firm*

- (i) Organisation
- (ii) Head Office
- (iii) Local office
- (iv) Workshop
- (v) Plant
- (vi) Transport
- (vii) Telephone No.
- (viii) Telephonic address.

(A). Particulars of person holding power of attorney.

(B). Name of Bankers.

(C). Particulars of all companies or firms of Association of persons in which the applicant is substantially interested in his individual of Judiciary capacity.

5. *Particulars of Supervisory Staff.*

- (i) Do you supervise personally?
- (ii) Detailing of supervisory staff :—
 - (a) Name
 - (b) Permanent address
 - (c) Qualification
 - (d) Function
 - (e) Powers

6. *Income Tax*

(An Income Tax Clearance Certificate in the proforma attached should accompany this application).

7. *Relationship with Cantonment Board registered Contractors Members and Employees of the Cantt Board Jalandhar.*

- (i) Name of related firms.
- (ii) Nature of relationship.
- (iii) Particulars of his/their registration.

8. *Details of other Enlistment.*

- (a) If you are at present enlisted as a contractor of any Govt. Department, Local Body etc. attach reference.
- (b) State whether after enlistment you were ever removed from the list or debarred from tendering or blacklisted.

9. I/We agree to notify to the Officer accepting this application and registering my/our names in the Cantonment Board list of contractors of any changes in the foregoing particulars as and when they occur and to verify and confirm these particulars annually on 1st January every year.

10. I/We understand and agree that the appropriate Cantonment Board authority has the right as it may decide, not to issue tender from in any particular case and also to suspend, remove or black-list my/our name from the Cantonment Board list of contractors in the event of my/our submission of non-bona-fide tenders or the technical or other delinquency in regard to which the decision of the appropriate Cantonment Board authority shall be final and conclusive.

11. I/We certify that the above particulars are correct and that should it be found that I/We have given a false certificate, or that if I/We fail to notify the fact or my/our subsequent amalgamation with another contractors of firms, my/our name will be removed from the Cantonment Board list of contractors and any contract that I/We may be holding at the time is liable to be rescinded.

8-209GI/90

12. I/We undertake not to employ directly or indirectly and personnel dismissed from the service of the Government and Local Bodies in my/our business.

13. I/We note that registration as Cantonment Board contractors does not carry with it the right to tender for Cantonment Board works.

14. I/We agree to execute a contract deed in favour of the Cantonment Board, Jalandhar on non-Judicial stamp Paper of Proper value in accordance with the draft contract deed which we have read and understood within the prescribed time for any work for which tender has been accepted by the Cantonment Board. The cost of the deed including the stamp duty, if any, shall be borne by me/us.

Encl :—One Proforma.

Signature of contractor.

Dated :—

(FOR CANTONMENT BOARD USE ONLY)

(To be appropriately completed by the Registering Officer).

M/S/Shri _____
are/is registered as a Cantonment Board contractor for _____ to Cantonment Board, Jalandhar
Cantonment for the year _____ Their/His
Registration Number is _____/19_____.
Dated : _____

Signature :

Designation :

INCOME TAX CLEARANCE CERTIFICATE

1. Name and style (of the company, firm HUE or individual) in which the applicant is assessed for assessable to income tax and address for the purpose of assessment.

2. Name & address of all companies, firms or association of persons in which the applicant is substantially interested in his individual or fiduciary capacity.

3. The income tax Circle/Ward/Distt. in which the applicant is assessed to income tax and the General Income Tax Register No. _____

4. The following particulars are to be furnished concerned the income tax assessment for the preceding four years.

- (a) The total contract amount received during the preceding four accounting years (give date of the closing day of the year) being previous years of

(b) Year assessed	Total Income	Tax Demanded	Tax Paid	Balance Due
1	2	3	4	5

Note :—1. Tax in clause 3 and 4 should include all items viz. Income Tax Sales Tax, Surcharge, Excess profit tax and Business Profit Tax.

2. If any tax remained unpaid the reason should be explained in an attached statement.

(c) In case there has been no Income Tax assessment in any year, whether returns have been submitted under Section 22(1) or 22(2) or tax has been paid, in advance under Section 18A(3) of the Act and if so, the amount of Income returned for each year and tax for each of the four years mentioned above and the income tax Circle/Ward/Distt. concerned where such returns have been filled, give reasons for the same.

(d) Whether any attachment or certificate proceedings pending in respect of the arrears.

(e) The name & address of branches, if any.

I declare that the above information is correct and complete to the best of my information and belief.

Signature of the contractors.

Registration No.

Address :

Dated :

In my opinion the assessee mentioned above has been /above has not been doing every-thing possible to pay the tax demands promptly and regularly and to facilitate the completion of the pending proceedings.

This certificate is valid for one year from the date of issue.

Dated :

Seal :

Signature of Income Tax Officer
Circle/Ward/Distt.

Note :—The applicant will have to file two copies of the Income Tax Clearance Certificate before the Income Tax Officer one of which will be completed in full and the other omitting item iv(a) to (e). The latter will be the copy of which will be returned to the assessee duly verified by the Income Tax Officer to be filled before the authority concerned.

RS CHEEMA
Cantt Executive Officer,
Jalandhar Cantonment.

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi, the 30th July 1990

CORRIGENDA

No. P.IV/1(2)/87/RR.—In the notification No. P.IV/1(2)/87/RR, published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 09-06-90;

- (i) In the proviso to rule 5, for the word "whee" read the word "where".
- (ii) In the Schedule, under column (2), relating to No. of Posts read No. '01' instead of "10".

The 31st July 1990

No. P.IV/1(9)/89.—In the notification No. P.IV/1(9)/89, published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 16th June, 1990;

- (i) In the first para for the words "(State and Conditions of Service Regulations, 1962)" read the words "(Staff and Conditions of Service) Regulations, 1962".
- (ii) In the clause (A) of rule 2, for the words "against Sl. No. 1A" read the words "against Sl. No. 11A".
- (iii) In the foot note :—
 - (a) against Sl. No. 22 read "1-12-1984" instead of "29-12-1984".
 - (b) against Sl. No. 26 read "31-10-86" instead of "21-10-86".

The 1st August 1990

No. CPFC.1(4)/WB(159)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	WB/25936	M/s. J.P. Engineering Corporation (P) Limited, 37, Strand Road, Calcutta-700001, including its sales office at 'Malancha' 4A, Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta-700020.	1-11-1988

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

No. CPFC.1(4)KN(160)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	KN/13339	M/s. J.B. Enterprises, No. 53, Xavier Layout, Bangalore-560047.	1-7-1989

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

No. CPFC.1(4)KN(161)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	KN/13356	M/s. Guardwell & Detective Services, No. 1514, II Floor, Mahakavi Kuvempu Road, Mariappan Palya Rajajinagar, Bangalore-560021.	1-12-88
2.	KN/13450	M/s. Vyavasaya Seva Sahakara Sangha Niyamitha, Gowdagere, Hunsur Taluk, Mysore Dist.	30-9-89
3.	KN/	M/s. Vyayasaya Seva Sahakari Sangh Niyamitha, Halebeedu, Belur Tq. Hassan.	31-1-88
4.	KN/13040	M/s. Sharavathi Nursing Home, B.H. Road, Shimoga.	1-11-88
5.	KN/11710	M/s. A.S. Mangale Foundries, Plot No. 11, 689 (342) (1) Udayambagh, Near B.K. Industry, Belgaum-590008.	1-3-88
6.	KN/11333	M/s. Fluid Dynamics (P) Limited, 156-159, Mache Industrial Estate, Belgaum-591181.	1-7-87
7.	KN/12187	M/s. Kutta Vyavasaya Seva Sahakara Sangha Niyamitha, Kutta, S. Goorg.	1-5-88

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the dates mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC.1(4)AP(162)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	AP/18138	M/s. The Rajampet Co-operative Town Bank Limited, Rajampet, Cuddapah Distt.	1-10-88
2	AP/18541	M/s. Electromechs. F-II, Industrial Estate, Cuddapah.	1-1-89

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC.1(4)KR(163)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	KR/11674	M/s. Rubber Tex, C-23, Industrial Estate, Calicut-5.	1-2-90
2.	KR/11668	M/s. Ponnani Co-operative Urban Bank Limited, K.K. Junction, Ponnani, Mallapuram Distt.	1-1-90

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

No. 2/1959/DIL/Exempt/89/Pt-I/3894.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Indian Coffee Workers' Co-operative Society Ltd., 37-C, 1st Floor, J. Nehru Street, Pondicherry-605001.	PC/3	1-11-1987	2/2614/90/DLI
2.	M/s. India Radiators Limited, Pozhal, Madras-66 and Branch unit at Penungudi & Head Office at 64, Armenian Street, Madras-1.	TN/1105	1-3-1988	2/2615/90/DLI
3.	M/s. The Chrome Leather Co. Ltd., No. 7, Works Road, Chromepet P.O., Madras-600044.	TN/2195	1-6-1989	2/2616/90-DLI
4.	M/s. Peevce Precision Works Pvt. Ltd., B-16, Industrial Estate, Guindy, Madras-600032.	TN/2938-A	1-4-1988	2/2617/90/DLI
5.	M/s. The Standard Machine Tools, B-3, Ambattur Industrial Estate, Madras-58.	TN/3520	1-3-1989	2/2618/90/DLI
6.	M/s. C.R. Narayana Rao, Architects and Engineers, 5, Karapagambal Nagar, Luz, Mylapore- Madras-600004.	TN/4433	1-7-1988	2/2619/90/DLI
7.	M/s. C.R. Narayana Rao, (Consultants) Pvt. Ltd., 5, Karapagambal Nagar, Luz, Madras-600004.	TN/8338	Do.	Do.
8.	M/s. India Pistons Repco Limited, 2C Industrial Estate Kakkalur P.O. Tiruvellore, Chengalpattu District, Registered Office, 861, Anna Sales, Madras-600002.	TN/4924	1-4-1989	2/2620/90. DLI
9.	M/s. L.M. Van Moppes Diamond Tools India Ltd., Post Box No. 853, Huzur Garden Sembiam, Madras-11.	TN/5284	1-5-1989	2/2621/90/DLI
10.	M/s. T.T. Maps and Publications Ltd., 328, GST Road, Chromepet, Madras-600044.	TN/6097	1-3-1989	2/2622/90/DLI
11.	M/s. A. Bond Strands Pvt. Ltd., D-12, A-12, Ambattur Industrial Estate, Madras-600058.	TN/6954	1-12-1987	2/2623/90/DLI

1	2	3	4	5
12.	M/s. Light Roofings Limited, No. 226 Lloyds Road, Gopalapuram, Madras-600086 and Regional Office 1076, Hardhion Singh Road, Karol Bagh, New Delhi-110005.	TN/7066	1-12-1987	2/2624/90/DLI
13.	M/s. The Eimco K.C.P. Limited, Ramakrishna Building, 2, Victoria Crescent Road, Post Box No. 6815, Madras-600105, Factory at 11A, 3rd Main Road, Industrial Estate, Ambattur-MS-58.	TN/7383	1-3-1988	2/2625/90/DLI
14.	M/s. Tropical Agro Systems Ltd., 118, Broadway, 11th Floor, Madras-600108.	TN/7839	1-5-1989	2/2626/90/DLI
15.	M/s. The Repatriates Co-op. Finance & Development Bank Ltd., Pondy Bazaar, Maras-17.	TN/9046	1-3-1988	2/2628/90/DLI
16.	M/s. National Extraction Industries, 23C/4, Kesavanagar, Sevoor, Arni Taluk, North Arcot District, Madras-632316.	TN/11346	1-3-1989	2/2629/90/DLI
17.	M/s. I.C.F. Silver Jubilee Matriculation Higher Secondary School, I.C.F., Madras-600038.	TN/14792	1-9-1989	2/2630/90/DLI
18.	M/s. Auto Measurmatic Ltd., Sudarsan Gardens, 102, Velachery Road, Guindy, Madras-600032 and Regd. Office at 46 & 47, Developed Plots For Electrical and Electronics Industries, Perungudi, Madras-600096.	TN/16098	1-3-1989	2/2631/90/DLI
19.	M/s. Cortica Manufacturing (India) Pvt. Ltd., Ayidi-Pozzammallee Road, Goverdhanagiri, Kumrajanagar Post, Madras-600071.	TN/17352	1-7-1988	2/2632/90/DLI
20.	M/s. Industrial and Technical Consultancy Organisation of Tamilnadu and Regd. Office 50-A, Greams Road, Madras-600066.	TN/17795	1-10-1987	2/2633/90-DLI
21.	M/s. Asiatic Oxygen Limited 23, SIPCOT Industrial Complex, Ranipet-632403, N.A. Dist.	TN/22921	1-7-1989	2/2634/90-DLI
22.	M/s. India Pistons Limited, No. 8 Haddows Road, Madras-600006, and Regd. Office, Huzar Gardens, Sembiam, Madras-600011.	TN/252	1-3-1989	2/2635/90-DLI
23.	M/s. Unind Marketing Associates., 377, Suryanarayana Stat, Madras-600081.	TN/22983	1-3-1989	2/2636/90-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioners may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charge etc. shall be born by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are

more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. 1/3899.—WHEREAS Madhya Pradesh Audyogic Vikas Nigam Ltd. 2nd Floor, Malvia Nagar, Bhopal (Code No. 3306) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S. 35014/166/86 (SS.II) Dated 21-5-86 and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 21-5-89 to 28-2-90 upto and inclusive of the 28-2-90

SCHEDULE

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioners may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charge etc. shall be born by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the em-

ployees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I 3903.—WHEREAS, the employers of the establishments in Schedule-I (herein after referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Scheduled II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Delhi from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted	Date of expiry exemption	Period for exemption further extendet	C.P. F. C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Hamdard (Wakf) Laboratories (India) Post Box No. 1507, Hamdard Marg, Delhi-6.	DL/100	No. S-35014/168/86 (SS. II) dated 21-5-86.	20-5-89	21-5-89 to 28-2-90	2/1446/86/DLI
2.	M/s. Jullendar Motor Agency (Delhi) Ltd. 2E/5, Jhandewalan Extn., New Delhi.	DL/662	No. S-35014/167/82 PF.II (SS.II) dated 21-2-86.	24-9-88	25-9-88 to 28-2-90	2/488/81/DLI
3.	M/s. Central News Agencies (P) Ltd. 23/90 Connaught Circus, New Delhi-1	DL/721	No. S-35014(123)84-SS. IV dated 21-11-84	20-11-87	21-11-87 to 28-2-90	2/1082/84/DLI
4.	M/s. Young Women's Christian Association of India, Ashoka Road, New Delhi-1.	DL/1413	No. S-35014(213) 86-SS. II dated 20-8-86	19-8-89	20-8-89 to 28-2-90	2/1477/86/DLI
5.	M/s. Pin Cord Industries, 3455/57, Delhi Gate, New Delhi-110006.	DL/2654	No. S-35014/77/82-P.I.II dated 7-4-86 (SS. II)	30-7-88	31-7-88 to 28-2-90	2,576/81/DLI
6.	M/s. Kinetics Technology India Ltd., 73-74, Nehru Place, New Delhi-19.	DL/3268	No. S-35014/71/85-SS. IV dated 27-3-85.	26-3-88	27-3-88 to 28-2-90	2/417/80/DLI

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DIL/Exemp/89/Pt. I/3913. — WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2 (A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employers of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

SCHEDULE-I

REGION : GUJARAT

Sl. No.	Name and Address of the establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Soma Textiles, Rakhial Road, Ahmedabad-380023.	GJ/288	1-7-87 to 28-2-90	2/2774/90/DLI
2.	M/s. Kutchmetra, Janmabhoomi Group of Newspapers, Camp Atrea, Bhuj (Kutch)	GJ/1978	1-7-89 to 28-2-90	2/2806/90/DLI
3.	M/s. Saurashtra Packings Pvt. Ltd., Regd. Office : Pattani Building, M. G. Road, Rajkot-360001	GL/3352	1-8-88 to 28-2-90	2/22772/90/DLI
4.	M/s. Baroda Electric Meters Ltd., Vithal Udyog Nagar, Vallabh Vidya Nagar, Via Anand (Gujarat)	LGI/4535	1-3-88 to 23-2-90	2/2782/90/DLI
5.	M/s. The Manekchowk Co.-op. Bank Ltd., Jaymangal House, Block B, Opp. Gandhi Gram Rly. Station Ellis-Bridge, Ahmedabad-380009.	GJ/4681	1-5-88 to 28-2-90	2/2761/90/DLI
6.	M/s. Gola Publishers, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-21.	GJ/4746	1-3-88 to 28-2-90	2/2768/90
7.	M/s. Sandeep Agencies, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy Gomtipur, Ahmedabad	GJ/4746-A	1-3-88 to 28-2-90	2/2783/90/DLI
8.	M/s. Rang. Mutli Colour Offset, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-380021.	GJ/4746-B	1-3-88 to 28-2-90	2/2784/90/DLI
9.	M/s. Mamta Type Setting Works, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-321021.	GJ/4747	1-3-88 to 28-2-90	2/2785/90/DLI
10.	M/s. Vikas Printery, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-21.	GJ/4748	1-3-88 to 28-2-90	2/2786/90/DLI
11.	M/s. Surekha Binding Works, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-380021.	GJ/4749	1-3-88 to 28-2-90	2/2787/90/DLI
12.	M/s. Ankur Offset, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomti Gomtipur, Ahmedabad-380021.	GJ/4775	1-3-88 to 28-2-90	2/2767/90/DLI
13.	M/s. Cibatul Ltd., P. O. Atul-396020 Distt. Valsad (Gujarat)	GJ/5226	1-11-87 to 28-2-90	2/2780/90/DLI
14.	M/s. A. T. E. Pvt. Ltd., Behind Bhagwati Industries, Odhav, Ahmedabad-382410	GJ/6499	1-3-88 to 28-2-90	2/2755/90/DLI
15.	M/s. Gujarat Agro Industries Corpn. Ltd., Jagan Oil Extension Unit at : Jagna, Distt. Banaskantha	GJ/6651-H	1-8-87 to 28-2-90	2/1650/87
16.	M/s. G. L. Rexroth Industries Ltd., Popular House, 6th Floor, Ashram Road, Ahmedabad-380009	GJ/6928	1-5-88 to 28-2-90	2/2781/90
17.	M/s. Shri Marangi Transport Co., (Agency) 12, Suprabhat Industrial Estate Bardalpuora, Ahmedabad-380016.	GJ/7470-A	1-3-88 to 28-2-90	2/2775/90/DLI
18.	M/s. Harasha Engineers (P) Ltd., 217, G. V. M. M. Ltd. Estate, Odhav Road, Ahmedabad-382410	GJ/7742	1-10-87 to 28-2-90	2/2791/90/DLI

1	2	3	4	5
19.	M/s. Eimco (India) Ltd., Anand Sojitra Road, Vallabh-Vidyanagar, Distt. Kheda.	GJ/7786	1-5-88 2/2763/90/DLI to 28-2-90	
20.	M/s. Syncar Products, Plot No. 1/5 & 1/6, GIDC Estate, Vapi-396195, Distt. Bulsar.	GJ/8440-B	1-7-88 2/2756/90/DLI to 28-2-90	
21.	M/s. Everest Chemicals & Minerals Pvt. Ltd., Plot No. 203, G. I. D. C., Vapi-396195.	GJ/9449	1-3-88 2/2757/90/DLI to 28-2-90	
22.	M/s. Galazy Paints, G. I. D. C. Vapi-396195.	GJ/9449-A	1-3-88 2/2766/90 to 28-2-90	
23.	M/s. Vapi Polymers Pvt. Ltd., Plot No. 203/2, G. I. D. C., Vapi-396195	GJ/9449-B	1-3-88 2/2764/90 to 28-2-90	
24.	M/s. Hindustan Engineers., A/2-4, G. I. D. C., Bhimora Distt., Valsad.	DGJ/9539	1-9-88 2/2758/90 to 28-2-90	
25.	M/s. A. Z. Metal Industries, G. I. D. C. Gundhav, Valsad Industrial Estate, Valsad	GJ/9545	1-10-88 2/2788/90/DLI to 28-2-90	
26.	M/s. Khatan Junker Ltd., (M.P.P.C.Divn.), Plot No. 624/28, G.I.D.C. Estate, Ankleshwar, Valia Road, Ankleshwar- 393002	GJ/958 0	1-4-88 2/2789/90/DLI to 28-2-9	
27.	M/s. Perfect Equipments, L/172, G. I. D. C. Estate, Odhav Road. Ahmedabad-362415	GJ/11040-A	1-7-88 2/2790/DLI to 28-2-90	
28.	M/s. Drhardt Leimer (India) Ltd., Suvrey No. 320, Odhav Road, Ahmedabad-382410	GJ/11087	1-3-88 2/2776/90 to 28-2-90	
29.	M/s. Trumatic Engineering Co. Ltd., N. I. D. C. Estate, Nagar Lamba Village Narol, Distt. Ahmedabad.	GJ/11129	1-3-88 2/2792/50/DLI to 28-2-90	
30.	M/s. Garwin Pumps Ltd., C-1/273, G. I. D. C. Township Naroda-382330, Ahmedabad	GJ/11286	1-3-88 2/2771 /90/DLI to 28-2-90	
31.	M/s. Schautz Cuatrecasas Pvt. Ltd., 43/2, G. I. D. C., Estate, Kajol (N.G.)	GJ/11327	1-2-89 2/2771/90/DLI to 28-2-90	
32.	M/s. Banaskantha, Mehsana Gramin Bank, Rajmahal Road, Near Railway Station, Patna.	GJ/14371	1-1-88 2/2793/90/DLI to 2-2-90	
33.	M/s. Sidmak Laboratories (India) Pvt. Ltd., National Highway-8, Abrama. Valsad-396001.	GJ/15824	1-8-88 2/2794/90/DLI to 28-2-9 0	
34.	M/s. Tapti Industrial Engineers, Mankush Compound, A. K. Road. Surat-395008	GJ/16714	1-9-8 8 2/2761/ 0/DLI to 28.2-90	
35.	M/s. Milax Cable Industries, Rakhtal Station-382315, Tala-Dehegam, Distt. Ahmedabad.	GJ/14793	1-5-88 2/2765/90/DLI to 28-2-90	

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance

premium transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/legal heir (s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heirs (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/legal heirs (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme :

NOW, THEREFORE in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. and date shown against the name of each of the said establishment as per Schedule I, and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period upto 28-2-90 as indicated against their names.

SCHEDULE-I

REGION : MADHYA PRADESH

S. No.	Name and Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier	Period for C. P. F. C's exemption further extended	File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Swadeshi Cotton & Flour Mills, 7 Shilnatn Comp. Indore-452003	MP/6	S. 35014(87)86 SS.II Dt. 5-3-86	4-3-89	5-3-89 to 28-2-90	2/1382/86-DLI
2.	M/s. Sanghi Brothers (Indore) Ltd. 6 Manorama ganj Indore-452001	MP/249	S.35014/18/82-PF.II (SS. II) dt. 2-4-85	9-9-88	10-9-88 to 28-2-90	2650/82-DLI
3.	M/s. Bhilai Engineering Corporation Ltd., Unit of Beco Steel Castings, Industrial Area P. B. No. 31, Bhilai (M. P.)	MP/756	S. 35014/176/83-PF.II (SS.II) dt. 28-8-86	21-10-89	22-10-89 to 28-2-90	2/916/83-DLI
4.	M/s. Oriental Importers and Exporters P. B. 36 Laxmi Nivas Jayendrajanj Gwalior (M. P.)	MP/1045	S. 35014/299/82 PF-II (SS. IV) dt. 19-3-86	14-1-89	15-1-89 to 28-2-90	2/739/82/DLI

1	2	3	4	5	6	7
5.	The Madhya Pradesh State Agro Industries Development Corporation Ltd., Panchanan 3rd Floor, Malviya Nagar, Bhopal (M. P.)	MP/1636	S. 35014/360/82-PF-II (SS. II) Dt. 231-1-86	11-2-89	12-2-89 to 28-2-90	2/792/82-DLI
6.	The District Co-operative Land Development Bank Guna (M.P.)	MP/2018	S. 35014/255/83-PF-II (SS. II dt. 29-8-86)	23-12-89	24-12-89 to 28-2-90	2/944/83-DLI
7.	M/s. Simplex Casting Pvt. Ltd., 5 Industrial Estate Bhilai-490026 (M. P.)	MP/2045	S. 35014/(226)85-SS-IV Dt. -8-11-85	7-11-88	8-11-88 to 28-2-90	2/21268/85-DLI
8.	The M. P. Text Book Cop. Shivaji Nagar, Bhopal (M. P.)	MP/2076	S. 35014/465/82-PF-II (SS. II) dt. 2-6-86	11-2-89	12-2-89 to 28-2-90	2/830/82-DLI
9.	M/s. Gwallor Rayon Silk (Mfg.) Wing Co. Ltd. (Chemical Division) Bhilagam, Nagda-456331	MP/2094	S. 35014/(262)86-S.S.II dt. 3-12-86	10-2-90	11-2-90 to 28-2-90	2/14/76 DLI
10.	M/s. Sakhabir Singh Contractor Jogendra Singh Colony, Nandini Road, Bhilai Distt. Durg (M. P.)	MP/2114	S. 35014/(261)85-SS-IV dt. 20-11-85	19-11-88	20-11-88 to 28-2-90	2/1291/85
11.	M/s. Niteshwar Singh Contractor Qur. No. L.I. G. 101 Valshali Nagar Khoka Road, Bhilai Durg. (M. P.)	M.P./2373	S. 35014/(225)-85-SS-IV dt. 811--85	7-11-88	8-11-88 to 28-2-90	2/1287/85

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/ Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the

amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/legal heir (s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heirs (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/legal heirs (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner.